नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 28 मई 2025 बुधवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 11 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1959 : आज ही के दिन दो अमरीकी बंदरों ने अंतरिक्ष की सफल यात्रा की।

1998 : पकिस्तान ने पहला परमाणु परीक्षण किया।

2000 : भारत के राष्ट्रपति के. आर. नारायणन चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए छह दिनों की राजकीय यात्रा पर पेइचिंग पहुंचे।

2002 : नेपाल में आपातकाल लगा।

2008 : नेपाल में 240 सालों से चली आ रही राजशाही का अंत हुआ।

झारखंड में 48 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने 14 जिलों के एसएसपी-एसपी सहित कुल 48 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। जिन जिलों के एसएसपी-एसपी बदले हैं, उनमें जमशेदपुर व धनबाद के एसएसपी के अलावा पाकुड़, गढ़वा, लोहरदगा, सिमडेगा, हजारीबाग, जामताड़ा, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा, गुमला, खूंटी, बोकारो व चतरा जिले शामिल हैं। सरकार ने रांची के एसपी सिटी, एसपी ग्रामीण व धनबाद के एसपी सिटी का भी तबादला कर दिया है। इतना ही नहीं, एडीजी प्रिया दुबे को एडीजी आधुनिकीकरण सह प्रशिक्षण का अतिरिक्त प्रभार तथा विशेष शाखा के आईजी प्रभात कुमार को आईजी जैप का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मंगलवार की देर रात गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। सभी स्थानांतरित अधिकारियों को अविलंब अपने नए स्थान पर योगदान के लिए आदेश दिया गया है। जिनका अन्यत्र तबादला नहीं हुआ है, उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान देने के लिए कहा गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार तदाशा मिश्रा को एडीजी रेल से विशेष सचिव गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, संजय आनंदराव लाठकर को एडीजी अभियान से एडीजी रेल, टी. कंदसामी को विशेष सचिव गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से एडीजी अभियान, प्रिया दुबे को एडीजी जैप को एडीजी प्रशिक्षण सह आधुनिकीकरण का भी अतिरिक्त प्रभार मिला है। मनोज कौशिक को आईजी मुख्यालय से आईजी रांची, अखिलेश कुमार झा को आईजी रांची से निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग, अमोल वीनुकांत होमकर को आईजी अभियान से आईजी रेल, प्रभात कुमार को आईजी विशेष शाखा अपने कार्यों के अतिरिक्त आईजी जैप, माइकल राज एस. को आईजी बोकारो से आईजी अभियान, क्रांति कुमार गडिदेशी को आईजी दुमका से आईजी बोकारो, नरेंद्र कुमार सिंह को आईजी रेल से आईजी मानवाधिकार, शैलेंद्र कुमार सिन्हा को निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी से आईजी दुमका, सुदर्शन प्रसाद मंडल को आईजी संगठित अपराध सीआइडी सह आईजी जेल के अतिरिक्त आईजी मुख्यालय, पटेल मयूर कन्हैयालाल को आईजी मानवाधिकार से आईजी प्रोविजन, संजीव कुमार को डीआईजी हजारीबाग से डीआईजी एसीबी, वाईएस रमेश को डीआईजी पलामू से डीआईजी एससीआरबी, सुरेंद्र कुमार झा को डीआईजी बोकारो से डीआईजी कार्मिक, चौथे मनोज रतन को डीआईजी कोल्हान चाईबासा से डीआईजी विशेष शाखा, संध्या रानी मेहता को डीआईजी सीआइडी से डीआईजी बजट, शैलेंद्र कुमार वर्णवाल को डीआईजी एसीबी से डीआईजी विशेष शाखा, नौशाद आलम अंसारी को डीआईजी कार्मिक से डीआईजी पलामू, चंदन कुमार झा को डीआईजी विशेष शाखा से डीआईजी सीआइडी, अनुरंजन किस्पोट्टा को डीआईजी विशेष शाखा से डीआईजी कोल्हान चाईबासा, कुसुम पुनिया को एसपी विशेष शाखा से समादेष्टा जैप-9 साहिबगंज, किशोर कौशल को एसएसपी जमशेदपुर से समादेष्टा जैप-7 हजारीबाग, मोहम्मद अर्शी को समादेष्टा जैप-7 हजारीबाग से एसपी सिमडेगा, हृदीप पी. जनार्दनन को एसएसपी धनबाद से एसपी विशेष शाखा, निधि द्विवेदी को एसपी सीआइडी से एसपी पाकुड़, आशुतोष शेखर को एसपी पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा से एसपी पीटीसी पद्मा, पियूष पांडेय को समादेष्टा जैप-10 से एसएसपी जमशेदपुर, प्रभात कुमार को एसपी पाकुड़ से एसएसपी धनबाद, अमन कुमार को एसपी खूंटी से एसपी गढ़वा, सादिक अनवर रिजवी को एसपी एसीबी से एसपी लोहरदगा, अरविंद कुमार सिंह को एसपी हजारीबाग से एसपी एसीबी, विकास कुमार पांडेय को एसपी चतरा से एसपी एसीबी, अंजनी अंजन को एसपी एसीबी से एसपी हजारीबाग, सौरभ को एसपी सिमडेगा से समादेष्टा जैप-10, राजकुमार मेहता को एसपी सिटी से एसपी जामताड़ा, शंभू कुमार सिंह को एसपी गुमला से समादेष्टा जैप-4 बोकारो, एसआइएसएफ बोकारो का भी प्रभार, अजीत कुमार को एसपी नगर धनबाद से एसपी नगर रांची, मुकेश कुमार को समादेष्टा एसआइएसएफ बोकारो से एसपी गोड्डा, राकेश रंजन को समादेष्टा जैप-1 से एसपी पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा, हरिश बिन जमां को एसपी लोहरदगा से एसपी गुमला, मनीष टोप्पो को एसपी विशेष शाखा से एसपी खूंटी, हरविंदर सिंह को एसपी संचार एवं तकनीकी सेवाएं से एसपी बोकारो, सुमित कुमार अग्रवाल को एसपी ग्रामीण रांची से एसपी चतरा, प्रवीण पुष्कर को एसपी रेल से एसपी ग्रामीण रांची एवं ऋत्विक श्रीवास्तव को एएसपी अभियान चतरा से एसपी नगर धनबाद के पद पर पदस्थापित किया गया है।

28,945 सरकारी स्कूलों को टैब वितरित

रांची (नबिटा ब्यूरो)। राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्राइमरी स्कूलों के गुरुजी अब टैब लेकर बच्चों का ज्ञानवर्धन करेंगे। काफी जद्दोजहद के बाद शिक्षा विभाग ने राज्य के 28,945 सरकारी स्कूलों को टैब वितरित किया है। शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षकों के बीच टैब वितरित किया। ऑनलाइन शिक्षा और स्कूलों के कामकाज के लिए सरकार ने 2020-21 में टैब देने की योजना बनाई गई थी। जिसके तहत प्रारंभ में केंद्र सरकार ने प्रति टैब 10 हजार रुपया देने का निर्णय लिया था। मगर टैब के मूल्य के आगे आवंटित राशि कम पड़ गई जिसे बाद में राज्य सरकार ने प्रति टैब 5000 रुपया देने का निर्णय लिया। इस तरह से प्रति टैब 15 हजार रुपया उपलब्ध होने के बाद शिक्षा विभाग टेंडर कराने में सफल हुआ और आखिरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में पढानेवाले गुरुजी अब हाईटेक हो गए।

सभी के सहयोग से पलामू का होगा विकास : समीरा एस.

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2018 बैच की अधिकारी समीरा एस0 आज पलामू के 105 वें जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम समाहरणालय के ब्लॉक-ए के द्वितीय तल पर अवस्थित नये सभागार भवन में संपन्न हुआ। निवर्तमान उपायुक्त शशि रंजन ने उन्हें प्रभार सौंपा और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण के उपरांत नव पदस्थापित उपायुक्त समीरा एस0 पदाधिकारी एवं मीडिया से मुखातिब हुईं। उन्होंने सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से पलामू का विकास होगा। उन्होंने विकास के कार्यो को आगे ले जाने की बातें कही। निवर्तमान उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि पलामू में टीम भावना के साथ कार्य करने की कोशिश की। पलामू के विकास कार्यो में आमजनों के साथ- साथ, पदाधिकारी एवं मीडिया का काफी सहयोग मिला। उन्होंने सभी से जिले के चहुंमुखी विकास में वर्तमान उपायुक्त को भी सहयोग करने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि पलामू में पदस्थापन के दौरान प्रोफेशनल परिपक्वता आई है। पलामू में अपनापन का एहसास हुआ। उन्होंने सभी के प्रति आभार जताया। पदभार ग्रहण के पश्चात उपायुक्त समीरा एस0 को जिले के पदाधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने पहुंची भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी समीरा एस0 एवं तत्कालीन उपायुक्त शशि रंजन ने संयुक्त रूप से समाहरणालय के ब्लॉक-ए के द्वितीय तल पर अवस्थित नये सभागार का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम के मौके पर मुख्य रूप से निवर्तमान उपायुक्त शशि रंजन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी सहित अन्य कर्मीगण एवं मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नक्सल विरोधी अभियान में मारा गया भाकपा माओवादी एरिया कमांडर तुलसी भुइयां : सुनील भास्कर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड के महानिदेशक व पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार उग्रवाद निरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 15 लाख का इनामी एरिया कमांडर तुलसी भुईयां को मुठभेड़ में मार गिराया गया। पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन के नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन में झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ, जैप 8 व हैदरनगर थाना के पुलिस बल शामिल थे। उक्त बातों का खुलासा पलामू के आईजी सुनील भास्कर ने की। वे मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में पत्रकारों को भाकपा माओवादियों से मुठभेड़ की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने नक्सलियों से मुख्य धारा में आने का आग्रह किया। कहा कि झारखंड सरकार की सरेंडर पॉलिसी का लाभ लें व बेहतर जिंदगी व्यतीत करें। मौके पर मौजूद पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने कहा कि तुलसी भुईया पर हरिहरगंज में हाईवे जलाने के मामले में केस दर्ज है। कहा कि क्षेत्र में अभी भी सर्च अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि तुलसी भुईया नितेश यादव के दस्त के साथ चल रहा था । पिछले तीन दिनों से लगातार लातेहार व पलामू में नक्सल विरोधी सर्च अभियान चलाया जा रहा था। कहा कि नक्सलियों को हर हाल में मुख्य धारा में लौटना होगा। पलामू की पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने बताया कि 26 मई को 10 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि कि 15 लाख रुपए का भाकपा (माओवादी) के शीर्ष उग्रवादी रिजनल कमांडर नितेश यादव उर्फ ईरफान उर्फ नंदू उर्फ किरानी के नेतृत्व में, 10 लाख रुपया का इनामी जोनल कमांडर संजय यादव उर्फ गोदराम जी उर्फ बुधराम जी, एरिया कमांडर इम्तियाज अंसारी उर्फ ठेगन मियां व एरिया कमांडर तुलसी भुईया अपने दस्ते के साथ हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के नैया, केमो व प्रतापुर के जंगलों व पहाड़ियों में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन व एक विशेष अभियान दल का गठन करते हुए त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

किशनगंज में बारिश से टूटा डायवर्सन, 4 गांवों का संपर्क कटा

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के पोठिया प्रखंड के सरोगरा पंचायत में स्थित शेखपुरा गांव में सोमवार की रात हुई मूसलाधार एक निर्माणाधीन पुल का डायवर्सन पानी के तेज बहाव में बह गई। इस डायवर्सन के टूटने से शेखपुरा, भूलगरा, बनवारी और बलेगची गांवों का आपस में संपर्क पूरी तरह कट गया है। इससे लगभग 3000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। डायवर्सन की खराब गुणवत्ता इस समस्या का मुख्य कारण बनी है। स्थानीय निवासी मोहम्मद इसराइल ने बताया कि डायवर्सन के टूटने से स्कूली बच्चों, किसानों और मजदूरों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक अन्य निवासी रीता देवी ने बताया कि यह पुल आसपास के गांवों को जोड़ने का एकमात्र रास्ता है। इससे वर्तमान में आपातकालीन सेवाएं और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। डॉक नदी के किनारे बनी झील की वजह से स्थिति और जटिल हो गई है। बारिश के मौसम में वैकल्पिक रास्तों के जलमग्न होने की आशंका से चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से डायवर्सन की तत्काल मरम्मत की मांग की है। साथ ही, निर्माण कार्य में तेजी लाने की अपील की है, ताकि लोगों का जीवन सामान्य हो सके।

वैशाली में स्कॉर्पियो ने चाय दुकानदार को मारी टक्कर, मौत

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में सोमवार की रात हुए एक सड़क हादसे में चाय दुकानदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर बखरी गांव निवासी श्रवण साह (60) के रूप में हुई है। घटना देर रात करीब 10 बजे की है। मृतक के परिजनों ने बताया कि श्रवण साह रानीपोखर चौक पर चाय-नाश्ते की दुकान चलाते थे। वह एक भोज समारोह से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। महुआ थानाध्यक्ष राकेश रंजन ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक चाय-नाश्ते की दुकान चलाकर अपना परिवार चलाते थे।

भोजपुर में बच्चे के विवाद में मारपीट : पड़ोसी ने पिता-पुत्री पर लाठी-डंडे से किया हमला

आरा, भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद में मारपीट हुई है। पड़ोसी ने लाठी-डंडे से पिता-पुत्री और पोते की पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने झगड़े को शांत कराया। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना छोटकी सनदिया गांव के राम नगर टोला की है। घायलों की पहचान गुलजारी राम(50), बेटी रीता कुमारी(19) और पोता अंकुश कुमार(9) के तौर पर हुई है। पीड़ित ने बताया कि मेरी पोती अंशु कुमारी(5) घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रही थी। इसी बीच पड़ोस का एक लड़का आया और कहने लगा कि तुम लोगों के साथ मैं भी खेलूंगा। लेकिन अंशु ने उसे मना कर दिया। गुस्से में आकर लड़के ने पोती को थप्पड़ मार दिया। इसी बात को लेकर मैंने उसे डांटा था। कुछ देर बाद उसने अपने परिजनों को बुला लिया। सबसे पहले अंकुश को मारा। इसके बाद लाठी-डंडे से मुझे और मेरी बेटी की पिटाई कर दी। बेटी को जमीन पर पटकर लात से पेट में मारा। आसपास के लोगों ने हमलोगों को बचाया। इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। वहीं, सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि लड़की के पेट और बुजुर्ग के सिर में काफी चोटें आई है। सभी का इलाज चल रहा है।

किशनगंज में एनएच-327ई सर्विस रोड धंसी : सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल, लोगों ने जांच की मांग की

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड में गलगलिया-अररिया राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड अचानक धंस गई। यह घटना साबोडांगी चौक के समीप हुई। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण में लापरवाही के लिए जीआर कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है। सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद जवारुल हक ने बताया कि वे कादोगांव बाजार से लौट रहे थे। उन्हें सड़क धंसने की जानकारी नहीं थी। वे बाल-बाल बच गए। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रसमुद्दीन ने कहा कि दिन में सड़क का धंसना लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने जिला पदाधिकारी विशाल राज से जांच और कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सर्विस रोड का उपयोग रोजाना सैकड़ों लोग करते हैं। सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी से यह स्थिति बनी है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि यह घटना रात में हुई होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। साथ ही जिला प्रशासन से सड़क की मरम्मत और निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच की मांग की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नहीं अटकेगा जमीन का कोई काम, सरकार ने पंचायत सचिव और अंचल अमीन को दी बड़ी जिम्मेदारी

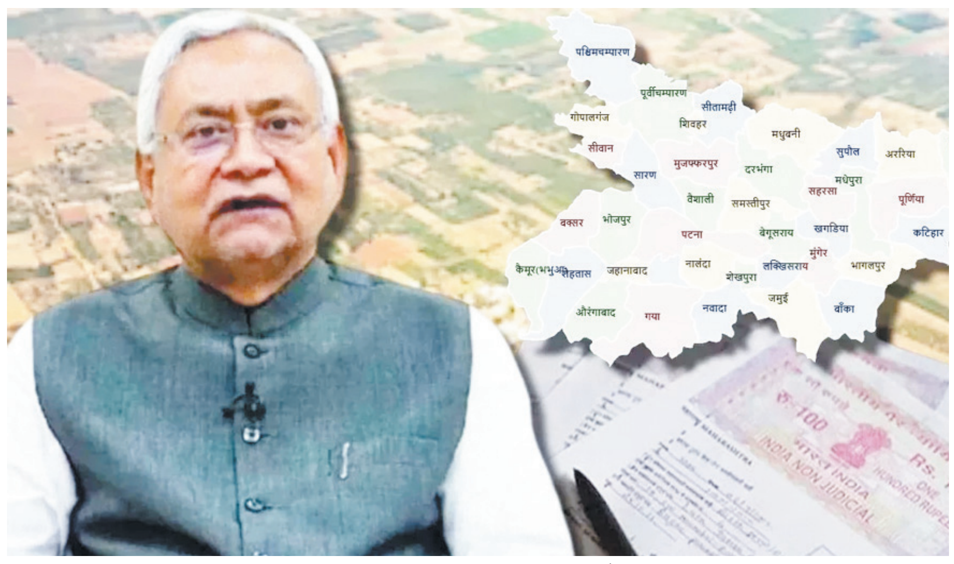

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व कर्मचारी पिछले करीब दो माह से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इस कारण अंचलों में दाखिल खारिज, परिमार्जन समेत जमीन से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्य बाधित हैं। राजस्व कर्मचारियों को काम पर वापस लौटाने का विभाग के स्तर से काफी प्रयास किया गया, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

अंचलों में उत्पन्न समस्या को देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से अहम निर्णय लिया गया। इसके तहत अब राजस्व कर्मचारियों का भी कार्य पंचायत सचिव और अंचल अमीन को करना होगा। इसे लेकर सोमवार को सभी जिलों में पटना से ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

जिले में समाहरणालय सभागार के ऊपरी तल पर पंचायत सचिव और अमीन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। विभाग के अधिकारियों ने राजस्व कर्मचारियों के कामकाज के बारे में तकनीकी रूप से जानकारी दी।

सके बाद सभी संबंधितों से इस विषय पर सवाल जवाब भी किया गया। इस कार्य को करने में किसी प्रकार की दिक्कत के बारे में भी जानकारी ली गई। इसके बाद राजस्व कर्मचारियों के लिए आवंटित कराया गया लैपटॉप पंचायत सचिव और अमीन को उपलब्ध कराते हुए कार्य शुरू कराने को कहा गया।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के विशेष सचिव ने सभी समाहर्ता को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि राजस्व कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने के कारण अंचलों में कामकाज प्रभावित हो रहा है। इसके लिए जो राजस्व कर्मचारी सेवानिवृत हो गए हैं, उनकी सूची तैयार की जाए और संविदा पर इनका नियोजन किया जाए, ताकि जमीन संबंधित कामकाज लंबित नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि अगर सेवानिवृत कर्मी इच्छुक हैं तो वे 31 तक अपर समाहर्ता के कार्यालय में पहुंचकर पेंशन प्राधिकार और पहचान पत्र दिखाते हैं तो इस आधार पर उनका नियोजन किया जा सकता है।

मुशहरी, कांटी, मीनापुर, कुढ़नी और मोतीपुर अंचल का प्रदर्शन पिछली समीक्षा बैठक में सबसे खराब रहा था। दाखिल खारिज और परिमार्जन के लंबित आवेदनों के निष्पादन में पिछड़ने पर कांटी, मीनापुर, कुढ़नी और मोतीपुर के राजस्व कर्मचारी को डीएम ने निलंबित किया था, जबकि मीनापुर सीओ पर आर्थिक दंड भी लगाया गया था। इन अंचलों में दाखिल खारिज का निष्पादन 80 प्रतिशत के आसपास है।

खान सर ने रचाई शादी, खुद किया खुलासा : पटना में 2 जून को रिसेप्शन

पटना, एजेंसी। अपने अलग अंदाज से पढ़ाने के लिए मशहूर शिक्षक खान सर ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक लाइव क्लास के दौरान इस बात का खुलासा किया कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान वो शादी कर चुके हैं। वीडियो में वे 2 जून को पटना में रिसेप्शन की बात कह रहे हैं। इसके साथ ही छात्रों के लिए 6 जून को भोज देने की बात है। वीडियो में खान सर कह रहे हैं मैंने शादी भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के दौरान की थी। जब पूरा देश युद्ध की खबरों पर नजरें गड़ाए बैठा था, तब मैं शादी कर रहा था।

हालांकि वीडियो में वे मजाकिए लहजे में अपनी बात कह रहे हैं। इस दौरान वे स्टूडेंट्स से कहते हैं आप मेरे सबसे करीब हैं, मेरा वजूद आप से है, इसलिए सबसे पहले आपको ये बता रहा हूं। यह सुनते ही उनके छात्र पहले तो चौंक गए, लेकिन इसके बाद पूरे सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। खबर सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि खान सर की पत्नी कौन हैं। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने ÷ए एस खान÷ नाम की एक युवती से निकाह किया है। हालांकि इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही खान सर ने अपनी पत्नी का नाम सार्वजनिक रूप से बताया है। खान सर की रिसेप्शन कार्ड भी बेहद साधारण और निजी रखा गया है, जिसमें न तो उन्होंने अपना असली नाम बताया और न ही अपनी पत्नी का पूरा नाम। इससे यह साफ होता है कि खान सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर अब भी सतर्क हैं। खान सर का यूट्यूब चैनल और खान जीएस रिसर्च सेंटर देशभर में छात्रों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को सरल भाषा में विषयों को समझाने के लिए जाने जाते हैं।

भागलपुर में तेज गति से कार चला रहे चालक ने तीन वाहनों को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे कई लोग

भागलपुर, एजेंसी। बरारी-तिलकामांझी रोड पर तिलकामांझी चौराहे से चंद फर्लांग की दूरी पर रात सवा आठ बजे तेज गति से कार चला रहे एक चालक ने तीन वाहनों को टक्कर मार दी।

इस घटना में तीनों वाहन चालकों को चोटें आई हैं। कार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना को लेकर वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोपित कार चालक को लोग पीटने पर उतारू हो गए।

लेकिन क्षतिग्रस्त वाहनों में से एक वाहन के मालिक ने आरोपित वाहन चालक को देख कर उसके मालिक से बात कर मामले में क्षतिपूर्ति और समझौते की बात करने लगे। इस बीच स्थानीय दुकानदारों ने घटना की सूचना बरारी थाने को दे दी। पुलिस टीम मामले की छानबीन कर रही है।

वहीं, दूसरी ओर पीरपैंती बाराहाट एनएच 133 पर साठो गांव के समीप बाराहाट की ओर से तेज रफ्तार से आ रही सीएनजी ऑटो से एक व्यक्ति गिर गया। जिसके बाद चालक जख्मी को छोड़ भागने लगे।

पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस जख्मी को रेफरल अस्पताल पहुंचाया। जख्मी की पहचान झारखंड के नुना जोर के घट बोरिया निवासी भूपेंद्र राय के रूप में हुई है। डॉ. जीतू ने बताया कि जख्मी का सिर पर गंभीर चोट आई है।

पटना में पेट्रोल पंप मैनेजर से 5.75 लाख लूटे

पटना, एजेंसी। बाढ़ अनुमंडल में एक पेट्रोल पंप मैनेजर से चार नकाबपोश बदमाशों ने 5.75 लाख रुपए लूट लिए। यह घटना सालिमपुर थाना क्षेत्र के डोमा गांव के पास रेलवे गुमटी के निकट हुई। पेट्रोल पंप मैनेजर विजय कुमार शाम 5 बजे बुद्धा फॉसिल फ्यूल सेंटर का कैश बैंक में जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार चार नकाबपोश बदमाश आए। उन्होंने हथियार दिखाकर विजय कुमार से कैश छीन लिया। अपराधियों ने लूट के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी। वारदात के बाद चारों बदमाश उसी रास्ते भाग गए जिधर से आए थे। विजय कुमार नियमित रूप से पेट्रोल पंप से बैंक में पैसे जमा कराने जाते थे।

घटना की सूचना मिलते ही सालिमपुर और बख्तियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

तेजस्वी यादव फिर बने पापा, बेटे के साथ तस्वीर शेयर की

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव फिर पापा बन गए हैं। उन्होंने बेटे के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। राजश्री कोलकाता के अस्पताल में भर्ती हैं। 26 मई को लालू-राबड़ी बहू से मिलने कोलकाता के लिए निकले थे। तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर बेटे की फोटो शेयर करते हुए लिखा, आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। घर में छोटे बच्चे के आने से बहुत खुश हूं। जय हनुमान।

बुआ रोहिणी ने लिखा, जूनियर टूटू को ढेर सारा प्यार। हॉस्पिटल का एक 24 सेकेंड का वीडियो सामने आया है, जिसमें वीडियो कॉल पर तेजस्वी यादव अपने पिता लालू यादव से कह रहे हैं, पापा, बेटा हुआ है, आपका पोता हुआ है। 2023 में पहली बार पिता बने थे तेजस्वी यादव 27 मार्च 2023 में तेजस्वी यादव पहली बार पिता बने थे। उस वक्त एक बेटी का जन्म हुआ था, जिसका लालू यादव ने कात्यायनी नाम रखा। उस वक्त तेजस्वी नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम थे। तब परिवार लैंड फॉर जॉब्स केस में ईडी और सीबीआई की पूछताछ का भी सामना कर रहा था।

दिसंबर 2021 में दिल्ली में बचपन की दोस्त के साथ की थी शादी 9 दिसंबर 2021 को तेजस्वी यादव ने राजश्री यादव से शादी की थी। दिल्ली के साकेत स्थित मीसा भारती के सैनिक फार्म हाउस पर विवाह समारोह संपन्न हुआ था। पहले दोनों की सगाई हुई। उसके बाद परिवार के समक्ष तेजस्वी-रेचल (राजश्री) ने अग्नि के सात फेरे लिए थे। कार्यक्रम में पिता लालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, बहन मीसा भारती, भाई तेजप्रताप यादव और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी पत्नी डिंपल के साथ शामिल हुए थे। तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी की दोस्ती बचपन की है। दोनों साथ में डीपीएस, आरके पुरम में पढ़ते थे। वहीं, 2014 से करीब आ गए थे।

दोस्ती प्यार में बदली और दोनों एक-दूसरे के हो गए। तेजस्वी लालू-राबड़ी के सबसे छोटे संतान हैं।

मुजफ्फरपुर के सरैया में बनेगा फुटबॉल स्टेडियम, निर्माण कार्य पर 2 करोड़ से ज्यादा होंगे खर्च

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में सरैया प्रखंड के एसकेएसडी हाई स्कूल जैतपुर में 2 करोड़ 5 लाख 92 हजार लागत से फुटबॉल स्टेडियम सह एथलेटिक ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव विभाग को भेजा गया था। जिसके बाद प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। अब कार्यकारी निर्माण एजेंसी, भवन निर्माण विभाग की ओर से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

फुटबॉल ग्राउंड और रनिंग ट्रैक की सुविधा : जिला पदाधिकारी ने बताया कि फुटबॉल स्टेडियम सह एथलेटिक ट्रैक (200द्व) बनने से युवाओं को फायदा होगा। खासकर मुसहरी प्रखंड के खिलाड़ियों के लिए स्थानीय स्तर पर ही स्टेडियम की सुविधा मिलेगी। युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा को विकसित करने का मौका मिलेगा। आउटडोर स्टेडियम की साइज 115द्वम 95द्व होगा। जिसके बीच में फुटबॉल ग्राउंड होगा और साइड से रनिंग ट्रैक की सुविधा रहेगी। इसके अतिरिक्त पंचायत स्तर पर भी मनरेगा द्वारा खेल मैदान का निर्माण किया जा रहा है। प्रगति की लगातार समीक्षा और फील्ड विजिट कर प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। ताकि खिलाड़ियों को अत्यंत उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण खेल के मैदान की सुविधा शीघ्र प्राप्त हो जाए। जिला में कुल 310 चयनित योजनाओं में से 226 पर काम शुरू हुआ है। जिसमें 115 का कार्य पूर्ण हो गया है। 111 पर काम चल रहा है। जिलाधिकारी ने उपविकास आयुक्त को सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग कर जल्द कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

20 सहायक प्राध्यापकों को नियुक्ति पत्र मिला, कई योजनाओं का शिलान्यास

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान का जायजा लिया। कई योजनाओं का शिलान्यास किया। 20 सहायक प्राध्यापकों को नियुक्ति पत्र दिया। इन सहायक प्राध्यापकों का चयन बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने किया। मुख्यमंत्री ने रीतू नारायण, प्रीति सिंह, अशोक कुमार, संतोष कुमार झा एवं संजय कुमार को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र दिया। बाकी लोगों को शिक्षा मंत्री ने नियुक्ति पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने संस्थान में 2.87 करोड़ रुपए से बनने वाले एनेक्सी भवन का शिलान्यास किया। वार्डन ब्लॉक व स्टार्टअप ब्लॉक का भी शिलान्यास किया। इन पर क्रमश : 4.90 करोड़ व 5.33 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उन्होंने संस्थान के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। वहां की व्यवस्थाओं तथा शैक्षणिक कार्यकलापों की जानकारी ली। उन्होंने संस्थान परिसर में स्थापित पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव व संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सिद्धार्थ ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, ओएसडी गोपाल सिंह, डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी अवकाश कुमार आदि मौजूद थे। 1973 में शुरू हुआ था संस्थान इस संस्थान की स्थापना 1973 में 'बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनोमिक डेवलपमेंट' नाम से हुई थी। अभी यहां स्नातक व स्नातकोत्तर व स्तर के प्रोफेशनल कोर्स चलते हैं। प्रबंधन के क्षेत्र में पूर्वी भारत में इस संस्थान का खासा नाम है।

एनडीए के कार्यक्रम में शामिल होने पर दो राजद नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए निकाला

बांका, एजेंसी। बांका में रजौन के दो राजद नेता दिवाकर यादव और विष्णुदेव ठाकुर को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। यह कार्रवाई राजद के बांका जिलाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर ने की है। सोमवार की शाम उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। इस फैसले के बाद धोरैया विधानसभा में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। जिसको लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। निष्कासित के बाद दोनों नेता ने इस फैसले का विरोध किया।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि 25 मई 2025 को रजौन प्रखंड परिसर में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम एनडीए के बैनर तले हुआ था। इस कार्यक्रम में दोनों नेता शामिल हुए थे। कार्यक्रम में जदयू के नेताओं की मौजूदगी थी। इसे राजद ने पार्टी नीति और सिद्धांतों का उल्लंघन माना। जिलाध्यक्ष ने कहा कि दोनों नेता लंबे समय से समाजवादी विचारधारा के साथ पार्टी में काम कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने एनडीए नेताओं के दबाव और सान्निध्य में आकर पार्टी के विधायक और संगठन की अवहेलना की। यह न सिर्फ गलती थी, बल्कि पार्टी विरोधी कार्य भी था। इसलिए दोनों को राजद की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है।

इस संबंध में पूछे जाने पर राजद नेता दिवाकर यादव और विष्णुदेव ठाकुर ने जिला अध्यक्ष के फैसले को गैरजिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि बिना किसी सूचना के जिला अध्यक्ष ने जो निर्णय लिया, वह गलत है। यह किसी एक पार्टी का कार्यक्रम नहीं था। यह एक सार्वजनिक कार्यक्रम था। जो भी निर्णय लेना था सोच समझ कर लेना चाहिए था। जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर हम लोग शामिल हुए थे।

जिले में इस साल जनवरी से मार्च तक लूट की 31 घटनाएं : पटना, एजेंसी। पटना के शहरी और ग्रामीण इलाकों में इस साल जनवरी से मार्च तक लूट की 31 घटनाएं हुई हैं। इनमें सबसे अधिक मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल में आठ घटनाएं यानी 25 फीसदी से अधिक लूट के मामले आए हैं। मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल में सबसे अधिक चार घटनाएं धनरुआ थाना इलाके में हुई। टाउन पुलिस अनुमंडल में एक भी घटना नहीं हुई है। इस अनुमंडल के पीरबहोर, कदमकुआं और गांधी मैदान थाना आता है। एसपी स्तर पर बात करें, तो सबसे अधिक लूट की 14 घटनाएं सिटी एसपी पूर्वी के इलाकों में हुई हैं, जबकि सबसे कम सिटी एसपी सेंट्रल के इलाके में तीन घटनाएं हुई हैं। एसपी वेस्ट में 6 और एसपी ग्रामीण में 8 घटनाएं लूट की हुई हैं। हालांकि, इन 31 मामलों में करीब 85-90 फीसदी केस में पुलिस ने लूट का खुलासा करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शेष 10 से 15 फीसदी केस में भी अपराधियों की पहचान हो गई है। इन तीन महीनों में फतुहा, बाढ़ और फुलवारीशरीफ अनुमंडल में 4-4 लूट की घटनाएं हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

जामताड़ा में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का छापा:50 बोतल बियर और 31 विदेशी शराब जब्त

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के दुलाडीह गांव में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। जामताड़ा थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में की गई छापेमारी में विभिन्न ब्रांड की शराब और बियर जब्त की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने राजेश महतो के घर पर छापा मारा। कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से 50 बोतल बियर और 31 पीस विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की। थाना प्रभारी राजेश मंडल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस जब्त शराब को कब्जे में ले लिया है। अब जांच की जा रही है कि शराब कहां से लाई गई। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन शामिल हैं। थाना प्रभारी मंडल ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इस छापेमारी से क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ऐसी कार्रवाई जारी रखेगी ताकि अवैध शराब के कारोबार को समाप्त किया जा सके।

धनबाद में अज्ञात वाहन ने मजदूर को कुचला:सड़क पर ही हो गई मौत, परिजनों ने की मुआवजे की मांग

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के आमडंगाल में एनएच-19 पर सोमवार देर रात एक मजदूर की मौत हो गई। रिलायंस पेट्रोल पंप के पास कोलकाता लेन पर अज्ञात वाहन ने 35 वर्षीय मनोज हांसदा को टक्कर मार दी। मनोज तेतुलिया स्थित कोयला भट्ठा में काम करता था। वह रात में स्नान के बाद अंडा खरीदने निकला था। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मारी। वाहन उसे करीब 10 फीट तक घसीटता हुआ ले गया और फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण एनएच-19 की कोलकाता लेन पर पहुंच गए। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर मुआवजे की मांग की। निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने पुलिस बल के साथ स्थिति को संभाला। मुआवजे के लिए समिति गठन के आश्वासन पर जाम हटा। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट नहीं होने से अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरों की जांच कर वाहन की पहचान करने की मांग की है। मनोज अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह अपनी वृद्ध मां सूरज मुनि हांसदा के साथ मामा रूपलाल सोरेन के घर में रहता था। उसका पैतृक गांव तालबेड़िया है। उसकी शादी की बातचीत चल रही थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द मुआवजे और सड़क सुरक्षा के उपाय की मांग की है।

रांची का शेखावत परिवार लेकर आया राज्य की पहली पुंगनूर गाय

रांची, एजेंसी। रांची का शेखावत परिवार कर्नाटक से पुंगनूर गाय लेकर आया है। परिवार उसे लक्ष्मी की तरह पूज रहा है। शेखावत परिवार कांके रोड के ब्रह्मचारी नगर में रहता है और घोड़े का व्यापार करता है। घोड़े बेचने के अलावा प्रचार-प्रसार में भी उनके घोड़े अहम भूमिका निभाते हैं। करीब 2 महीने पहले हैदराबाद से एक व्यापारी बिलाल शाह उनके यहां घोड़ा खरीदने आया था। बातचीत के दौरान उसने इन्हें बताया कि उन्हें घोड़े के बच्चे के बदले गाय का पुंगनूर बच्चा दिलवा सकता है। उनके परिवार में पिछले कुछ महीनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास की पुंगनूर गाय और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुंगनूर गाय देखकर गाय पालने का मन कर रहा था। बिलाल शाह के ऑफर पर वह तुरंत तैयार हो गए और एक सात महीने का मारवाड़ी प्रजाति नुकरा का 7 महीने का बच्चा स्कॉर्पियो से लेकर हैदराबाद पहुंच गए। बिलाल शाह उन्हें कर्नाटक के कन्नूर स्थित एक गोशाला ले गया। उसे गोशाला से उन्होंने घोड़े के बच्चे के बदले पुंगनूर गाय मिल गई। उन्होंने बताया कि यह गए उनके लिए लक्ष्मी का वरदान साबित हुई है। अभी गाय को ले हुए सिर्फ दो महीने हुए हैं और उनके अस्तबल में घोड़े की संख्या 5 से बढ़कर 22 हो गई है। मूल रूप से राजपूत शेखावत अली उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के रहने वाले हैं और पिछले 20 वर्षों से रांची में रह रहे हैं। घोड़े बेचना और लोगों को घोड़े के बारे में जानकारी देना उनका मुख्य पेशा है। शेखावत अली जिस पुंगनूर प्रजाति की गाय लाए हैं, उसकी ऊंचाई मात्र 24 इंच और लंबाई 36 इंच है।

रेवड़ी की तरह बांट दिए गए अल्ट्रासाउंड सेंटर के लाइसेंस

नियमों की उड़ा रहे धज्जियां

रंका (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड-छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित रंका प्रखंड के गोदरमाना बाजार में स्वास्थ्य सेवा के नाम पर स्वास्थ्य माफिया लोगों द्वारा निजी अस्पताल एवं नर्सिंग होम का संचालन मुख्य रूप से सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के विपरीत मनमर्जी तरीके से संचालित हो रही है।

गौरतलब है कि रंका प्रखंड के चुटिया पंचायत की आबादी तकरीबन छह हजार है। जिसके अंतर्गत कनहर नदी के किनारे पर बसा गोदरमाना गांव भी है। अंतर्राज्यीय सीमा पर अवस्थित होने से यहां सप्ताह से एक दिन रविवार को हाट बाजार लगता है। इसलिए थोड़ी चहल-पहल होती है मुख्य रूप से गोदरमाना बाजार की आबादी 2500 है। वहीं, कनहर नदी के दूसरे किनारे पर छत्तीसगढ़ राज्य का रामानुजगंज शहर है। जिसकी आबादी तकरीबन 22000 है।

तुलनात्मक दृष्टि कोण से देखें तो रामानुजगंज शहर में एक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एक निजी अस्पताल संजीवनी हॉस्पिटल है। जहां दोनों संस्थानों को मिला कर तकरीबन साढ़े तीन सौ रोगियों का प्रतिदिन जांच एवं इलाज किया जाता है। जहां छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मात्र एक अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने की अनुमति दी गई है। वहीं, झारखंड के गोदरमाना बाजार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक मात्र आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित है। जिसमें दो नर्स और एक सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी कार्यरत हैं। साथ ही निजी स्तर पर चार अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने की अनुमति विभागीय स्तर पर दी

गई है। जहां 70 फीसदी से अधिक छत्तीसगढ़ के इलाकों से आए लोगों का इलाज के नाम पर जांच व अन्य कार्रवाई की जाती है।

पिछले बुधवार को लाडली सेवा सदन में गैर कानूनी तरीके से लिंग परीक्षण और भ्रूणहत्या की शिकायत की सूचना पर उपायुक्त, गढ़वा के निर्देश पर हुए छापामारी में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड मशीन व अन्य उपकरण तथा आपत्तिजनक दवा बरामद किया गया था। साथ ही मौके से एक अज्ञात नवजात शिशु की बरामदगी के अलावा नर्सिंग होम संचालक पति-पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

जानकारों के अनुसार गोदरमाना बाजार में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर में समाज में गलत प्रवृत्ति के लोगों के दोष को छिपाने के लिए भ्रूणहत्या जैसा कुकृत्य धड़ल्ले से जारी है। जिसमें रंका, रमकंडा, भंडरिया एवं बड़गड़ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों तथा छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज, चिनियां, रामचन्द्रपुर तथा बलरामपुर के इलाकों से लोगों को लाया जाता। जिसके लिए छत्तीसगढ़ के सभी इलाकों में दलाल किस्म एवं गोदरमाना इलाके में कुछ स्वास्थ्य सहिया एवं उनके परिवार के लोग पीड़ित परिवारों के लोगों को काफी सतर्कता पूर्वक लाते हैं।

जहां लिंग परीक्षण के लिए 10-15 हजार एवं भ्रूणहत्या हत्या के लिए 30-40 हजार रुपए तक की राशि वसूली जाती है। जानकारों के अनुसार यह खेल अक्सर काफी सतर्कता पूर्वक आधी रात के बाद अंजाम दिया जाता है। संबंधित अस्पताल में एमबीबीएस डाक्टर रेडियोलॉजी से पीजी किया हुआ होना चाहिए। मगर यहां बोर्ड पर सिर्फ संबंधित डॉक्टर का नाम लिखा होता है और अप्रशिक्षित लोगों द्वारा अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन किया जाता है। हालांकि, संबंधित क्षेत्र के अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में सिविल सर्जन एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को औचक निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग किए जाने का निर्देश विभागीय स्तर पर है। मगर विभाग इसकी खानापूर्ति कर अपने कर्तव्य का इतिश्री कर लेता है। नतीजा है कि जांच कागजों तक सीमित होकर रह जाया करते हैं।

अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालन का लाइसेंस सिविल सर्जन के अनुशंसा पर उपायुक्त द्वारा जारी किया जाता है। मगर यह समझ से परे है कि गोदरमाना बाजार जैसे एक छोटे-से जगह में लाडली सेवा सदन, भारती अल्ट्रासाउंड सेंटर, रवि अल्ट्रासाउंड सेंटर तथा अयांश अल्ट्रासाउंड सेंटर एवं पलामू अल्ट्रासाउंड समेत पांच अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालन की अनुमति किस सोच के तहत जारी की गई है। हालांकि, पलामू अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन तकरीबन छह माह पूर्व बंद कर दिया गया बताया जाता है। वहीं, हाल में ही लाडली सेवा सदन को प्रशासन ने सील कर दिया है।

नक्सली सरेंडर करें या गोली खाकर गंवाएं जान, आईजी ने दे दी फाइनल वार्निंग

महुआडांड़ (लातेहार), एजेंसी। पलामू प्रक्षेत्र के आईजी सुनील भास्कर ने कहा कि नक्सली और समाज की मुख्यधारा से अलग हुए अन्य उग्रवादी सरकार की आत्मसमर्पण व पुर्नवास नीति का लाभ लेकर सरेंडर नहीं करेंगे तो वे गोली खाने के लिए तैयार रहें। आईजी सोमवार को महुआडांड़ अनुमंडल क्षेत्र के बांसकरचा पुलिस पिकेट में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में एक सुनियोजित तरीके से ऑपरेशन चलाया गया और पुलिस को यह सफलता हासिल हुई है। लातेहार एसपी की प्रशंसा करते हुए कहा कि लातेहार पुलिस ने हाल के दिनों में कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं।

डीआईजी वाईएस रमेश ने कहा कि गिरफ्तार किया गया नक्सली कुंदन पिछले 10-12 वर्षों से संगठन में था। उस पर कुल 27 मामले दर्ज हैं, जबकि मनीष यादव पर लातेहार, पलामू, गढ़वा व छत्तीसगढ़ के विभिन्न थाना में 40 मामले दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों साल 2013 में हुए कटिया मुठभेड़ में शामिल थे। इसमें पुलिस के दस जवान शहीद हो गए थे। इसके अलावा 2019 के चुनाव के समय चंदवा के लुकइया में पुलिस दल पर माओवादियों ने हमला किया था, इसमें चार पुलिस कर्मी शहीद हुए थे।

भंडरिया में 2018 में पुलिस कैंप में माओवादियों के द्वारा हमला किया गया था, उसमें छह जवान शहीद हो गए थे उस घटना में भी ये दोनों शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि लातेहार पुलिस लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है और एक योजना एवं रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है।

आयुक्त उत्पाद बहाल नहीं हुए तो नीति लागू करने में होंगी मुश्किलें, शराब कारोबारी भी परेशान

रांची, एजेंसी। आयुक्त उत्पाद बहाल नहीं हुए तो राज्य की नई उत्पाद नीति एक जुलाई से प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने में मुश्किलें आएंगी। नीति को मूर्त रूप प्रदान करने से लेकर वित्तीय देखरेख से लेकर अभियान संचालन करवाने तक की जिम्मेदारी आयुक्त उत्पाद के अधीन है। वर्तमान में आयुक्त उत्पाद विजय कुमार सिन्हा पांच मई से ही अवकाश पर हैं, वे 15 जून से विभाग में मौजूद रहेंगे। महज 15 दिनों के भीतर लाटरी और दुकान आवंटन संभव नहीं है।

आयुक्त उत्पाद की अनुपस्थिति में उनका कार्य संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह उनका कार्य देख रहे थे, लेकिन 20 मई को भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने उन्हें जेल भेज दिया। महाप्रबंधक वित्त व अभियान का कार्य देख रहे सुधीर कुमार दास व पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार भी जेल भेजे जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग वरिष्ठ अधिकारियों की कमी झेल रहा है।

वर्तमान में विभाग के सचिव मनोज कुमार के अलावा तीन उप आयुक्त उत्पाद बचे हैं, जिनके अधीन न नई नीति संचालन है और न हीं किसी तरह का वित्तीय लेन-देन आता है। इन तीन उप आयुक्तों में डॉ. राकेश कुमार, संजय मेहता व सुनील चौधरी शामिल हैं। आयुक्त उत्पाद के नहीं होने से झारखंड राज्य विबरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) में भुगतान के लिए 70 से अधिक शराब आपूर्ति कंपनियों के आवेदन लंबित पड़े हैं। विभाग में सभी तरह के भुगतान बंद हैं। ये कंपनियां भी बिना एनओसी के राज्य में शराब की आपूर्ति कर रही है।

एनओसी आयुक्त उत्पाद के स्तर से मिलता है। उन्हें 31 मार्च 2025 तक ही शराब आपूर्ति के लिए एनओसी था, उसके बाद के एनओसी को लेकर दिए हुए आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और विभाग अधिकारी विहीन हो गया।

नई उत्पाद नीति को लागू कराने को लेकर विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद भी प्रयासरत हैं। मंत्री जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कराने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर अपनी बात रखेंगे, ताकि विभाग के लंबित कार्यों का निपटारा व नई नीति को लागू करवाकर विभाग को सुचारू करवाया जा सके।

1 महीने का बिल देख चकराया उपभोक्ता का माथा, भागे-भागे पहुंचा बिजली विभाग तो क्या बोले अधिकारी?

रांची, एजेंसी। शहर में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आम आदमी परेशान है। इस परेशानी को निपटाने के लिए विभाग की ओर से किए जा रहे सारे प्रयास विफल साबित हो रहे है। उपभोक्ता अपनी परेशानी लेकर इधर-उधर दौड़ लगा रहा है। यह हाल शहर के सैकड़ों उपभोक्ताओं के साथ है।

वहीं मोरहाबादी के हरिहर सिंह रोड में दो कमरे के घर में रहने वाले राजीव रंजन सिंह के घर में अचानक एक महीने में ही 81 हजार रुपये का बिजली बिल पहुंच गया। जिससे पूरा परिवार सदमा में है। इसे लेकर राजीव रंजन बिजली विभाग के कार्यालय के चक्कर काट चुके है। इसके बाद भी उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। उन्हें बताया गया है कि उनका बकाया बैलेंस 81 हजार रुपये बता रहा है, जबकि राजीव रंजन ने बताया कि वे पुराने बिजली बिल का भुगतान नियमित रूप से करते आए है।

इसका उनके पास प्रमाण है। अब अधिक बिजली बिल आने से पूरा परिवार इस भारी-भरकम बिजली बिल को लेकर चिंतित है, आखिर वे कैसे इस बिजली बिल का भुगतान करेंगे यह सोच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अगर बिजली जलाई होती तो इसका भुगतान किया जा सकता था, लेकिन बिना बिजली जलाए हुए, बिजली बिल का कैसे भुगतान करें। वहीं सिल्ली निवासी बिरसिंह महतो के बेटे राहुल महतो ने बताया कि उनके घर में पिछले दो वर्षों से बिजली बिल नहीं पहुंचा था, उन्हें लगा कि वे 200 यूनिट बिजली का लाभ मिल रहा है। लेकिन अब अचानक दो वर्षों के बाद 26,774 रुपये का बिजली बिल आने से पूरा परिवार सदमा में है।

वे आर्थिक रूप से काफी कमजोर है, इस बिजली बिल का वे कैसे भुगतान करेंगे, इसे लेकर वे काफी परेशान है।

उन्होंने कहा कि मीटर पिताजी के नाम से है। उपभोक्ता राजीव रंजन सिंह ने कहा कि अधिक बिजली बिल आने के बाद घर में हर कोई परेशान है। इसके सुधार के लिए दो सप्ताह से बिजली विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रहा हूं। कोई सुनने वाला नहीं है।

वहीं, एक अन्य उपभोक्ता सिल्ली निवासी राहुल महतो ने कहा कि दो कमरे का घर है। दो पंखा, दो बल्ब और मोबाइल चार्ज होता है। हमें लगा कि सरकार की ओर से 200 यूनिट का लाभ मिल रहा है, लेकिन अचानक दो वर्षों बाद 26 हजार रुपये का बिल पहुंच गया है।

इस संबंध में पूछे जाने पर जेबीवीएनएल रांची जोन के महाप्रबंधक मनमोहन कुमार ने कहा कि अधिक बिजली बिल आने पर नजदीकी कार्यपालक अभियंता से सीधा संपर्क करें। अगर समाधान नहीं होता है तो वे सर्किल ऑफिस में आकर मिलें। साथ ही बिजली विभाग की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

10 रुपए पहुंचा प्याज का थोक भाव, बारिश से आई नमी के कारण किसान सस्ते में बेच रहे

रांची, एजेंसी। प्याज के भाव में पिछले एक माह में 5 रुपए की और गिरावट आई है। इस समय पंडरा थोक मंडी में प्याज 10 रुपए से 14 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। खुदरा बाजार में प्याज 16 से 20 रुपए किलो बेचा जा रहा है। थोक कारोबारी मदन साहू ने बताया कि नासिक, एमपी आदि उत्पादक राज्यों में इस वर्ष प्याज की फसल काफी अच्छी हुई है। वहीं, चतरा और पलामू से लोकल प्याज भी बाजार में आ रहा है। पंडरा थोक मंडी में प्रति दिन 15 गाड़ी प्याज की आवक हो रही है।

वहीं आलू के भाव स्थिर बने हुए हैं। सफेद आलू थोक मंडी में 13-14 रुपए और लाल आलू 17 से 18 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। बाजार में आलू की भी 15-16 बड़ी गाड़ी आलू की आवक हो रही है। डेली मार्केट के थोक विक्रेता सरफराज ने बताया कि पलामू, चतरा के लोकल प्याज की आवक इस समय बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि बेमौसम बारिश के कारण प्याज में नमी आ गई है। इस कारण वे इसे जल्द से जल्द बाजार में निकालना चाह रहे हैं और कम दाम में बेच रहे हैं। हालांकि बड़े उत्पादक मंडियों में प्याज के भंडारण की समुचित व्यवस्था रहती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे उत्पादक मंडियों में भी बारिश का असर दिख रहा है।

शहर के बाजारों में सभी हरी सब्जियां 15 से 20 रुपए किलो तक बिक रही है। ि?भंडी 15 से 20 रुपए, मिर्च 30 से 40 रुपए, बैंगन 15 से 20 रुपए, बोदी 10 से 20 रुपए किलो, हरी मिर्च 30 से 40 रुपए किलो बिक रही है। बेड़ो के किसान पवन कुमार ने बताया कि सभी सब्जियों को बारिश में फायदा हुआ है। उत्पादन अच्छा हो रहा है। खेत लहलहा रहे हैं।

कोरोना को देखते हुए झारखंड में डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दिए कई और निर्देश

रांची, एजेंसी। देशभर में एक बार फिर कोविड-19 के मामलों में तेजी देखी जा रही है। देशभर में अब तक कोरोना संक्रमण के 270 से ज्यादा नए मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना के नए और बढ़ते मामलों में चिंता की बात ह्र्र1।8।1 और स्न्न।7 जैसे नए वैरिएंट का सामने आना है। जिसने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

पिछले दिनों बेंगलुरु में कोविड से पहली मौत की पुष्टि और रांची में एक कोरोना संक्रमित की पहचान के बाद झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज सदर अस्पताल में आपात बैठक की और कोरोना से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य के सभी सिविल सर्जन को अपने-अपने जिले के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जहां एयरपोर्ट है वहां और हाट बाजार में कोरोना जांच कराने का निर्देश दिया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए राज्य के सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में रांची के सदर अस्पताल में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को लेकर आपात बैठक हुई। इस बैठक के बाद डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार देश में कोरोना फिर से पैर पसार रहा है। ऐसे में आपके मंत्री भी डॉक्टर हैं, इसलिए स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था को सुधारने में लगा हुआ हूं। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि कोरोना के जेएन वैरिएंट से ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन हम अलर्ट मोड में हैं। सभी सिविल सर्जन को अपने-अपने जिले में भीड़भाड़ वाले इलाकों में टेस्टिंग कराने का निर्देश दिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मास्क पहनें और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। कॉल सेंटर का नंबर जारी कर दिया गया है और सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। एयरपोर्ट पर डॉक्टरों की टीम तैनात करने और आने वाले सभी यात्रियों की जांच करवाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि अभी हम केंद्रीय दिशा-निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। डॉक्टरों की बहाली कैसे हो, इस पर भी हम गंभीर हैं। जहां भी ऑक्सीजन प्लांट खराब या निष्क्रिय है, उसे ठीक करवाने के लिए सभी सिविल सर्जन को आदेश दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस बार कोरोना का वैरिएंट उम्रदराज लोगों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है। एनएचएम कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि जिन्हें वेतन नहीं मिल पाया है, वे नौकरी छोड़ सकते हैं।

घर जमाई बनकर रहता था हसबैंड, पति-पत्नी दोनों मूक-बाधिर, तनाव में रहने की आशंका

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के पुरनानगर मोहल्ले में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। 32 वर्षीय मूकबधिर युवक नवीन कुमार ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त उसकी पत्नी सविता कुमारी वट सावित्री व्रत के लिए बरगद की पूजा करने गई थी। पूजा कर जब वह घर लौटी तो पति की मौत की खबर से सदमे में चली गई। परिवारवालों ने बताया कि सुबह शौच के बाद नवीन ने घर में ताला लगाया और चाबी अपने ससुर नंदलाल प्रसाद को दे दी। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा तो परिवार को शक हुआ। खोजबीन के दौरान बेटी खुशबू कुमारी ने बताया कि घर की दूसरी चाबी भी अपनी जगह से गायब थी। फिर किसी तरह परिवार मुख्य दरवाजे से अंदर गया, तो देखा कि नवीन का कमरा अंदर से बंद था।घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कोडरमा पुलिस ने कटर मशीन से दरवाजा तोड़ा। अंदर का माहौल देखकर सभी सन्न रह गए। नवीन का शव छत से फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि नवीन और उसकी पत्नी दोनों ही मूकबधिर थे। दोनों की शादी 2011 में सविता के पिता नंदलाल प्रसाद ने कराई थी।

जानकारी के मुताबिक नवीन के माता-पिता का बचपन में ही निधन हो गया था। इसके बाद मौसा-मौसी ने उसकी परवरिश की। शादी के बाद नंदलाल प्रसाद ने नवीन को अपना घर जमाई बना लिया था।

गैस रिसाव से लगी आग, चार लोग झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। चौसा प्रखंड के तिवाय गांव में रात खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण एक बड़ी दुर्घटना हो गई।
खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर से गैस लीक हो गई, जिससे आग लग गई। इस हादसे में एक ही परिवार के मा-बेटा सहित दो पड़ोसी गंभीर रूप से झुलस गए।
सभी घायलों को इलाज के लिए कैमूर के नुआंव स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें 19 वर्षीय किन्नू यादव की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि सभी खतरे से बाहर बताए जाते हैं।
मिली जानकारी के अनुसार, तिवाय गांव निवासी श्रवण यादव की पत्नी निर्मला देवी (40 वर्ष) अपने घर में खाना बना रही थीं।
इस दौरान अचानक गैस सिलेंडर से रिसाव शुरू हो गया और देखते ही देखते आग लग गई। आग की लपटों में निर्मला देवी झुलस गईं।
उनकी चीख-पुकार सुनकर उनका पुत्र किन्नू यादव (19 वर्ष) बचाने के लिए आया, लेकिन वह भी आग की चपेट में आकर झुलस गया।
घटना की जानकारी मिलने पर 45 वर्षीय पड़ोसी भुवर उर्फ योगेंद्र साह और 25 वर्षीय विवेक यादव भी आग बुझाने पहुंचे, लेकिन वे भी आग की लपटों में झुलस गए।
हालांकि सिलेंडर का गैस खत्म हो जाने के बाद आग और अधिक नहीं फैल सकी। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया सभी खतरे से बाहर है। गांव में इस घटना के बाद से दहशत का माहौल है। लोग गैस सिलेंडर के इस्तेमाल में अधिक सतर्कता बरतने की सलाह दे रहे हैं। प्रशासन ने भी रसोई गैस के सुरक्षित उपयोग को लेकर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

पटना में भी कोरोना ने दी दस्तक, मची खलबली

अस्पतालों को सतर्क और तैयारी रखने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विदेश, देश और अब पटना में कोरोना के दो संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने नए वैरियंट जेएन 1 की आशंका देखते हुए सभी अस्पतालों को सतर्क व तैयार रहने का निर्देश दिया है। इसका असर सोमवार को अपर मुख्य सचिव की बैठक समाप्त होते ही आइजीआइएमएस परिसर में देखने को मिला।
सुरक्षाकर्मी माइक से मरीजों को शारीरिक दूरी बनाए रखने, भीड़ नहीं लगाने, डाक्टरों के कक्ष में मरीज व स्वजन को बिना मास्क प्रवेश नहीं करने की हिदायत देते दिखे। चिकित्साधीक्षक डा. मनीष मंडल ने बताया कि इस बार का कोरोना घातक नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।
इसे देखते हुए अस्पताल में आने वाले रोगियों व उनके स्वजन के लिए मास्क अनिवार्य किया गया है। सुरक्षाकर्मियों को हर दिन नियमित रूप से माइक से सावधानी बरतने के निर्देश माइक से बताते रहने को कहा गया है। पीएमसीएच, पटना एम्स, एनएमसीएच व अन्य छोटे सरकारी अस्पतालों को भी सतर्कता बरतने को कहा गया है।
विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि एक्यूप्रेशर एक्ट को सदन से जल्द पारित कराया जाएगा। एक्यूप्रेशर बेहद सस्ती व

प्रभावी चिकित्सा पद्धति है। इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। उन्होंने आयुष प्रणाली को प्रभावी माध्यम बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार और संस्थागत मान्यता पर बल दिया। वे 32वें राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर-एक्यूपंचर (नैचुरोपैथी) दिवस पर बिहार एक्यप्रेशर योग कालेज व स्वास्थ्य जागरूकता मिशन द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।
मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव व पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद मौजूद थे। मौके पर स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के सचिव डा. अजय प्रकाश ने कहा कि 2002 से ही विधानसभा में एक्यूप्रेशर एक्ट अनुमोदन के लिए लंबित है। वर्तमान में बिहार विधान सभा, विधान परिषद व अतिविशिष्ट हड्डी अस्पताल एलएनजेपी में इस विधा के केंद्र संचालित हैं। अंतःस्त्रावी ग्रंथि के माध्यम से इलाज के कारण ये मधुमेह-थायराइड के उपचार में काफी प्रभावी होगी, इसलिए देश के हर अस्पताल में इसका सेंटर खुलना चाहिए।

फेल छात्र को एजेंसी ने कर दिया पास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में एक्सेलआइसीटी एजेंसी ने टीडीसी पार्ट वन की परीक्षा में फेल छात्र को पास बता दिया। इसके बाद छात्र ने इस आधार पर पार्ट टू और पार्ट थर्ड की परीक्षा दे दी। उसमें वह पास हो गया। जब फाइनल रिजल्ट जारी करने का समय आया तो जांच में यह पाया गया कि वह टीडीसी पार्ट वन की परीक्षा में एक पत्र में फेल है।
इस आधार पर विश्वविद्यालय ने छात्र का फाइनल रिजल्ट रोक दिया। इसके बाद छात्र अपना रिजल्ट क्लियर करने जब विश्वविद्यालय पहुंचा तो उसे बताया गया कि एजेंसी की लापरवाही के कारण रिजल्ट रोका गया है। विश्वविद्यालय की ओर से अब उसका परिणाम जारी करने के लिए मामले को परीक्षा बोर्ड में रखा जाएगा।
दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से एजेंसी से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। इससे पहले भी कई छात्रों का रिजल्ट इसी कारण पेंडिंग में फंसा हुआ है। बताया जा रहा है कि एजेंसी ने ऐसी लापरवाही कई छात्रों के साथ की है। एजेंसी यहां से जा चुकी है।
सोमवार को छात्र संवाद में छात्र ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की है। छात्र ने बताया कि वह सत्र 2018-21 के तहत एबीएस कॉलेज लालगंज में अंग्रेजी विषय का छात्र है। टीडीसी पार्ट वन का रिजल्ट जब जारी हुआ तब उसे ऑनलाइन पास बताया गया। इस आधार पर उसने पहले पार्ट टू और फिर पार्ट थर्ड की परीक्षा दी। दोनों ही परीक्षाओं में वह उत्तीर्ण हो गया, लेकिन उसका रिजल्ट जारी नहीं हुआ।
जब वह जानकारी लेने पहुंचा तो बताया गया कि वह पार्ट वन में फेल था। एजेंसी की लापरवाही के कारण उसका भविष्य दांव पर है। छात्र ने एनएच विषय में 50 अंकों की हिंदी और 50 अंकों की अंग्रेजी चुनी थी।

सेना के सम्मान में कांग्रेस ने निकाली 'जय हिंद यात्रा'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सेना के सम्मान में कांग्रेस पार्टी द्वारा निकाली जा रही 'जय हिंद यात्रा' के तहत मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने एक पदयात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर निकाली गई, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को सम्मान देना था।
कार्यक्रम की शुरूआत मिठनपुरा स्थित पानी टंकी चौक पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके पश्चात प्रभात सिनेमा चौक के निकट देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर शहीद सैनिकों की स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा गया।
इस मौके पर बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह यात्रा उन वीर सैनिकों के सम्मान में निकाली जा रही है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से देश का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरी तरह से राष्ट्रीय भावना और सेना के प्रति सम्मान को समर्पित है। यह उन सैनिकों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने 1971 में बांग्लादेश की आजादी में योगदान दिया और 1999 के कारगिल युद्ध में वीरता का परिचय दिया।
उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ह्यजय हिंद यात्राह्न किसी प्रकार का राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य राष्ट्रवाद और सैनिकों के प्रति आदर भाव को जन-जन तक पहुंचाना है।
इस मौके पर पूर्व सांसद अजय निषाद, नगर विधायक विजेंद्र चौधरी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मयंक मुन्ना, जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान देशभक्ति नारों के साथ लोगों ने एकजुट होकर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या

सीतामढ़ी। जिले के बोखरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनौल गांव में सोमवार रात एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान महावीर महतो के रूप में हुई है। हमलावरों ने न सिर्फ उन्हें चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया, बल्कि उनकी जुबान तक काट दी, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है।
सूचना मिलते ही बोखरा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कई पहलुओं पर पड़ताल की जा रही है।
मृतक के पुत्र सुरेश महतो ने बताया कि घटना के वक्त घर के सभी सदस्य एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने दूसरे गांव गए हुए थे। देर रात गांव के ही कुछ लोगों ने फोन कर उन्हें पिता की हत्या की सूचना दी। जब वे घर लौटे, तो देखा कि महावीर महतो का शव खून से लथपथ पड़ा था। उनके शरीर पर चाकुओं के कई गहरे निशान थे, और जुबान काटी गई थी सुरेश महतो ने शक जताया है कि यह हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई।

शिक्षकों ने प्रदर्शन कर जताया विरोध, रखी अपनी मांगें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिवान। जिले के जेपी चौक पर सोमवार को सैकड़ों शिक्षक इकट्ठा हुए और जोरदार प्रदर्शन किया। ये सभी शिक्षक बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की 2011 की संबद्धता नियमावली को लेकर नाराज थे। उनका कहना था कि यह नियमावली 715 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों पर जबरन लागू की जा रही है, जो गलत है। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और इस नियमावली को वापस लेने की मांग की। नाराज शिक्षकों ने नियमावली की एक प्रति जलाकर अपना विरोध जताया। इस प्रदर्शन में विजय सिंह, अरविंद कुमार सिंह, जगनारायण सिंह, बैजनाथ सिंह, नवीन कुमार राय, अजीत कुमार सिंह, यशवंत सिंह और श्याम सुंदर राम समेत लगभग दो दर्जन शिक्षक शामिल थे। शिक्षकों ने बताया कि ये 715 स्कूल साल 1970 से 2008 के बीच खोले गए थे और इनको राज्य सरकार से स्थापना की अनुमति और मान्यता मिली हुई है। ये स्कूल 1994 की स्वत्वधारक नियमावली के तहत चलते हैं। जब 2008 में वित्त रहित शिक्षा नीति बंद हो गई, तब इन स्कूलों को अनुदान मिलने

लगा और छात्रों को भी सरकारी योजनाओं का फायदा मिलने लगा। शिक्षकों का कहना है कि 1952 की परीक्षा समिति नियमावली के अनुसार मान्यता उन्हीं स्कूलों को मिलती है, जिन्हें सरकार ने अनुमति दी हो। ऐसे में 2011 की नई नियमावली को इन पर लागू करना गलत है।
शिक्षकों के मुताबिक, 2011 की नियमावली केवल परीक्षा से जुड़ी है, इसमें न तो स्कूलों के संचालन का जिक्र है और न ही शिक्षकों या छात्रों को मिलने वाली आर्थिक सहायता का कोई प्रावधान है। अगर इसे जबरन लागू किया गया तो इन स्कूलों की मान्यता और संचालन पर असर पड़ेगा और शिक्षकों-छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द उनकी मांगें नहीं मानीं, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। फिलहाल, प्रशासन ने शिक्षकों का ज्ञापन स्वीकार कर कार्रवाई का भरोसा

एसडीओ ने किया प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। रोसरा एसडीओ संदीप कुमार ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रखंड स्तरीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बीडीओ कार्यालय, अंचल कार्यालय, सीडीपीओ कार्यालय, मनरेगा कार्यालय , प्रखंड आपूर्ति कार्यालय एवं आरटीपीएस कार्यालय,बीपीआरओ कार्यालय के कक्षों में जाकर उपस्थित कर्मियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही सभी कार्यालय के काउंटर पर किए जा रहे कार्यों के बारे में पूछ ताछ करते हुए अभिलेखों को देखा। इस दौरान जन शिकायत मामलों के निष्पादन को लेकर उपस्थित पदाधिकारियों से जानकारी ली।
निरीक्षण दौरान एसडीओ ने सभी पदाधिकारियों को कार्यालय में साफ-सफाई रखने और समय पर सभी कर्मियों को कार्यालय पहुंचने के साथ आम नागरिकों के समस्याओं का निष्पादन निर्धारित समय पर करने का निर्देश दिया। इस दौरान डुमरा मोहन पंचायत में बने नवनिर्मित प्रखंड एवं अंचल भवन को भी जाकर देखा। मौके पर बीडीओ आलोक कुमार सिंह, सीओ बीना भारती, सीडीपीओ प्रियंका,बीपीआरओ राजू कुमार सहित प्रखंड व अंचल के कर्मी मौजूद थे।

बिहार संग्रहालय तथा पटना संग्रहालय के निर्माणाधीन टनल का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार संग्रहालय तथा पटना संग्रहालय को जोड़नेवाले निमार्णाधीन टनल का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के पास टनल निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टनल निर्माण का कार्य जल्द पूर्ण करें, जिससे बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय के दर्शक आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर प्रदेशों का अवलोकन कर सकें।
सीएम ने कहा कि टनल का बेहतर ढंग से निर्माण कराएं ताकि इलेक्ट्रिक वाहन के साथ-साथ पैदल पर्यटक आसानी से पटना संग्रहालय और बिहार संग्रहालय आवागमन कर सकें। बिहार संग्रहालय अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया गया है। पटना संग्रहालय और बिहार संग्रहालय में बड़ी संख्या में पर्यटक आते रहते हैं। पटना संग्रहालय का विस्तारीकरण और उन्नयन कार्य बेहतर ढंग से किया जा रहा है। पटना संग्रहालय और बिहार संग्रहालय के बीच टनल निर्माण कार्य पूर्ण होने से पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। पर्यटकों की संख्या को देखते हुए पार्किंग और अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करें।
इस अवसर पर बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने टनल से बिहार संग्रहालय में प्रवेश की व्यवस्था, पार्किंग, पर्यटकों को मिलनेवाली अन्य सुविधाओं आदि के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली सुरंग करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी और 8 मीटर चौड़ी होगी। इसे जमीन से 15 मीटर नीचे बनाया जा रहा है।
सीएम ने पटना संग्रहालय एवं उसके विस्तारीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम ने नवनिर्मित सभागार, संग्रह भंडार, गंगा दीर्घा सहित पटना संग्रहालय के विभिन्न भागों के उन्नयन एवं विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भाग बन गया है, वह अच्छा बना है और जो बचा हुआ है उसको भी बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण करें। यह पुराना संग्रहालय है। उन्होंने कहा कि यहां पर कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक रखे गए हैं, उनका रखरखाव और बेहतर ढंग से हो इसलिए भवन का विस्तारीकरण किया जा रहा है।

17 एसएचओ के वेतन पर लगी रोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। जिले में चरित्र सत्यापन करने में थाना के स्तर पर हो रही देरी में थानाध्यक्षों पर कार्रवाई शुरू कर हो गई है। चरित्र प्रमाण-पत्र निर्गत करने में देरी के मामले में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिले के 17 थानाध्यक्षों के वेतन पर रोक लगा दी है। सभी संबंधितों से 24 घंटे में चरित्र सत्यापन कर उसकी रिपोर्ट देने को कहा है।
जिन थानाध्यक्षों के वेतन पर रोक लगी है उनमें जिले के कोटवा, आदापुर, भेलाही, छौड़ादानो, झरोखर, भोपतपुर ओपी, सुगौली, पलनवा व घोड़ासहन के थानाध्यक्ष समेत 17 शामिल हैं। एसपी ने सभी थानाध्यक्षों को कहा है कि 24 घंटे में सभी लंबित चरित्र प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कर उसकी रिपोर्ट दें। एसपी ने साफ किया है कि 14 दिनों के अंदर चरित्र प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदन का सत्यापन कर लेना है।
जांच में यह बात सामने आई है कि जिले के 17 थानाध्यक्षों ने निर्धारित समय अवधि समाप्त होने के बाद भी चरित्र प्रमाण-पत्रों का सत्यापन नहीं किया जा सका है।

बदमाशों ने बाइक सवार युवती को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में बेखौफ अपराधी ने दिनदहाड़े एक युवक कर दी। मृतक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में की गई है। घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के चागड़ मोड़ की है।
यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बढ़ता जा रहा अपराधियों का हौसला

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि कुंदन कुमार नाम का शख्स बाइक से जा रहा था, तभी एक शख्स ने उसे आवाज देकर रोका और फिर उसपर दनादन तीन गोलियां दाग दी।
गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। उसे मरा समझ कर अपराधी पैदल ही बड़े आराम से वहां से निकल गया। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी को खंगाला। कुछ देर मेहनत करने पर वह घटनाक्रम भी सामने आ गया। वहां एक सीसीटीवी में सारी घटना कैद हो गई थी, जिसमें 2 मिनट 47 सेकेंड के उउळश फुटेज में सब कुछ दिख रहा है। सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि एक शख्स पैदल आकर गोली चलाता हैअ और फिर वह पैदल ही वापस लौट जाता है।
घटना के संबंध में एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी में सारी घटनाएं कैद हो चुकी हैं। आरोपी की पहचान की जा रही है। बहुत जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि यह घटना किस कारण से हुई है, इसकी भी जांच की जा रही है।

नगर आयुक्त ने एजेंसी पर तरेरी आंखें

मानव बल एजेंसी पर 50,000 जुर्माना, 14 वार्डों के जमादारों पर गिरी गाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बेमौसम बारिश में जलमग्न हुई मुख्य सड़कें, खोखले साबित हुए नगर निगम के दावे का बड़ा असर देखने को मिला है। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे शहर के नालों की सफाई की समीक्षा की। इस दौरान 14 वार्डों में लापरवाही उजागर होने पर संबंधित जमादारों का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। वहीं, एक जमादार को पद से मुक्त कर दिया गया है। साथ ही सफाई एजेंसी पर 50,000 का जुर्माना भी लगाया गया है।
नगर आयुक्त द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक में स्वच्छता पदाधिकारी समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इसमें उन वार्डों के जमादारों को विशेष रूप से तलब किया गया, जहां नाले की सफाई की स्थिति सबसे खराब पाई गई।
बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि बरसात के दौरान जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह फेल रही, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई। स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया कि दो घंटे की तेज बारिश के बाद मुख्य स्थानों से जलभराव हटाने का दावा किया गया है, लेकिन नगर आयुक्त ने इसे असंतोषजनक मानते हुए कहा कि बारिश के एक घंटे के भीतर जल निकासी सुनिश्चित करना निगम की जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी नालों की नियमित और प्रभावी सफाई जरूरी है।
समीक्षा में पाया गया कि वार्ड संख्या 06, 11, 15, 17, 26, 27, 35, 37, 38, 39, 41, 43, 44 और 46 में नालों की सफाई सही तरीके से नहीं हुई। इन सभी वार्डों के जमादारों के कार्यों की समीक्षा में लापरवाही और निगरानी में कमी पाई गई। इसके बाद आयुक्त ने इनका वेतन रोकने का आदेश दिया। विशेष रूप से वार्ड 37 के जमादार को कार्य में रुचि न लेने और बैठक में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण तत्काल प्रभाव से पद से मुक्त कर दिया गया है।
नगर निगम द्वारा नियुक्त एजेंसी, जिसे सफाई कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी थी, वह भी अपने दायित्वों में विफल रही। इकरारनामा की शर्तों के उल्लंघन के चलते एजेंसी पर 50,000 का जुमार्ना लगाया गया है। नगर आयुक्त ने चेतावनी दी कि भविष्य में अनुशासनहीनता पाई गई तो एजेंसी का अनुबंध भी समाप्त किया जा सकता है।
नगर निगम कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर जैसे वर्षों से जलभराव से ग्रसित स्थानों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। यह टीम 24 घंटे के भीतर स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपेगी और जलजमाव रोकने के स्थायी उपाय सुझाएगी।
तेज बारिश के दौरान जलनिकासी कार्य में तेजी लाने के लिए नगर निगम ने यूआईटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) का गठन किया है। यह टीम दो पालियों में कार्य करेगी और जरूरत के अनुसार मशीनों एवं मानव बल की मदद से जलनिकासी सुनिश्चित करेगी।

वंदे भारत पर पत्थरबाजी करने वाले तीन धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू मंडल अंतर्गत डीडीयू-गया रेलखंड पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी करने के मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने गया जिले से तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। यह घटना गया जिले के कष्ठा स्टेशन और गया पश्चिम केबिन के बीच हुई थी।
आरपीएफ रफीगंज के इंस्पेक्टर राम सुमेर ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस (20888 डाउन) पर 21 मई 2025 को पत्थरबाजी की गई थी। यह हमला पोल संख्या 475/26 के पास किया गया था। घटना की जांच सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई, जिसके बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए युवक गया जिले के चंदौती थाना क्षेत्र स्थित शेरपुर गांव के रहने वाले हैं। उनकी पहचान सौरभ कुमार (पिता गणेश यादव), मुन्ना कुमार (पिता विकास

दास) और नितिन राज (पिता अरविंद कुमार), सभी की उम्र 18 वर्ष, के रूप में हुई है।
इंस्पेक्टर सुमेर ने बताया कि मामले में आरपीएफ रफीगंज की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीनों आरोपियों को पकड़ा और उन्हें जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में आरपीएफ के इंदल कुमार मंडल, राधेश्याम यादव, प्रमोद कुमार, नरेंद्र कुमार, जोगेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। रेलवे प्रशासन ने इस तरह की घटनाओं पर सख्ती बरतने की चेतावनी दी है और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है।

बिहार से लापता किशोरी का शव बेंगलूरू से बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बिहार के नवादा जिले से लापता एक 17 वर्षीय किशोरी की लाश कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के चांदापुरा रेलवे स्टेशन के पास एक नीले रंग के ट्रॉली बैग में मिली। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची सूर्यनगर थाना पुलिस ने जब बैग खोला, तो उसमें लड़की का शव पाया गया। मृतका की शिनाख्त नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई है। हिसुआ थाना पुलिस के मुताबिक, मृतका के पिता ने तीन दिन पहले बेटी के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि लड़की कई दिनों से लापता थी और उन्होंने अपने स्तर पर रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहां तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद भी सफलता नहीं मिलने पर उन्होंने मामला दर्ज कराया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि फोटो के माध्यम से परिजनों ने शव की पहचान की है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पूरी जानकारी मिल पाएगी।
बेंगलुरु की सूर्यनगर थाना पुलिस की शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि किशोरी की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और फिर शव को ट्रॉली बैग में डालकर रेलवे ट्रैक के पास फेंका गया। पुलिस को आशंका है कि ट्रॉली बैग को किसी चलती ट्रेन से गिराया गया होगा। शव पर गला दबाने के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की पुष्टि होती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के समय और परिस्थितियों की पुष्टि की जाएगी।
स्थानीय लोगों ने जब स्टेशन के पास ट्रॉली बैग पड़ा देखा, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बैग को खोला, जिसमें किशोरी का शव मिला। बैग में कोई पहचान पत्र या व्यक्तिगत सामान नहीं मिला है, जिससे शुरूआत में शव की पहचान मुश्किल रही। इसके बाद पुलिस ने आसपास के थानों से संपर्क करना शुरू किया।
इस घटना की खबर जैसे ही टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई, हिसुआ थाना पुलिस ने इसे अपनी लापता किशोरी के मामले से जोड़कर जांच शुरू की। सूर्यनगर थाना से शव की तस्वीरें और वीडियो मंगवाकर परिजनों से शिनाख्त कराई गई।
इसके बाद मृतका के पिता और परिवार के अन्य सदस्य पुलिस टीम के साथ बेंगलुरु रवाना हो गए हैं। उनके साथ जांच अधिकारी एसआई ब्रजेंद्र कुमार भी गए हैं। पुलिस के अनुसार, परिजन मौके पर पहुंचकर अंतिम संस्कार को लेकर फैसला लेंगे।
हिसुआ थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि परिजन अभी कई जानकारी साझा करने से बच रहे हैं।

बिहार की महिलाओं को देंगे 25 सौ प्रति माह की सौगात : सुप्रिया श्रीनेत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस पार्टी ने बिहार की बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण हेतु एक ऐतिहासिक पहल की है। 'माई बहिन मान योजना' के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बिहार राज्य की पात्र बहनों और बेटियों को प्रति माह 2500 की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। यह योजना न केवल आर्थिक राहत देगी, बल्कि बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगी।

जनता ने भरोसा जताया, कांग्रेस ने कर दिखाया

ये बातें सोशल मीडिया की राष्ट्रीय प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। सोशल मीडिया की राष्ट्रीय प्रभारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव देश की महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। देश में लाड़ली योजना की शुरुआत सबसे पहले कांग्रेस ने की थी। दिल्ली में शीला दीक्षित सरकार ने 2008 में लाडली योजना शुरू की थी जिसके तहत बेटी के जन्म के समय 36,000 और कक्षा 1 से 12 तक पढ़ाई के लिए 25,000 की सहायता दी जाती थी। 12वीं कक्षा पूरी करने पर खाते में 1 लाख का मैच्युरिटी अमाउंट सीधे आ जाता था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गृह लक्ष्मी योजना शुरू की जिसके तहत हर महिला को प्रति माह 2000 सीधे बैंक खाते में दिया जा रहा है। इसका लाभ 1.35 करोड़ महिलाओं को मिल रहा है। हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1500 की सहायता दी जा रही है। झारखंड की कांग्रेस गठबंधन सरकार ने मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रति माह 2500 की आर्थिक सहायता देना शुरू किया है। पहले यह 1000 थी, कांग्रेस ने इसे बढ़ाने का वादा किया था और वादा निभाया। योजना से 56.61 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं।

माई बहिन मान योजना बिहार में क्यों जरूरी है?

नीतीश ने किया गरीबी का वार, मोदी की महंगाई का प्रहार

जेडीयू भाजपा की निर्लज्ज सरकारों ने बिहार को आकंठ गरीबी में डुबाकर बस अपनी सत्ता की भूख मिटाई है। 7 नवंबर 2023 को प्रकाशित जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 94.42 लाख परिवारों की मासिक आय 6000 से कम है, यानी लगभग 5 करोड़ लोग 40 प्रतिदिन पर गुजारा कर रहे हैं। 81.91 लाख परिवारों की आय 10,000 प्रति माह से कम है, यानी लगभग 4 करोड़ लोग 67 प्रतिदिन पर जीवित हैं। वहीं दूसरी ओर केंद्र की मोदी सरकार ने महंगाई की मार से आम जन-जीवन को संकट में डाल दिया है। 60-70 रू का पेट्रोल-डीजल 100 के पार कर दिया। 400 का गैस सिलेंडर 1000 से ऊपर। 60-70 का दाल-तेल 200 के पार पहुंच गए।

संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय सचिव पूनम पासवान, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष डॉ शरवत जहां फातिमा, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रकाश मीणा, मोतीलाल शर्मा, सोशल मीडिया के चेयरमैन सौरभ सिंहा, प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, डॉ मधुबाला, ब्रजेश मुनन, निधि पांडेय सहित अन्य नेतागण मौजूद रहे।

सीएम नीतीश ने तेजस्वी यादव को पुत्र रत्न की प्राप्ति पर दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव को पिता बनने पर बधाई दी है। तेजस्वी की पत्नी राजश्री ने मंगलवार को कोलकाता में पुत्र को जन्म दिया है जिसके बाद तेजस्वी को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा कि 'तेजस्वी यादव को पुत्र के जन्म पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।' वहीं, तेजस्वी यादव ने मंगलवार सुबह बेटे के जन्म की जानकारी देते हुए लिखा- सुप्रभात! आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। हमारे नन्हे बेटे के आगमन की घोषणा करते हुए बहुत आभारी, धन्य और प्रसन्न हूं। जय हनुमान। इसके पहले राजद प्रमुख लालू यादव ने पहली बार अपने पोते को गोद में लिया। पोते को गोद में लेकर लालू यादव भावुक हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कर लिखा कि अपने परिवार में छोटे पोते का गर्व से स्वागत करते हुए लालू यादव के साथ राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और मीसा भारती भी मौजूद थी। इसके पहले तेजस्वी यादव ने वीडियो कॉल पर लालू यादव को उनके पोते से मिलवाया था। इसके बाद लालू यादव खुद अस्पताल पहुंच कर अपने बेटे से मुलाकात की।

पटना हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/पटना। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को पटना हाईकोर्ट का नया मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की है। इस सिफारिश के बाद अब केंद्र सरकार की अधिसूचना का इंतजार है जिसके बाद न्यायमूर्ति पंचोली अपने नए पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2023 में गुजरात हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर न्यायमूर्ति पंचोली पटना हाईकोर्ट पहुंचे थे। अपनी सशक्त विधिक समझ और कार्यक्षमता के लिए चर्चित रहे न्यायमूर्ति पंचोली को अब उच्च न्यायिक जिम्मेदारी दी जा रही है। कॉलेजियम ने इसके साथ ही पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एक साथ पांच उच्च न्यायालयों के लिए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है। इसमें झारखंड हाईकोर्ट के लिए हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, राजस्थान हाईकोर्ट के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और कर्नाटक हाईकोर्ट के लिए दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विभु बाखरू के नाम शामिल हैं। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया और गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत करने की सिफारिश की गई है। इन सिफारिशों को न्यायपालिका में प्रशासनिक दक्षता और न्यायिक निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। केंद्र सरकार की अधिसूचना के बाद इन नियुक्तियों पर अंतिम मुहर लगेगी और संबंधित न्यायमूर्तिगण अपने-अपने कार्यभार ग्रहण करेंगे।

बाढ़ और सूखे से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य में संभावित बाढ़ और सूखे की दोहरी आपदा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने राज्य भर में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी है। राज्य में बाढ़, जल जनित महामारी एवं दस्त/अतिसार की रोकथाम, आपात की स्थिति में समुचित चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने तथा औषधियों की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ की विभीषिका की अवधि में जन मानस को आवश्यकता अनुरूप समुचित चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए प्रभावित क्षेत्रों में विशेष चिकित्सकीय व्यवस्था का प्रबंध किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के वैसे स्वास्थ्य केंद्रों को चिन्हित किया जाएगा जहां बाढ़ के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती है। ऐसे स्वास्थ्य संस्थानों को वैकल्पिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान पूर्व से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से दी जा सके। श्री पांडेय ने कहा कि सूखे प्रभावित क्षेत्रों में विटामिन और खनिज की कमी जैसे पोषण संबंधी विकार एवं त्वचा रोग की भी संभावना होती है। ऐसे में सभी प्रकार की अनिवार्य औषधियों की सुनिश्चितता की जाएगी। विशेष कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए चलंत चिकित्सा दल गठित किए जाएंगे जिनमें डॉक्टर, एएनएम, पारा मेडिकल स्टाफ तथा आवश्यक उपकरण शामिल रहेंगे। ये टीमें नावों के जरिए दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचकर चिकित्सा सहायता प्रदान करेंगे।

पावरग्रिड क्षेत्रीय मुख्यालय पटना ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पावरग्रिड पूर्वी क्षेत्र-1, मुख्यालय, पटना द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गयी एवं उक्त रैली अरिन्दम सेनशर्मा, कार्यपालक निदेशक पूर्वी क्षेत्र-1 के नेतृत्व में निकाली गयी। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड पूर्वी क्षेत्र-1 के अंतर्गत बिहार और झारखंड के सभी उपकेंद्रों एवं कार्यालयों साथ ही क्षेत्रीय मुख्यालय पटना में 16 मई से 31 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान सभी उपकेंद्रों एवं कार्यालयों और क्षेत्रीय मुख्यालय के सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ग्रहण की और इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। साथ ही पखवाड़े के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें सभी उपकेंद्रों, कार्यालयों एवं क्षेत्रीय मुख्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा स्वैच्छिक श्रमदान किया गया। इस अभियान के माध्यम से आम जनता को स्वच्छता अपनाने एवं भारत को स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

''नारी गुंजन'' की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को मिला प्रोत्साहन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भम्रण के दौरान न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद ने पद्मश्री से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता सुधा वर्गीस की संस्था 'नारी गुंजन' द्वारा उत्पादित सोना मोती गेहूं से बने आटे की जानकारी प्राप्त की। सोना मोती गेहूं में ग्लूटिन की मात्रा कम होती है जिससे यह विशेष रूप से वृद्धजनों एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए लाभकारी होता है। बाजार में इस आटे की बिक्री 100 रूपये प्रति किलो तक होती है। उन्होंने संस्था की महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

देश के नवनिर्माण में पंडित नेहरू का योगदान अतुलनीय : गौरव गोगोई

पंडित नेहरू ने देश को प्रगति पथ पर गतिमान किया : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता व असम कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सदाकत आश्रम के बगीचे में स्थित पंडित नेहरू की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता व असम प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि पंडित नेहरू का देश के निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। देश के युवाओं का भविष्य बनाने वाले आईआईटी, आईआईएम, एम्स, पीजीआई, इसरो, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, भेल जैसे संस्थान, लाखों हैक्टेयर भूमि की सिंचाई एवं करोड़ों लोगों को पेयजल देने वाली भाखड़ा नांगल, नागार्जुन सागर, हीराकुंड बांध जैसी सिंचाई परियोजना शुरू करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में याद किया जाता है। दुनिया में भारत की धाक जमाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री, भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि करते हैं। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि देश की स्वतंत्रता से लेकर एक आधुनिक, सशक्त और प्रगतिशील भारत के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का अतुलनीय योगदान राष्ट्र सदैव कृतज्ञता के साथ याद करता रहेगा। उनकी दूरदर्शिता, विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी पुण्यतिथि पर मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

दीघा के दुधिया मालदह का दूसरे जिलों में किया जायेगा क्षेत्र विस्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु कृषि सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना का भ्रमण किया। कृषि सचिव ने संस्थान द्वारा बागवानी के विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया का अवलोकन किया, साथ ही पौधे के मातृ वृक्ष के संरक्षण को देखा तथा वैज्ञानिकों को किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त पौधे उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। कृषि सचिव ने दुधिया मालदह को जी0 आई0 टैग दिलाने हेतु किये जा रहे प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद एवं सचिव, कृषि ने संस्थान परिसर में दुधिया मालदह आम के पौधे का रोपण कर इस प्रजाति को राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने की उच्चस्तरीय बैठक

संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने पर बल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। बैठक में महाप्रबंधक द्वारा यात्री सुविधा, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उपलब्धियों एवं किये जा रहे कार्यों की जानकारी तथा निर्धारित लक्ष्य से महाप्रबंधक को अवगत कराया गया। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन में संरक्षा नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन का निर्देश दिया और कहा कि संरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिये। निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी लाने तथा नई योजनाओं के कार्यान्वयन में नई तकनीक के प्रयोग पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया।

नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम का टाई-अप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पटना के क्षेत्रीय निदेशक एवं नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सीतामढ़ी के निदेशक के बीच एक अनुबंध संपादित किया गया है। इस अनुबंध के तहत नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के माध्यम से सीतामढ़ी जिले में ई.एस.आई. के पंजीकृत लाभार्थियों को कैशलेस चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सुविधा में जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, प्रसूति एवं स्त्री रोग, आपातकालीन एवं क्रिटिकल केयर सेवाएं तथा पैथोलॉजी सेवाएं सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि नवजीवन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सीतामढ़ी जिले का पहला ऐसा अस्पताल है जो कर्मचारी राज्य बीमा निगम के साथ टाई-अप कर उपरोक्त कैशलेस सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह अस्पताल सीतामढ़ी जिले के साहू चौक, डुमरा रोड पर अवस्थित है।

कुलपति डॉ मोहम्मद आलमगीर ने किया न्यूजलेटर 'हमलोग' का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मौलाना मजहरुल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर 'हमलोग' के पहले अंक का लोकार्पण कुलपति डॉ मोहम्मद आलमगीर द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार, वित्तीय सलाहकार एस के सिन्हा, संकाय अध्यक्ष प्रो डॉ मो. फैजानुद्दीन, पत्रकारिता विभाग के प्रभारी डॉ निखिल आनंद गिरि, फारसी विभाग के प्रभारी डॉ मो जमशेद आलम व छात्र भी उपस्थित रहे। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की तारीख में न्यूजलेटर का निकालना ऐतिहासिक उपलब्धि की तरह है। इसका नाम 'हमलोग' संविधान की प्रस्तावना से लिया गया है और यह भारत के पहले टीवी धारावाहिक का नाम भी रहा है। उम्मीद है कि इससे सभी विभाग आपस में जुड़े रहेंगे और संवाद स्थापित होता रहेगा। कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से नैक के लिए आवेदन करने में बल मिलेगा और पत्रकारिता के छात्र संपादन की बारीकियां भी सीख पाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ निखिल आनंद गिरि ने बताया कि इस न्यूजलेटर को छात्रों की संपादकीय टीम द्वारा निकाला गया है जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। चार पन्नों के इस रंगीन प्रकाशन में अधिकारियों के संदेश, विश्वविद्यालय की गतिविधियों के अलावा कविताएं, आलेख वगैरह भी प्रकाशित किए गए हैं। इस पत्रिका के प्रकाशन के अलावा मीडिया विभाग द्वारा भविष्य में कई और प्रैक्टिकल गतिविधियां भी निर्धारित हैं जिससे छात्रों का बेहतर विकास हो सकेगा। विश्वविद्यालय का अपना यूट्यूब चैनल भी है जहां सभी वीडियो छात्र ही अपलोड करते हैं। विश्वविद्यालय के सभी आठ विषयों में जल्द ही नामांकन शुरू वाले हैं।

संस्कृत में सम्भाषण से राष्ट्रीय संस्कृति का होगा विकास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

वाराणसी। सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान वाराणसी के संस्थापक संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री की पुण्य स्मृति में भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सभागार में विद्वतसम्मान एवं कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष आचार्य नागेन्द्र पाण्डेय ने की। समारोह में विषय प्रवर्तन आचार्य कृष्ण कान्त शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डा सिंहासन पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान तथा भारत अध्ययन केन्द्र के संयुक्त संयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विद्वत सम्मान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के डॉ सिंहासन पाण्डेय तथा विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा को आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री की स्मृति में संस्कृत सेवा सम्मान प्रदान किया गया। मंच का संचालन प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने तथा स्वागत प्रो. शरविन्दु कुमार त्रिपाठी ने किया। सभी वक्ताओं ने संस्कृत भाषा को सरलरुप से जनमानस तक पहुंचाने के लिए आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री द्वारा किए गए प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। अध्यक्षीय भाषण में प्रो. नागेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री एक अद्वितीय संस्कृत सेवक थे।

लालू परिवार में विवादों के बीच खुशखबरी

तेजस्वी को हुई पुत्र रत्न की प्राप्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लालू परिवार में तेजप्रताप को लेकर विवादों के बीच खुशखबरी आई है। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव फिर पापा बने हैं। उन्होंने मंगलवार को सुबह बेटे के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा की है। जानकारी मिली है कि तेजस्वी ने अपने पिता राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को वीडियो कॉल कर कहा कि पोता हुआ है। लालू यादव पत्नी राबड़ी देवी और बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री यादव से मिलने सोमवार को कोलकाता गये थे। तेजस्वी यादव पहले से ही कोलकाता में हैं। उधर लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप अनुष्का प्रकरण और पत्नी ऐश्वर्या राय के आरोपों के बाद बुरी तरह फंसे गये हैं। पार्टी और परिवार से अलग-अलग पड़े तेजप्रताप की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि तेजप्रताप का आगे क्या होगा। इधर तेजप्रताप के पार्टी और परिवार से अलग-थलग पड़ जाने से राजद पर अब तेजस्वी का अपने पिता की तरह एकछत्र राज हो गया। उन पर अब बहन मीसा का दवाब भी कम होगा। राजद से जुड़े सूत्रों की मानें तो राजनीतिक मोर्चों पर तेजप्रताप के साथ परोक्ष रूप से तेजस्वी पर मीसा का भी दवाब रहता था।

मनोकामना चित्रगुप्त मंदिर ने मनाया तृतीय स्थापना दिवस, श्रद्धा, संस्कृति और सम्मान का संगम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी के कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड के निकट वीकर सेक्शन पार्क स्थित मनोकामना चित्रगुप्त मंदिर का तृतीय स्थापना दिवस धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मंदिर समिति के तत्वावधान में दिनभर चले विविध कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भक्ति और संस्कृति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः मंदिर समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार कर्ण और महासचिव अमर कुमार सिन्हा के नेतृत्व में भगवान श्री चित्रगुप्त की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान चित्रगुप्त मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं और इनकी पूजा में कलम, दवात व खाताबही का विशेष महत्व होता है। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान चित्रगुप्त की कृपा से बुद्धि, वाणी और व्यापार में उन्नति होती है। समारोह में अतिथियों का स्वागत संस्था के संयोजक मधुप मणि पिक्कू ने प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर किया। सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन शाम को किया गया जिसका संचालन संस्था के महासचिव अमर कुमार सिन्हा ने किया। भजन व भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया।

विमल कुमार की टीम ने शानदार प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत भगवान चित्रगुप्त की वंदना एवं श्री राम स्तुति नृत्य से किया गया जिसे अमर सर आर्ट, म्यूजिक एंड डांस स्कूल के बच्चों ने किया।

संपादकीय

नक्सलवाद पर निर्णायक हमला

देश में नक्सली हिंसा लंबे समय से एक जटिल समस्या रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर मोर्चेबंदी की है और वह अब भी जारी है। मगर सच यह है कि अब भी इस समस्या और इसकी जड़ों से पार पाना एक चुनौती है। हालांकि नक्सली हिंसा का सामना करने के क्रम में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों को जैसी कामयाबी मिल रही है, उससे कहा जा सकता है कि सरकार इसे खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है और इसी मुताबिक जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती इलाकों में बुधवार को सुरक्षा बलों द्वारा सत्ताईस नक्सलियों को मार गिराने की खबर आई। खुफिया जानकारी के बाद घेरेबंदी कर की गई इस कार्रवाई में शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ वसवराजू को भी मार गिराया गया। इसके अलावा, गुरुवार को राज्य के सुकमा जिले में भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो की मौत हो गई और मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। जाहिर है, देश भर में नक्सली हिंसा का सामना करने और इसे खत्म करने के लिए किए जाने वाले सरकारी दावों के लिहाज से ताजा कार्रवाई को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि पिछले कुछ वर्षों से नक्सल विरोधी अभियान में तेजी के साथ छिटपुट स्तर पर नक्सलियों को या तो मार गिराने या फिर उनका समर्पण कराने में सरकार को लगातार सफलता मिल रही थी। मगर इस बार के मुठभेड़ को सरकार ज्यादा अहम इसलिए मान रही है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तीन दशकों के दौरान यह पहली बार है जब सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष स्तर के किसी नेता को मारा है। ताजा अभियान के तहत हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में चौवन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और चौरासी ने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ इस वर्ष अब तक एक सौ अस्सी से ज्यादा माओवादी मारे गए और कई सौ ने आत्मसमर्पण भी किया। निश्चित तौर पर नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने, आत्मसमर्पण और उनकी गिरफ्तारी को प्रत्यक्ष नक्सली हिंसा को समाप्त करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा सकता है। मगर इस समस्या की जड़ें सामाजिक-आर्थिक कारणों में भी छिपी हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कार्रवाई के साथ-साथ उनके समाधान या उन्हें दूर करने के लिए भी एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है। मसलन, नक्सली समूहों तक वित्तीय मदद और हथियार पहुंचने के रास्तों या माध्यमों को खत्म करने, नक्सल प्रभावित इलाकों में आम लोगों के बीच विश्वास पैदा करने, उन्हें बुनियादी और भूमि अधिकार देने, मुख्यधारा में लाने, ऋण माफ करने और गरीबी दूर करने के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वंचनाओं से मुक्ति दिलाने जैसे अन्य पहलुओं पर भी स्थायी हल तलाशने की मंशा के साथ काम करने की जरूरत है। नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में चलाए गए अभियानों के बाद अब ऐसी संभावना भी जताई जाने लगी है कि यह समस्या अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अगर कुछ बड़ी कामयाबियों के आधार पर भी इस समस्या की जड़ों पर चोट करने को लेकर शिथिलता बरती गई तो शायद यह इसकी जटिलता की अनदेखी साबित होगी।

होटल प्रबंधन संस्थान में करियर निर्माण - परिवर्तन की नयी राह

ज्ञान भूषण / डॉ प्रतीक घोष

नयी ऊर्जा से भरपूर वैश्विक आतिथ्य उद्योग के विस्तार के साथ भारत आतिथ्य के क्षेत्र में कुशल पेशेवर कर्मियों का शक्ति केंद्र बनने के लिए तैयार हो रहा है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) इस सिलसिले को आगे बढ़ाने में सबसे आगे हैं। इन संस्थानों को बहुत लंबे समय से उत्कृष्टता, व्यावहारिक प्रशिक्षण और विश्व स्तरीय पेशेवरों को तैयार करने की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। इन संस्थानों में अब आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। ऐसे में इच्छुक छात्रों के लिए आतिथ्य के क्षेत्र में संतोषजनक करियर बनाने पर विचार करने का इससे बेहतर कोई और समय नहीं हो सकता।

होटल प्रबंधन संस्थान की विरासत पद्म श्री संजीव कपूर, शेफ मंजीत गिल, पुनीत चटवाल, रंजू एलेक्स, पद्म श्री शेफ दामू जैसी शख्सियतों से समृद्ध है। वास्तव में, अनुभवी और अपने क्षेत्र के दक्ष लोगों की यह सूची बहुत लंबी है। इसे और भी बढ़ाया जा सकता है और इसमें कई विख्यात मिशेलिन-सितारों और हस्तियों को शामिल किया जा सकता है। यह शानदार सूची आतिथ्य के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के मामले में न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व में होटल प्रबंधन संस्थान की गहरी पहुंच और व्यापकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

देश भर के होटल प्रबंधन संस्थान परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं ताकि वे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक स्तर पर उद्योग जगत की मांगों की पूर्ति के अधिक करीब हो सकें। सरकारी दिशा-निर्देशों और उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के आधार पर तेजी से लाए जा रहे परिवर्तनों के साथ इन संस्थानों में बेहतरीन रूप से प्रभावशाली शिक्षण वातावरण विकसित किया जा रहा है जिसमें न केवल छात्रों को शिक्षित किया जा सके बल्कि आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सक्षम होने हेतु प्रेरित भी किया जा सके।

उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना - होटल प्रबंधन संस्थान आतिथ्य उद्योग के साथ संबंधों को मजबूत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां जो पढ़ाया और सिखाया जा रहा है उसमें उद्योग की अपेक्षाएं प्रदर्शित हों। इस तरह की साझेदारी से पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता बढ़ती है, छात्रों को उद्योग जगत का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होता है और रोजगार के लिए उनका आसानी से प्लेसमेंट सुनिश्चित होता है। इस प्रयास में ताज, मैरियट, ओबेरॉय, आईटीसी जैसे होटल ब्रांड और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सक्रियता से सहयोग कर रहे हैं। वे इंटर्नशिप, भर्ती सहायता और मेंटरशिप के अवसर प्रदान कर रहे हैं। केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों और प्रमुख होटल श्रृंखलाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर इस सहयोग को और मजबूत करता है जिससे छात्रों को सुव्यवस्थित तरीके से संकाय-उद्योग संपर्क, संयुक्त रूप से अनुसंधान और सीखने के व्यावहारिक अनुभव के लाभ मिल पाते हैं।

पाठ्यक्रम अद्यतन करने के लिए कार्य बल- एक समर्पित कार्य बल ने नए-नए विषयों को शामिल करने के लिए होटल प्रबंधन संस्थानों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है ताकि उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने योग्य बनाया जा सके। इसमें आतिथ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, डिजिटल मार्केटिंग, सतत पर्यटन से लेकर सांस्कृतिक विविधता प्रबंधन तक विभिन्न विषय शामिल किए गए हैं। इस तरह यह पाठ्यक्रम अब यह दर्शाता है कि 21वीं सदी में कार्य करने वाले कर्मियों की आवश्यकताएं क्या होंगी। छात्रों को न केवल मुख्य तौर पर होटल संचालन में बल्कि व्यवहार कुशलता, उद्यमिता और उभरती हुई तकनीकों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। ये ऐसे कौशल हैं जो उन्हें बहुमुखी और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के योग्य बनाते हैं।

प्रवेश में वृद्धि के लिए उठाए गए कदम- होटल प्रबंधन संस्थानों ने इस क्षेत्र में काम करने की अधिक सामर्थ्य और संभावना वाले छात्रों को आकर्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए प्रवेश में वृद्धि के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें शामिल हैं:-

ज़ विद्यालयों और कैरियर मेलों में जागरूकता अभियान।

ज़ आतिथ्य शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच।

ज़ डिजिटल मंचों पर उपस्थिति में वृद्धि, जिससे छात्रों और अभिभावकों को प्रवेश संबंधी विवरण की जानकारी आसानी से मिल जाती है।

इसके अतिरिक्त, होटल प्रबंधन संस्थान प्रवेश की प्रक्रिया (एनसीएचएम-जेईई) को सुव्यवस्थित करने, इसमें पारदर्शिता, कुशलता बढ़ाने और छात्रों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

प्लेसमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां- प्लेसमेंट में निरंतरता के प्रदर्शन के लिए होटल प्रबंधन संस्थानों की व्यापक रूप से प्रतिष्ठा है। इनके अंतिम वर्ष के छात्रों को शीर्ष आतिथ्य श्रृंखलाओं, एयरलाइनों, क्रूज लाइनों और बहुराष्ट्रीय निगमों में नियुक्त किया जाता है। होटल प्रबंधन संस्थानों में बने प्लेसमेंट सेल उद्योग जगत के साथ सक्रियता से जुड़े रहते हैं ताकि यह सुनिश्चित कर सकें कि उनके स्नातकों के लिए शानदार नौकरियों के प्रस्ताव सुरक्षित हों। उदाहरण के लिए, इस वर्ष डॉ. अंबेडकर होटल प्रबंधन संस्थान (एआईएचएम) चंडीगढ़ ने एक छात्र एक प्लेसमेंट का शानदार शत-प्रतिशत रिकॉर्ड हासिल किया। इस क्षेत्र में क्रूज लाइनरों की रुचि एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति है, जो अब नियमित रूप से कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेते हैं और छात्रों को दुनिया भर के लग्जरी जहाजों पर रोमांचक अंतरराष्ट्रीय करियर के अवसर प्रदान करते हैं।

वैश्विक संपर्क और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग- होटल प्रबंधन संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस क्रम में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (अमेरिका) के साथ उल्लेखनीय साझेदारी से अकादमिक आदान-प्रदान, शोध सहयोग और वैश्विक नेटवर्किंग संभव हो सका है। वहीं, छात्रों को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ बर्मिंघम और मॉरीशस के मैरियट होटलों में प्रतिष्ठित इंटर्नशिप कार्यक्रमों से भी लाभ मिलता है, जहां उन्हें आतिथ्य के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है और जानकारी मिलती है। ये सहयोग छात्रों के जीवन और कार्यों के विवरण में बहुत अधिक महत्वपूर्ण बिन्दु जोड़ते हैं और उनके करियर के क्षितिज का विस्तार करते हैं।

संकाय विकास और नवाचार संस्कृति- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की शुरुआत उत्कृष्ट शिक्षकों से होती है। शिक्षक और संकाय सदस्य उद्योग जगत की दृष्टि से प्रासंगिक बने रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए कि होटल प्रबंधन संस्थानों ने शीर्ष होटल ब्रांडों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर संकाय विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस दौरान संकाय सदस्यों को नवीनतम उपकरणों, शैक्षणिक तकनीकों और आतिथ्य संबंधी रुझानों से परिचित कराया जाता है जिनके संबंध में वे पुनः कक्षाओं में इस्तेमाल करते हैं। इसके अतिरिक्त, होटल प्रबंधन संस्थान छात्रों को स्टार्ट-अप परियोजनाओं, शोध और उद्यमिता में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करके नवाचार और उन्हें इस क्षेत्र के लिए विकसित करने की संस्कृति का पोषण कर रहे हैं। संस्थानों में समर्पित इन्क्यूबेशन केंद्र छात्रों को खाद्य प्रौद्योगिकी, सतत पर्यटन और सेवा-क्षेत्र में नवाचार में आशाजनक उद्यमों के लिए मार्गदर्शन और प्रारंभिक वित्तपोषण प्रदान करते हैं।

विशेष सहयोग और रणनीतिक गठबंधन- होटल प्रबंधन संस्थान पारंपरिक आतिथ्य क्षेत्र के बाहर भी अनूठी साझेदारी की खोज कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, रक्षा बलों के साथ सहयोग, जिसके अंतर्गत रक्षा कर्मियों के लिए कौशल और उन्हें पुनः कुशल बनाने संबंधित कार्यक्रमों को चलाने के उद्देश्य से पुनर्वास महानिदेशालय के साथ मिलकर काम, प्रशिक्षण के लिए नए क्षेत्रों की शुरूआत और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को सुविधाजनक बनाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भारतीय पाककला संस्थानों (आईसीआई) में की गई पहल पाककला शिक्षा को एक विशेष क्षेत्र के रूप में सुदृढ़ कर रही है, जिससे छात्रों के लिए उपलब्ध पेशेवर कार्यों के रास्तों की विविधता बढ़ रही है।

होटल प्रबंधन संस्थान क्यों चुनें?- होटल प्रबंधन संस्थान से डिग्री हासिल करना केवल एक योग्यता नहीं है - यह एक प्रतिष्ठित, लोगों पर केंद्रित और वैश्विक रूप से प्रासंगिक पेशे का प्रवेश द्वार है। इसमें छात्र आतिथ्य, विमानन, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा और पर्यटन सहित कई उद्योगों में लागू होने वाले कौशल विकसित करते हुए वास्तविक दुनिया के वातावरण में फलना-फूलना सीखते हैं। होटल प्रबंधन संस्थान रोजगार, प्रौद्योगिकी और वैश्विक तत्परता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ परिवर्तनकारी शिक्षा का अनुभव प्रदान कर रहे हैं जो छात्रों को नेतृत्व की भूमिकाओं और उद्यमशीलता की सफलता के लिए तैयार करता है। आतिथ्य उद्योग आज करियर के कुछ बेहद रोमांचक, तेज़-तर्रार और प्रतिष्ठित अवसर प्रदान करता है। उनके लिए असीमित संभावनाएं हैं- चाहे वह लग्जरी होटल का प्रबंधन करना हो, विश्व स्तरीय अतिथि अनुभव डिजाइन करना हो, अंतर्राष्ट्रीय क्रूज लाइनरों पर काम करना हो, या अपना खुद का पाक उद्यम या इवेंट मैनेजमेंट फर्म चलाना हो। होटल प्रबंधन संस्थान रणनीतिक तौर पर अद्यतन होने के साथ ही, उद्योग जगत के साथ मजबूत भागीदारी और छात्र-प्रथम दृष्टिकोण के साथ आतिथ्य के क्षेत्र में शानदार करियर के लिए आदर्श लॉन्चपैड हैं। इस प्रकार, होटल प्रबंधन संस्थान के माध्यम से विश्व स्तरीय करियर निर्माण की गारंटी के लिए समय पर कदम उठाना सार्थक होगा। इसे इस प्रकार अच्छी तरह से व्यक्त किया गया है कि, ÷जो कुछ करना है वह एक मिनट देर से करने से बेहतर है कि तीन घंटे पहले कर लें।

(लेखक ज्ञान भूषण (आईईएस), वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), भारत सरकार और डॉ प्रतीक घोष, विभागाध्यक्ष, डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, चंडीगढ़ हैं)

नेताओं के बिगड़े बोल के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार

(योगेंद्र योगी)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकार को गिराने की कोशिशों से नाराज होकर कांग्रेस के बागियों को काले नाग और बिकाऊ करार दिया था और अपने चुनावी अभियान के दौरान भी बिकाऊ बनाम टिकाऊ के नारे का इस्तेमाल किया था।

देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता के लिए सीमा पार से मिलने वाली चुनौती का भारत ने न सिर्फ वर्तमान में बल्कि पूर्व में बखूबी जवाब दिया है। भारत बाहर से मिलने वाली हर चुनौती से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह दृढ़ता विश्व में साबित कर दी है। देश के सामने असली दिक्कत अंदरुनी है। अंदरुनी चुनौतियां से निपटना आसान नहीं हैं, वह भी यदि ऐसी हरकतें नेताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा की जाए। जिन पर हर सूरत में देश की आन-बान-शान को ऊंचा रखने की जिम्मेदारी हो, यदि वो ही निम्नस्तरीय कृत्य पर उतर आएं तो सवाल खड़े होना लाजिमी है। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने भारत की जांबाज सेना की अफसर और जज्बे से देश की आईकोन बनी कर्नल सोफिया के बारे अनर्गल टिप्पणी करके कई सवालों को जन्म दिया है।

ऐसा नहीं है कि मंत्री विजय शाह ऐसा कृत्य करने वाले अकेले नेता हैं, जिनकी वजह से देश का नीचा देखना पड़ा है। ऐसा करने वाले नेता की लंबी फेहरिस्त है, जिनके बिगड़े बोल से देश और समाज का सौहार्द्र प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर प्रभावित हुआ है। मध्यप्रदेश के इस मंत्री को बेशक सजा मिल जाए, इसके बाद भी बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह कौनसी वजह है कि नेताओं की जुबान काबू में नहीं रहती। सवाल यह भी है कि वैमनस्य का जहर घोलने वाले ऐसे नेताओं के मामले में कानूनी कार्रवाई का इंतजार क्यों किया जाता है। राजनीतिक दल आगे बढ़ कर कार्रवाई की नजीर पेश क्यों नहीं करते। यदि राजनीतिक दलों ने नेताओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा खींची होती और उसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई निर्धारित कर रखी होती तो ऐसी नौबत नहीं आती।

दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों की शह ही ऐसे नेताओं के बिगड़े बोलों के लिए जिम्मेदार है। इनकी अनदेखी करने से नेताओं में प्रलाप करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विगत चुनावों में यदि नेताओं पर दलों ने लगाम कसी होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान कई बार भाषायी मर्यादा टूटती दिख रही, किन्तु किसी भी पार्टी ने इस पर चिंता नहीं जताई और नेताओं को म्यान में रहने की हिदायतें नहीं दी। कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा की मथुरा से सांसद हेमा मालिनी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग की तरफ से कार्रवाई भी की गयी, किन्तु कांग्रेस ने सुरजेवाला के खिलाफ महिलाओं की मर्यादा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एक्ट्रेस कंगना रनौत को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की। इसके जवाब में कंगना ने कहा कि हर महिला गरिमा की हकदार है। हालांकि, विवाद बढ़ने पर सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से पोस्ट डिलीट कर दी। चुनाव आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस दिया गया था। कंगना रनौत भी नाम लेकर निजी टिप्पणी करने में पीछे नहीं रहीं। कंगना ने राहुल गांधी और मंडी सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को क्रमशः बड़ा पप्पू और छोटा पप्पू कहा। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाया और कांग्रेस को एक बीमारी और अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई दीमक करार दिया, जो उनके मुताबिक 2014 तक देश को खा रही थी। हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा ने रनौत को परी करार देते हुए कहा है कि लोग केवल उन्हें देखने आते हैं। प्रतिभा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कि कंगना की मां आशा रनौत ने कहा था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ये हुस्न परी है, और ये क्या चीज है जैसी टिप्पणियां कर रही हैं और यह भूल गई हैं कि उनके घर में भी बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि एक मां होने के नाते मुझे दुख होता है और मुझे लगता है कि ऐसी टिप्पणियों से अन्य मांएं भी दुखी हो रही हैं।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकार को गिराने की कोशिशों से नाराज होकर कांग्रेस के बागियों को काले नाग और बिकाऊ करार दिया था और अपने चुनावी अभियान के दौरान भी बिकाऊ बनाम टिकाऊ के नारे का इस्तेमाल किया था। बिहार भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी के बयान पर काफी विवाद देखने को मिला था। सम्राट चौधरी ने कहा था कि टिकट बेचने में लालू यादव ने अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। सम्राट चौधरी ने कहा था कि आगामी चुनाव में मैदान में उतरने से पहले लालू ने अपनी बेटी की किडनी ले ली। राजद की तरफ से इसे लेकर जमकर आपत्ति जतायी गयी थी। गिरिराज सिंह के बयान पर भी विवाद हुआ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा था कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा बुर्के की आड़ में मतदान को प्रभावित करने व रोकटोक पर विवाद करने की घटनाएं सामान्य हैं। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पोलिंग एजेंटों द्वारा आपत्ति करने पर उनकी पहचान सुनिश्चित करने से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होती है।

उनके इस बयान को लेकर भी हंगामा देखने को मिला था। सैम पित्रोदा अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं। पित्रोदा ने रंगभेद को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत में पूर्व के लोग चाइनीज और दक्षिण के लोग साउथ अफ्रीकन जैसे दिखते हैं। कांग्रेस ने पित्रोदा के इस बयान से किनारा कर लिया। सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस ने कहा कि भारत की विविधता की ये परिभाषा मंजूर नहीं है। यह गलत है। लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने इस मुद्दा बना लिया था। ये उदाहरण बताते हैं कि जहरीले बोलों पर नेताओं को कड़ा सबक मिला होता आज यह हालात पैदा नहीं होते कि कोई मंत्री जैसे संवैधानिक ओहदे पर बैठ कर सेना की जांबाज, देशभक्त और देश की महिलाओं के लिए अग्रणी महिला सैन्य अधिकारी के खिलाफ अमर्यादित बोल बोलने का साहस जुटा पाता।

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

(रमेश सर्राफ धमोरा)

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है।

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।।

अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है।

इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की।

कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है।

पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है।

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्पाइडर में शामिल होने वाली पहली महिला बनी। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी है। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी है जो फ्रंटलाइन काम्पैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही है। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी है। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही हैं।

रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया।

भारतीय सेना अब महिलाओं को सशत्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती है। इसके लिए महिलाओं के लिए आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेंटल कोर और मिलिटरी नर्सिंग सेवाओं के लिए परमानेंट कमिशन को मंजूरी दी गई है। अब 11 आर्म्स एंड सर्विसेज में महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन मिलता है। जिनमें आर्मी सर्विस कोर, आर्मी आर्डनेंस कोर, आर्मी एडुकेशन कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच, इंजीनियर कोर, सिगनल कोर, इलेक्ट्रॉनिक्स और मकैनिकल कोर, इंटेलीजेंस कोर, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन, रीमाउंट एंड वेटनरी कोर आदि शामिल हैं।

परमानेंट कमिशन के बाद महिला अधिकारी इंडियन आर्मी के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में शामिल आर्टिलरी का हिस्सा बनने लगी है। सेना आर्टिलरी की लगभग 300 रेजिमेंट और लगभग 5,000 अधिकारी हैं। आर्टिलरी में शामिल महिला अधिकारियों की बोफोर्स, होवित्जर, के-9 वज्र जैसी तोपों पर भी 2023 में तैनाती की अनुमति दी जा चुकी है।

वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों में नियुक्तियों में लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। पुरुष और महिला जवानों की हथियारों और सेवाओं के लिए तैनाती में किसी प्रकार का अंतर नहीं किया जाता है। सभी की पोस्टिंग सेना की जरूरतों के अनुसार की जाती है। भारतीय सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमिशन के लिए 23 नवंबर 2021 को एक जेंडर न्यूट्रल करियर प्रोग्रेशन पॉलिसी लाई गई थी। इसके जरिए महिलाओं को हथियारों व अन्य सेवाओं में समान अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

छपरा में गोदरेज शोरूम के संचालक अमरेंद्र सिंह व उनके रिश्तेदार की गोली मारकर हत्या

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर में अपराधियों ने एक बार फिर दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए मंगलवार देर शाम दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों में छपरा दैनिक भास्कर कार्यालय के मकान मालिक व गोदरेज शोरूम के ओनर अमरेंद्र सिंह व उनके रिश्तेदार शंभूनाथ सिंह शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान साढ़ा ढाला के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और सिर व सीने में ताबड़तोड़ गोलियां मार दीं। घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। हत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। लेकिन घटना आपसी रंजिश या कारोबार से जुड़ी हो सकती है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटना से व्यवसायिक जगत में दहशत का माहौल है।

डॉ. संतोष कुमार को मिला चिकित्सा गौरव सम्मान

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार की राजधानी पटना में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा सेमीनार का आयोजन अधिवेषण भवन (शासन सचिवालय) पटना मे हुआ जिसमे बिहार के सुप्रसिध मधुमेह (चीनी रोग) चिकित्सक, डॉ. संतोष कुमार को चिकित्सा गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, ये अवॉर्ड उन्हे मधुमेह रोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट और सरल इलाज में लिए दिया गया है, बता दें कि पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री तारकेश्वर प्रसाद जी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकीशोर यादव जी, सहकारिता मंत्री डॉ. श्री प्रेम कुमार जी, एमएलसी श्री उपेंद्र प्रसाद जी, डॉ कुमकुम उपाध्याय जी (पूर्व सिविल सर्जन पटना) डॉ एल पी सिंह (सिविल सर्जन) विस्टिंग प्रोफेसर डॉ. श्री प्रकाश बरनवाल श्रीलंका, पटना महापौर श्रीमती वीना बरनवाल जी, और डॉ. अजय प्रकाश जी के द्वार उन्हे दिया गया। डॉ. संतोष कुमार कई वर्षो से पटना, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, गोपालगंज, फारबिसगंज (अररिया), पूर्णिया, भागालपुर, तथा उत्तरप्रदेश के कुशीनगर, तमकोई राज, गोरखपुर में अपनी मधुमेह के क्षेत्र मे व्यापक सेवा देते आ रहें हैं।

निवार्ची पदाधिकारी शिव कुमार यादव निर्वाचित

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव कराने को लेकर मंगलवार को संघ भवन में निवार्ची पदाधिकारी का चुनाव कराया गया. जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता शिव कुमार यादव निवार्ची पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित हुए है. संघ के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार यादव , उपाध्यक्ष अरूण कुमार व महासचिव राजेश्वर यादव के देखरेख में निवार्ची पदाधिकारी के प्रत्याशियों का चुनाव कराया गया. जिसमें कुल मतदाता 546 में से 412 मत पडे है. इसमें अधिवक्ता शिव कुमार यादव को 184, विरेश कुमार को 156, दिनेश कुमार सिंह को 17, राम प्रवेश सिंह को 17 और महेश पासवान को 36 वोट पडे है. जिसमें 30 मतों से शिव कुमार यादव निवार्ची पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित घोषित किये गये है. निवार्ची पदाधिकारी निर्वाचित होने पर शिव कुमार यादव ने कहा कि संघ का चुनाव मॉडल रूल के नियमों के तहत कराया जायेगा. बिहार स्टेट बार काउंसिल व बार कांउसिल ऑफ इंडिया के आदेश को हमेशा सम्मान किया जाएगा. शिव कुमार यादव के निवार्ची पदाधिकीर निर्वाचित होने पर संघ के पूर्व महासचिव अनिल कुमार सिंह, अधिवक्ता पूजा कुमारी, सुप्रिया, विद्यालक्ष्मी , मिथिलेश कुमार यादव , राजेश्वर यादव समेत आदि अधिवक्ताओं ने बधाई दी.

धूमधाम से मनी भगवान शनिदेव की जयंती

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर मंगलवार को शुभिक्षकारक योग में भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया.ऊं शं शनैश्चराय नम के मंत्रोच्चारण के साथ नगर के सुलतानपुर शनिचरा स्थान स्थित प्राचीन शनि देव मंदिर में भगवान शनिदेव मंदिर में सुबह भगवान का अभिषेक, पूजन व श्रृंगार किया गया. पश्चात भाग लगाकर महाआरती की गई. भगवान शनि देव का तिल तेल से अभिषेक किया गया. भक्तों ने शनि देव के दर्शन कर खुशहाली की मन्नतें मांगी.मंदिर में दिनभर शनिदेव के जयकारे गुंजते रहे. मंदिर के पुजारी उमेशकांत मिश्रा, पंकज मिश्रा व सुजीत मिश्रा ने पूजन-आरती किया. पुजारी पंकज व सुजीत मिश्रा ने कहा कि न्याय के देवता शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए वे अमावस्या को पूजा-अर्चना करने से विशेष फल की प्राप्ति होता है. शनिदेव भक्तों के कष्ट दूर करते और उन्हें सच्चाई और मेहतन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है.है. शनिदेव भक्तों के कष्ट दूर करते और उन्हें सच्चाई और मेहतन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है.शनि की बाधा से निजात पाना चाहते हैं, तो शनि जयंती पर पूजा के समय ये आरती जरूर करें.

तीन दिन से लापता युवक का शव बरामद

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। तीन दिन से लापता युवक का सोमवार की देर रात रूपसपुर के सौभाग्य शर्मा पथ से शव बरामद किया गया था.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया था. मृतक का पहचान रूपसपुर थाने के रूपसपुर निवासी विनोद राम के 23 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार के रूप में की गई है. लापता राहुल के भाई मोनू कुमार ने मंगलवार को सुबह रूपसपुर थाना में लातपा होने का मामला दर्ज करने गये . जब राहुल को फोटो दिखाया तो पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात एक युवक का शव बरामद किया गया था.अस्पताल पोस्टामार्टम के लिए भेजा गया था.जब मृतक के परिजनों अस्पताल पहुचं तो देखा कि राहुल का शव था. मोनू ने बताया कि तीन दिन पूर्व घर से झगडा कर निकाला था. परिजनों ने हत्या करने का आशंका जाहिर किया है. थानाध्यक्ष रणविजय कुमार ने बताया कि मृतक के शरीर पर कहीं जख्म का निशान नही है . मृतक के परिजनों ने बताया कि पत्नी के साथ झगडा कर घर से निकाला था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा. मामले की छानबीन किया जा रहा है.

आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिये लगा शिविर

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मंगलवार को नगर परिषद की ओर से विभिन्न वार्डों में शिविर लगाया गया. शिविर में आयुष्मान कार्ड बनवाया गया है. परिषद के ईओ पंकज कुमार ने बताया कि परिषद के वार्ड 13, 15 से 27 में शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया है. उन्होंने बताया कि बुधवार को परिषद के वार्ड 28 से 40 में शिविर लगायाा जायेगा. वही सर्वर धीमी रहने से कार्ड बनाने दिक्कत उठाना पडा. वही बीडीओ विभेष आनंद ने बताया कि प्रखंड के 13 पंचायतों में शिविर लगाकर करीब 100 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया है.

वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जयंती वर्ष पर जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजित

कार्यक्रम में सर्व प्रथम अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया तत्पश्चात सामुहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का गायन किया गया

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। संगोष्ठी कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें पढ़ाया गया है उन लोगों के बारे में जो हम पर अत्याचार किया। हम लोगों ने उन्हें ही महिमा मंडित किया और गौरव का विषय बना दिया। जिन्होंने हमारे मंदिरों को तोड़ा। मो. गजनवी ने आकर सोमनाथ मंदिर को तोड़ा और लूट-पाट किया कांशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त किया। उन मंदिरों को राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी ने संवारा जीर्णोद्धार किया। अब माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी विरांगना अहिल्याबाई जी के बाद मंदिरों को संवारने का काम कर रहे हैं। 26/11 का जब आतंकवादी घटना हुआ था। एक पाकिस्तानी आतंकी कसाब भी पकड़ा गया था। तब वर्तमान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था - बहुत दबाव था पर हमने गोली नहीं चलाई ये अच्छा निर्णय था। देश में परिवर्तन हुआ केन्द्र में मोदी सरकार आई। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। मोदी सरकार ने पाकिस्तान को ईंट का जवाब पत्थर से दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि इतिहास में जिन महापुरुषों, विरांगनाओं को भुला दिया गया था उन्हें भारतीय जनता पार्टी सम्मान देने का काम करते आई है। अहिल्याबाई होलकर जी का आज हम 300वां स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। अहिल्याबाई होलकर जी एक मराठा शासक थीं जिन्होंने अपने शासनकाल में कई लोककल्याणकारी कार्य किए। उन्होंने मंदिरों का निर्माण और पुनर्निर्माण करवाया, धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार करवाया, और अपने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण का योगदान दिया। भारतीय संस्कृति में उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में से एक माना जाता है। उनके जीवन और कार्य सभी को प्रेरणा देते हैं। तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए, भूखों के लिए अन्नभंडार खोले, प्यासों के लिए प्याऊ। और आत्म-प्रतिष्ठा के झूठे मोह का त्याग करके सदा न्याय करने का प्रयत्न करती रहीं। रांची विभाग के गौ सेवा प्रमुख सह जिला के पूर्व संघ कार्यवाह सुनील साहू ने अपने सम्बोधन में कहा कि शासन और व्यवस्था के नाम पर घोर अत्याचार हो रहे थे। प्रजाजन-साधारण गृहस्थ, किसान मजदूर-अत्यन्त हीन अवस्था में सिसक रहे थे। उन विकट परिस्थितियों में अहिल्याबाई जी ने शासन संभाला। दुश्मनों से रक्षा के लिए सेना बनाई और उन्हें मजबूत किया। उनके मुख्य योगदानों में से एक 12 ज्योतिलिंगों में सोमनाथ मंदिर है जिसका जीर्णोद्धार महारानी अहिल्याबाई होलकर जी ने करवाया साथ ही बनारस का काशी विश्वनाथ मंदिर भी उन्हें की देन है। इस प्रकार उन्होंने देश की प्रगति में विशेष योगदान दिया। संगोष्ठी कार्यक्रम के बाद गोविंदपुर मण्डल अध्यक्ष राम ध्यान सिंह जी आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम में मंच संचालन जिला महामंत्री संजय साहू ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री निखिल कन्डुलना ने किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष कृपा सिंधु बेहरा, जगन्नाथ मुंडा,भागीरथ राय, जिला मंत्री गोपाल स्वर्णकार, जिला कोषाध्यक्ष प्रियांक भगत, मिडिया सह प्रभारी महावीर राम, मण्डल अध्यक्ष क्रमशः परशुराम दास, मदन मोहन गोप, अर्जुन पहान, कलिन्दर राम, जिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा देवी, संजय मुंडा, भीम सिंह मुंडा, सुभाष हलधर, खूंटी प्रमुख छोटराय मुंडा, रामानंद साहू, सुदर्शन भोगता, सुबोध गुप्ता, रूकमिला सारू, सरस्वती देवी, बासमती देवी, सुनीता देवी, लखिन्दर नायक, प्रशांत कुमार,भीम साहू , राजु साहू, लहरू खान, जोहन मुंडा,कार्यालय मंत्री राजेश महतो, किशनचंद कश्यप, बालकिशुन गोप, कृष्णा लोहरा, दिनेश महतो, बोदरो नाग, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रामकृष्ण नगर में लगातार दूसरे दिन खुलेआम अपराधियों का तांडव

युवक को दौड़ा-दौड़ाकर गोली मारकर हत्या

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स। राजधानी पटना में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब सरेआम दिनदहाड़े गोलीबारी कर लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है. रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के चांगर मोहल्ले में लगातार दूसरे दिन उसी समय एक और युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई जिस समय एक दिन पहले जगनपुरा में खटाल संचालक को गोलीबारी कर मौत के घाट उतार दिया गया था. इस बार एक अकेले बदमाश ने बाइक सवार युवक को दौड़ा-दौड़ा कर गोलियों से छलनी कर दिया. घटना मंगलवार सुबह की है जब सिमरी वारसलीगंज का रहने वाला कुंदन कुमार, जो चांगर में किराए के मकान में परिवार के साथ रह रहा था, जिम से लौटकर बाइक से घर जा रहा था. तभी रास्ते में एक युवक ने उसे हथियार के बल पर रोका. कुंदन जान बचाने के लिए भागा, मगर हमलावर ने उसे दौड़ाया और तीन गोलियां मार दी. लोग बताते हैं कि कुंदन कई दरवाजे पर जान बचाने के लिए अंदर घुसना चाहा लेकिन दरवाजा बंद था. जिस घर में वह रहता था उसका दरवाजा भी बंद था जहां उस पर नजदीक से कई गोलियां अपराधी ने दाग दी और आराम से पिस्तौल लहराते फरार हो गया. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें बदमाश लगातार सात-आठ चक्र फायरिंग करता दिख रहा है. गोली लगते ही कुंदन गिर पड़ा और हमलावर फिर भी गोलियां चलाता रहा. कुंदन को स्थानीय लोग अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान कई बार रामकृष्ण नगर थानाध्यक्ष को फोन किया गया, मगर पुलिस ने कॉल रिसीव तक नहीं किया. जब तक पुलिस पहुंची, तब तक हत्यारा आराम से फरार हो चुका था. पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है. सिटी एसपी पूर्वी रामदास, सदर टू डीएसपी सत्यकाम और थानाध्यक्ष आशुतोष मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज देखकर पुलिस अधिकारी भी अवाक रह गए. हत्यारे की पहचान अब तक नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस छापेमारी का दावा कर रही है. हत्या के कारण को लेकर इलाके में कई तरह की चचार्एं हैं. बताया जा रहा है कि कुंदन का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था और कुछ दिन पहले उस लड़की ने आत्महत्या कर ली थी. स्थानीय सूत्रों की मानें तो लड़की का भाई कुंदन को इसके लिए जिम्मेदार मानता था और उसी ने बदला लेने के लिए यह हत्या की. हालांकि, इस बारे में कुंदन के परिजन और पुलिस ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि एक अकेला बदमाश खुलेआम गली में गोलियां चलाता रहा, मगर कोई उसे रोकने नहीं आया. पुलिस को भी फायरिंग के दौरान सूचना दी गई, बावजूद इसके पुलिस मौके पर नहीं पहुंची. पटना के रामकृष्ण नगर क्षेत्र में लगातार दो दिनों में दिनदहाड़े हुई हत्या से कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं. थाना क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन हत्या की वारदात से इलाके में लोग सहमें हुए हैं पुलिस पर से लोगों का विश्वास अब उठ चुका है.

दोस्त ने ही की, दोस्त की हत्या, पंडवा थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

मामला 17 मई को अमानत नदी के पास अलकतरा फैक्ट्री के निकट हत्याकांड का

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पंडवा थाना की पुलिस ने पिछले 17 मई को अमानत नदी के अलकतरा फैक्ट्री के पास हुई हत्याकांड का पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल अप्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इसके पूर्व पंडवा थाना कांड सं.-35/2025, दिनांक18 मई 2025, धाराः 103(1)/ 238/61 (2)/3 (5) भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) के तहत मामला दर्ज किया गया था। निमिया गांव के 20 फुटा क्षेत्र के जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह व थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्ति में 30 वर्षीय सोनू कुमार उर्फ रोहित कुमार, पिता बहादुर राम मेदिनीनगर स्थित निमियां के बैंक कॉलोनी व दूसरा व्यक्ति संतोष कुमार भुइयां उर्फ चिंटू ,पिता स्वर्गीय रामाराम भुइयां,पटेल नगर सुदना, मेदिनीनगर का है। अभियुक्तों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि यह घटना अमन कुमार सिंह के कहने पर की गई है। बताया कि थाना क्षेत्र के बटसारा स्थित

रंजीत कुमार मेहता की पत्नी वादिनी 24 वर्षीया नीलम कुमारी ने अपने पति रंजीत कुमार मेहता की हत्या से संबंधित पंडवा थाना में फर्दबयान के आधार पर पंडवा थाना कांड दर्ज कराया था। प्राथमिकी में वादिनी के पति रंजीत कुमार मेहता की सिर को पत्थर से कुचल कर निर्मम हत्या कर दिए जाने की जानकारी दी थी। उसने प्राथमिकी में नामजद अभियुक्तगण के रूप में ब्रजकिशोर दुबे उर्फ छोटन दुबे, पिता- मालूम नहीं, सा० कंदाखाड, थाना शहर, स्थायी पता- ग्राम पुरबडीहा, थाना चैनपुर, अमन सिंह, पिता- मालूम नहीं, सा० अघोर आश्रम, थाना शहर, रामलाल मेहता, पिता- राजेश महतो, सा. निमिया, वार्ड नं-02, थाना शहर, भोला महतो, पिता- राजेश महतो, सा. निमिया, वार्ड नं-02, थाना शहर, तारामनी महतो, पिता- मालूम नहीं, वर्तमान पता- निमिया, वार्ड नं-02, थाना शहर; स्थायी पता- ग्राम ओरिया, थाना लेस्लीगंज, लालमोहन महतो, पिता- स्व० सोमारू महतो, सा० निमिया, जिला पलामू सहित 6 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि पलामू जिले अंतर्गत पंडवा थाना क्षेत्र में 17 मई को बटसारा स्थित अलकतरा फैक्ट्री के समीप मेदिनीनगर के निमिया निवासी रंजीत कुमार मेहता की हत्या के आरोप में पंडवा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को अलकतरा फैक्ट्री के समीप निमियां निवासी रंजीत कुमार मेहता को सोनू कुमार व संतोष कुमार भुइयां ने हॉस्पिटल चौक स्थित उसके टेंपो में बैठकर 17 मई को संध्या के समय पर लोहड़ा गांव चालक रंजीत कुमार मेहता के साथ बैठकर आया। सवारी उतारकर रंजीत कुमार डालटेनगंज जाने लगा। इसी बीच रंजीत कुमार मेहता का दोस्त सोनू कुमार उर्फ रोहित जो करीबी दोस्त था व एक अन्य दोस्त संतोष कुमार भुइयां के साथ मिलकर पहले उसका गमछा से गला दबाया व पत्थर से सर पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। बताया कि इसके पूर्व में भी सोनू कुमार उर्फ रोहित पर पलामू शहर थाना में कांड संख्या 58/ 2023 में आपराधिक मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि मृतक रंजीत कुमार का क्षतिग्रस्त मोबाइल ,अभियुक्त सोनू कुमार उर्फ रोहित के पास से घटनाकार्य के समय पहने गये कपड़ा एवं संतोष कुमार के द्वारा घटना आधारित समय पहने गए कपड़ा को पुलिस ने जप्त किया है। थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि पलामू एसपी के मार्गदर्शन में टीम गठित कर पुलिस हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए सघन अनुसंधान अभियान चलाया था। इसमें अमन सिंह व अन्य चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस अनुसंधान के क्रम में सोनू कुमार उर्फ रोहित एवं संतोष उर्फ चिंटू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

रिवर्स गियर में चल रही है झारखंड की हेमंत सरकार : रघुवर दास

झारखंड को बना दिया है लूटखंड, सीओ से लेकर सीएमओ तक डूबे हैं भ्रष्टाचार में

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड की हेमंत सरकार रिवर्स गियर में चल रही है। सीओ से लेकर सीएमओ तक भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हुए हैं। उक्त बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कही। वे मंगलवार को स्थानीय परिषदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। रघुवर दास ने कहा कि झारखंड सरकार ट्रांसफर व पोस्टिंग का उद्योग चला रही है। सीओ से लेकर सीएमओ तक भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हुए हैं। भ्रष्टाचार, घोटाले व गोलमाल की सरकार असहाय व अक्षम साबित हो रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिंडिकेट के माध्यम से शराब, जमीन, कोयला व बालू पर कब्जा जमा लिया है। झारखंड सरकार में ट्रांसफर पोस्टिंग उद्योग बन गया है। रांची में प्रशासन के सारे लोग बैठते हैं बावजूद प्रत्येक दिन राजधानी में हत्या व बलात्कार की घटना घट रही है। झारखंड में आदिवासी पिछड़ता जा रहा है। भाजपा की सरकार के समय उग्रवाद अंतिम सांसें गिन रहा था। लेकिन हेमंत सरकार में उग्रवाद ने पुणः सर उठा दिया है। कहा कि झारखंड में 18 से 50 वर्ष उम्र की युवतियों व महिलाएं की संख्या 70 लाख है। मगर 25 लाख युवतियों व महिलाओं को मईया सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। चुनाव के पहले कोई शर्त नहीं था। लेकिन चुनाव जीतने के बाद शर्त पर शर्त लगाकर महिलाओं व युतियों के साथ हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठित झामुमो व कांग्रेस की सरकार ने विश्वासघात किया है। यह महिलाओं के साथ छल है। कहा कि वे जनता को जागरूक करेंगे। गांव-गांव में चौपाल लगाएंगे। जनता की समस्याओं को सुनेंगे व भाजपा कार्यकताओं के साथ समस्या के समाधान के लिए संघर्ष करेंगे।

न्यायालय सख्तः आदेश की अवहेलना पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुफस्सिल थाने के थानाध्यक्ष की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। न्यायालयीय आदेश की अवहेलना करने पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी सौम्या की अदालत ने उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। यह मामला मेसर्स प्रताप ट्रेडर्स द्वारा दायर किए गए चेक बाउंस से जुड़ा है, जिसमें आरोपी नूर आलम अंसारी के खिलाफ वाद संख्या 281/2025 विचाराधीन है। आरोपी नूर आलम अंसारी बार-बार कोर्ट में हाजिर होकर जमानत लेता रहा, लेकिन जमानत की शर्तों का पालन नहीं किया। इसी के मद्देनजर अदालत ने 12 नवंबर 2024 को उसकी जमानत रद्द करते हुए बंध पत्र खंडित कर दिया था, और उसके विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया गया था। अदालत ने थानाध्यक्ष को स्पष्ट निर्देश दिया था कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें, लेकिन आदेश के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बाद में कोर्ट ने स्मार पत्र जारी करते हुए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 के अंतर्गत आरोपी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू की, फिर भी थानाध्यक्ष निष्क्रिय बने रहे।

जिंदगी का उजासः जीवन के रंगों का एक यथार्थवादी 'प्रेरणा-संग्रह'

पुस्तक समीक्षा

समीक्षकः अंबिका कुशवाहा 'अम्बी'
पुस्तकः जिंदगी का उजास
लेखकः नृपेन्द्र अभिषेक श्नृपश्
प्रकाशनः समृद्धि पब्लिकेशन, दिल्ली
मूल्यः 260 रुपये
प्रथम संस्करण : वर्ष 2025

नृपेंद्र अभिषेक नृप हिंदी साहित्य के एक चमकते सितारे हैं, जिनकी लेखनी ने बिहार के छपरा जिले से निकलकर साहित्य जगत में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उनकी पांचवीं कृति, ज़िंदगी का उजास, एक ऐसा कहानी संग्रह है, जो मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक यथार्थ और जीवन के विविध रंगों को बखूबी उकेरता है। यह संग्रह उनकी बहुमुखी प्रतिभा का जीवंत प्रमाण है। नृपेंद्र जी एक मानवतावादी लेखक है और उनकी रचनाएं सामाजिक सरोकार से जुड़ी होती है। 'जिंदगी का उजास' पुस्तक भावनाओं और मानवीय संवेदनाओं का दर्पण है। यह पुस्तक लोगों के जीवन, उनकी समस्याओं तथा आकांक्षाओं और मानवीय संघर्षों का जीवंत दस्तावेज है। ज़िंदगी का उजास में शामिल कहानियाँ जीवन की सादगी और जटिलता को एक साथ पिरोती है। इनकी लेखन शैली सरल, प्रवाहमयी, और भावनात्मक रूप से गहन है, जो पाठकों को कहानी के पात्रों और परिस्थितियों से गहराई से जोड़ती है। प्रत्येक कहानी में जीवन के उजास (प्रकाश) को तलाशने की कोशिश दिखती है, चाहे वह संघर्ष हो, प्रेम हो, या सामाजिक परिवर्तन। नृपेंद्र अभिषेक नृप की सबसे बड़ी ताकत उनकी कहानियों में पात्रों का जीवंत चित्रण और कथानक की प्रामाणिकता है। उनकी कहानियाँ न केवल मनोरंजन प्रदान करती हैं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर विचार करने के लिए भी प्रेरित करती हैं। संग्रह की शीर्षक कहानी 'ज़िंदगी का उजास' मनोवैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत करता है, जो व्यस्त जीवन में मानसिक स्वास्थ और आत्मविश्वास के संतुलन को अहमियत देता हैं। जो जीवन के कठिन पलों के साथ नई शुरूआत का स्वागत करती है। इस संकलन की कहानी "त्याग का दीपक" में शहर के संघर्ष और गरीबी को चित्रित किया गया है। यह कहानी एक साधारण घरेलू महिला के अपने पति के संघर्ष में साथ देने और माता-पिता के त्याग व बलिदान के माध्यम से बेटी को अपनी मंजिल प्राप्त करने की प्रेरणादायक यात्रा को दशार्ती है। 'माटी की याद' कहानी आरम्भ में गांव की सुंदरता का चित्रण एक प्रभावी और भावनात्मक आधार प्रदान करता है। यह ग्रामीण जीवन की सादगी, प्राकृतिक सौंदर्य, और सामुदायिक एकजुटता को दशार्ता है। कहानी जीवन संघर्ष की संवेदनाओं को दिखाती है। जो आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं और व्यक्तिगत जड़ों से अलगाव के बीच का द्वंद्व है। जो एक यथार्थवादी चित्रण है, जो आज के समय में कई लोगों की जिंदगी को दशार्ता है, जहां नौकरी, शिक्षा, या अन्य जिम्मेदारियों के लिए लोग अपने गांव और परिवार को छोड़कर शहरों की ओर पलायन करते हैं। जो कहानी को समकालीन और प्रासंगिक बनाता है। आधुनिकता के प्रभाव में संस्कृति और संस्कारों का विलुप्त होना कहानी का सबसे शक्तिशाली और विचारोत्तेजक तत्व है। जो समाज के सामने एक दर्पण रखता है, जो हमें अपनी जड़ों और मूल्यों के प्रति सचेत करता है। यह तत्व कहानी को न केवल भावनात्मक, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी प्रासंगिक बनाता है। इसी तरह 'प्रेम का आभासी पुल' कहानी आधुनिक प्रेम, टेक्नोलॉजी, और व्यक्तिगत अंतरों को केंद्र में रखता है। कहानी में प्रेम का चित्रण समकालीन और विचारोत्तेजक है। यह आधुनिक रिश्तों की जटिलताओं जैसे ऑनलाइन डेटिंग, व्यस्त जिंदगी, और वैचारिक अंतर को प्रभावी ढंग से दशार्ता है। प्रेम का धीमा विकास और अंत में मिलन यथार्थवादी और संतोषजनक है। लेखक ने कुशल और गंभीर संवाद के माध्यम से प्रेम के भावनात्मक पहलू को गहराई दी है। जो आज के जीवन की सच्चाई लगती है। 'भावनाओं का खेल' कहानी वर्तमान समय के सतही प्रेम पर आधारित है, जो आधुनिक रिश्तों की जटिलता और भावनात्मक ठेस को दशार्ती है। कहानी समकालीन और यथार्थवादी है, जो आज के रिश्तों में विश्वासघात और सच्चे प्यार के बीच की खाई को प्रभावी ढंग से दिखाती है। विश्वासघात से लेकर आत्मशक्तिकरण का मार्ग पाठक के लिए प्रेरणास्त्रोत बनती है। इस तरह, 'तेरा अक्स' और 'बसंती दुपट्टा' सच्चे प्रेम की परिभाषा गढ़ती है। यहां प्रेम सिर्फ भावनाओं का खेल नहीं, बल्कि आत्मिक गहराई भी है। ये कहानियां समर्पण, विश्वास और सब्र सकारात्मकता प्रस्तुत करती है। 'जिंदगी का उजास' संग्रह की चौदह कहानियाँ मानवीय संवेदनाओं की गहराई को छूती हैं, जो पाठकों को जीवन की वास्तविकता से रू-ब-रू कराती हैं। हर कहानी एक अनूठा दर्पण है, जो खुशी, दर्द, संघर्ष और उम्मीद की जीवंत तस्वीर पेश करती है। ये रचनाएँ न केवल हृदय को झकझोरती हैं, बल्कि आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती हैं। ये कहानियाँ पाठकों को प्रेरणा देती हैं कि जीवन की हर चुनौती के बीच भी उजास की किरण छुपी होती है, जिसे संवेदनशीलता और साहस के साथ खोजा जा सकता है। इस तरह, यह संग्रह जीवन के प्रति एक नया नजरिया और आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। यह पुस्तक आधुनिक हिंदी साहित्य की एक अनमोल कृति है। नृपेंद्र जी ने अपनी लेखनी की ताकत से पन्नो पर पात्रों को जीवंत कर दिया है, जो पाठकों के हृदय तह को तृप्त करती है।

दानापुर विस चुनाव में वैश्य समुदाय को प्रत्याशी बनाने की मांग

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को भट्ठी रोड स्थित पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अखिलेश कुमार उर्फ मुटुर साव के आवास पर वैश्य समुदाय की बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता भाजपा नेता गौरी शंकर प्रसाद के अध्यक्षता में की गई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पाटलिपुत्र की धरती पर मिशन सिंदूर ऑपरेशन की सफलता के बाद पीएम नरेंद्र मोदी के आगामन पर भव्य स्वागत किया जायेगा. बैठक में वैश्य नेताओं व कार्यकताओं ने कहा कि वैश्य समुदाय के नेताओं व कार्यकताओं केवल पार्टी का झंडा ढोते रहेंगे. वैश्य नेता अखिलेश कुमार , अविनाश कुमार , सुरेंद्र चौरसिया, राहुल साव उर्फ रिंकी वालिया, बंटी गुप्ता, नंदू गुप्ता, आशा देवी व विजय भोटी समेत आदि ने कहा कि विधानसभा में वैश्य मतदाताओं का सबसे ज्यादा वोट होने के बाद भी वैश्य समाज के प्रत्याशी नही बनाया जाता है. जबकि वैश्य मतदाताओं के वोट निर्णयक होता है.

राकेश गंगवाल और उनके परिवार ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने मंगलवार को एयरलाइन में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये (1.33 अरब अमेरिकी डॉलर) में बेच दी। सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, जिसके ट्रस्टी शोभा गंगवाल और डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं, ने भी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में भाग लिया है। उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं। नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में कुल मिलाकर लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पीटीआई की ओर से देखी गई टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत, 5,175 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 2.2 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे गए। शेयरों की कुल संख्या प्रारंभिक 13.2 मिलियन शेयरों (1.32 करोड़ शेयर) से बढ़ाई गई है। जिनका मूल्य लगभग

803 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 6,831 करोड़ रुपये) था। यह उल्लेख पहले टर्म शीट में किया गया था। सोमवार को बंद भाव 5,420 रुपये प्रति शेयर की तुलना में फ्लोर प्राइस 4.5 प्रतिशत कम है। सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयरों के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है। बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है। सौदे की संरचना के भाग के रूप में, विक्रेताओं और उनके निकटतम संबंधियों पर 150 दिन की लॉक-अप अवधि लागू होगी, एक अपवाद को छोड़कर – वे किसी निश्चित मूल्य निर्धारण और लॉक-अप शर्तों के अधीन, किसी एकल निवेशक या निवेशक समूह को बातचीत के माध्यम से कम से कम 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के शेयर हस्तांतरित कर सकते हैं। अगस्त 2024 में राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने एयरलाइन में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में बेची थी। इससे पहले गंगवाल ने मार्च में इंडिगो के शेयर बेचे थे। शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों पर तीखे विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। फरवरी 2022 से गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। सितंबर 2022 में राकेश गंगवाल और शोभा गंगवाल ने 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए गए जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए

गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा की है। ये लाभ 1 जून 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

एमएसएमई में मझोले उद्योग पिछड़े, सिर्फ 0.3 प्रतिशत का योगदान

नीति आयोग ने गिनाईं 7 बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की जीडीपी में करीब 29 फीसदी, निर्यात में 40 फीसदी और रोजगार में 60 फीसदी से अधिक योगदान देने वाला सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहा है। पंजीकृत एमएसएमई में सूक्ष्म उद्यमों की सबसे ज्यादा 97 फीसदी और लघु उद्यमों की 2.7 फीसदी हिस्सेदारी है।एमएसएमई के कुल निर्यात में 40 फीसदी का योगदान देने वाले मझोले उद्यमों का हिस्सा महज 0.3 फीसदी है, जो स्पष्ट रूप से संरचनात्मक विषमता का संकेत है।

नीति आयोग ने सोमवार को 'मझोले उद्यमों के लिए नीति तैयार करना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा, देश का विकास इंजन बनने के लिएमझोले उद्यमों को सात चुनौतियां पार करनी होंगी। ये चुनौतियां हैं...सरकारी योजनाओं के बारे में कम जानकारी, प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन की कमी, कुशल श्रमबल का अभाव, अनुपालन, नवाचार में बाधा, फंडिंग और जमीन-बुनियादी ढांचा। रिपोर्ट में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उनकी पूरी क्षमता उगाजर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

उपलब्ध मदद के बाद भी उपयोग में पिछड़ने की सात वजहें- सरकारी योजनाओं की कम जानकारी- मझोले उद्योगों को एमएसएमई मंत्रालय की 18 योजनाओं में से 4-5 की ही जानकारी है।इसमें भी सिर्फ 10 फीसदी ने ही कुछ योजनाओं का लाभ उठाया है।10 फीसदी उद्यमों ने ही निवेश मित्र, एनसीडी इंडिया और जेम जैसे पोर्टल का इस्तेमाल किया है।

कुशल श्रमबल- कौशल विकास योजनाओं का लाभ नहीं उठाना कुशल श्रमबल की कमी का बड़ा कारणहै।88 फीसदी उद्यम कौशल विकास या प्रशिक्षण योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं।31 फीसदी प्रशिक्षणकार्यक्रमों का अपने लिए प्रासंगिक नहीं मानते हैं।

फंडिंग- सस्ता कर्ज नहीं मिलना, पूंजी बाजारों पर सीमित पहुंच और गारंटी की कमी मझोले उद्योगों के लिएफंडिंग की राह में बाधक हैं।बैंक मध्यम उद्योगों को कर्ज देने के लिए बड़ी कंपनियों की तुलना में चार फीसदी अधिक ब्याज वसूलते हैं।

प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन का अभाव- 60 फीसदी मझोले उद्यम अब भी पुरानी मशीनरी का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उत्पादकता और गुणवत्ता प्रभावित होती है।अधिक लागत नईतकनीक अपनाने की उनकी राह में बड़ी बाधा है।

नवाचार में बाधा- मझोले उद्यमों की वृद्धि और प्रतिस्पर्धा के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है।फिर भी, इसके लिएउन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है।78 फीसदी उद्यमों को लगता है कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत है। शोध एवं विकास के लिएसमर्पित फंड गेम चेंजर साबित हो सकता है।

अनुपालन का बोझ- मझोले उद्योग का मानना है कि उनके लिए अनुपालन जरूरतें एमएसई से अधिक हैं। उन्हें श्रम, स्वास्थ्य, सुरक्षा निरीक्षकों के निरीक्षणों और ऑडिट से गुजरना पड़ता है।

जमीन-बुनियादी ढांचा - सस्ती भूमि और बुनियादी ढांचे तक पहुंच उद्योगों के लिए बड़ा मुद्दा है। पिछले दशक में सिर्फ महाराष्ट्र में ही औद्योगिक भूमि की लागत 150 फीसदी बढ़ी है।

आयोग ने की मंत्रालय से सिफारिश

आयोग ने एमएसएमई मंत्रालय में एक समर्पित शोध एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित करने सिफारिश की है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महत्व की क्लस्टर आधारित परियोजनाओं के लिए आत्मनिर्भर भारत कोष का लाभ उठाएगा।अनुपालन को सुगम बनाने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं पर भी ध्यान देने को कहा गया है।

वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए 3000 नौकरियों में करेगी कटौती; सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

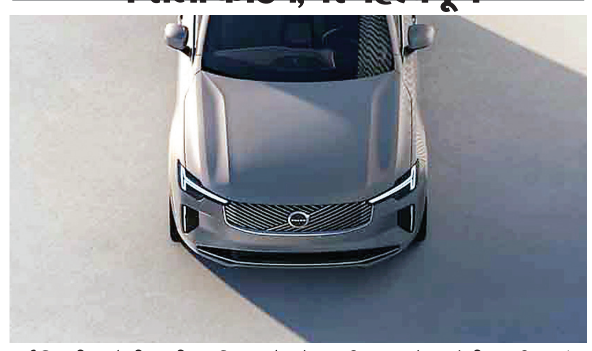

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

सीईओ बोले- हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स बना रहे- बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी। चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

हाल के वर्षों में बढ़ी है कार निर्माता कंपनियों की चुनौतियां- हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है।

8,355 करोड़ में एक सूट... इतने में तो दूर हो जाएगी पाकिस्तान की गरीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में जाने की तैयारी कर रहे हैं। शुक्ला को तीन विदेशी साथियों के साथ प्री-लॉन्च क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। उनका मिशन 8 जून को अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा। इसमें एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का यूज किया जाएगा। शुभांशु शुक्ला आईएसएस में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री होंगे। अंतरिक्षयात्रियों के लिए खास तरह के सूट बनाए जाते हैं जो काफी महंगे होते हैं। जानिए कितनी है इसकी कीमत...

नासा के स्पेससूट की कीमत 10 मिलियन डॉलर से 22 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। यह कीमत सूट के मॉडल और उसमें मौजूद खूबियों पर निर्भर करती है। ये अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में अंतरिक्षयात्रियों को बचाते हैं। नासा अब ×श्वरू सूट बना रहा है। इस एक सूट की कीमत लगभग 1 अरब डॉलर यानी 8,355 करोड़ रुपये है। यह बहुत महंगा है क्योंकि इसमें नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे मिशन पर सुरक्षित रखेगा। साल 1974 में नासा के अपोलो मिशन में इस्तेमाल हुए सूट की कीमत 15 से 22 मिलियन डॉलर थी। आज के

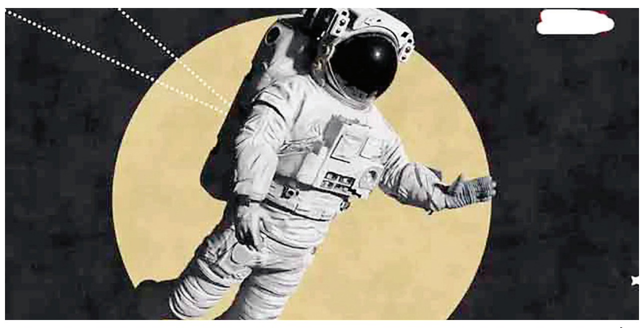

हिसाब से देखें तो इनकी कीमत 83 से 122 मिलियन डॉलर बैठती है।

सूट इतने महंगे क्यों होते हैं- इस सूट का खासियत यह होती है कि यह बहुत गर्म और ठंडे मौसम में अंतरिक्षयात्री को बचाता है। यह -150 से. गिड्री से +120 से. गिड्री के तापमान में भी काम कर सकता है। साथ ही यह अंतरिक्षयात्रियों को रेडिएशन और छोटे-छोटे पत्थरों से भी बचाता है। सूट में ऑक्सीजन, तापमान को कंट्रोल करने और कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने का सिस्टम भी होता है। इन सब चीजों के लिए खास तरह के मटीरियल और तकनीक की जरूरत होती है। इसलिए ये सूट महंगे होते हैं। ये स्पेस सूट बहुत ही खास होता है। यह स्पेस सूट अपने आप में ही एक छोटी स्पेस शिप का काम करता है। इसलिए हर अंतरिक्षयात्री इसे पहनकर ही स्पेस में जाता है। इसके अंदर कंप्यूटर, एयर कंडीशनिंग, ऑक्सीजन, पीने पानी और एक इनबिल्ट टॉयलेट की व्यवस्था भी होती है। ये सभी सुविधाएं अंतरिक्ष यात्रियों के बेहद काम आती हैं। इन्हीं की वजह से ये स्पेस सूट इतना ज्यादा महंगा होता है। इन सुविधाओं की वजह से ही अंतरिक्ष यात्री बिना किसी परेशानी के अपने मिशन को पूरा कर पाते हैं।

बैकअप की व्यवस्था- स्पेस सूट में बैकअप की भी व्यवस्था होती है। स्पेस सूट का बैकपैक अंतरिक्षयात्री को ऑक्सीजन गैस प्रदान करने का काम करता है। यह कार्बनडाइऑक्साइड को वापस एक फैन की मदद से बाहर की ओर खींचता है। किसी आपात स्थिति में स्पेस सूट का बैकअप बहुत काम आता है। स्पेस सूट अंतरिक्ष यात्रियों को कई तरह के खतरों से बचाता है। अंतरिक्ष में स्पेस सूट सूर्य की हानिकारक किरणों के साथ वहां के वातावरण से सुरक्षा प्रदान करता है। स्पेस में बहुत ज्यादा ठंड होती है तो कहीं-कहीं सीधी धूप लगने पर काफी गर्मी होती है।

कंपनी के 'मालिक' बेच रहे हैं 15.02 प्रतिशत हिस्सा, छोटे निवेशक नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा रहे है। इस कंपनी के प्रमोटर्स 15.02 प्रतिशत हिस्सेदारी घटा रहे हैं। प्रमोटर्स की तरफ से ऑफर फार सेल के जरिए शेयर बेचा जा रहा है। नॉन रिटेल निवेशक आज इस ऑफर फार सेल्स पर दांव लगा पाएंगे।

वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए यह ओएफएस कल यानी 28 मई को खुलेगा। बता दें, इस ऑफर फार सेल के लिए फ्लोर प्राइस 38 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। प्रमोटर्स के इस फैसले से निवेशक खुश नजर नहीं आ रहे हैं। आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के शेयर 40.72 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

कौन बेच रहा है कितना शेयर

सैजिलिटी ने 346,132,843 शेयर बेचने का प्रस्ताव दिया है। जोकि कंपनी के 7.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। यदि ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प प्रयोग किया जाता है। यह कंपनी 15.02 प्रतिशत हिस्सा के बराबर है।

क्या है टारगेट प्राइस- ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 16 मई को जारी किए गए नोट्स में इस स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 60 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। पहले ब्रोकरेज हाउस ने 56 रुपये सेट किया है।

पिछले साल आया था आईपीओ

यह आईपीओ 5 नवंबर 2024 को ओपन हुआ था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 30 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ का साइज 2106.60 करोड़ रुपये का है। 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान यह आईपीओ 3.2 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 4.16 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

5150 इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई नहीं कर पाई कंपनी!

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज काफी गिर गए हैं। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ही 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और यह 1180 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गया। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक डील कैंसिल होने की खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को समय पर डिलीवरी न करने के कारण कंपनी को दिए गए टेंडर ऑर्डर को रद्द करने का निर्देश दिया है।

क्या है डिटेल- सरनाईक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ओलेक्ट्रा का नाम लिए बिना लिखा कि कंपनी 5,150 लीज्ड बसों की सप्लाई में विफल रही है और उन्होंने अधिकारियों को उक्त समझौते को रद्द करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय सोमवार शाम को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। मंत्री ने आगे लिखा कि ओलेक्ट्रा को 22 मई तक 1,000 बसों की आपूर्ति के लिए एक संशोधित कार्यक्रम दिया गया था, लेकिन एक भी बस की सप्लाई नहीं की गई, जिससे कंपनी द्वारा बसों की भविष्य में आपूर्ति पर संदेह पैदा हो गया है। मंत्री ने एक्स पर लिखा, इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि कंपनी के साथ निविदा समझौता रद्द कर दिया जाना चाहिए। हालांकि, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने ऑर्डर रद्द करने के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

कंपनी के शेयरों के हाल- बता दें कि कंपनी को एमएसआरटीसी से 5,150 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए आशय पत्र दिया गया था। ऑर्डर का मूल्य लगभग 10,000 करोड़ था और अनुबंध अवधि 12 वर्ष थी। एवे को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक से बसें खरीदनी थीं और फिर उन्हें अगले 24 महीनों (जुलाई 2025 तक) में एमएसआरटीसी को सौंपना था, जबकि ओलेक्ट्रा पूरे कॉन्ट्रैक्ट अवधि के दौरान रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगी। घोषणा के बाद उस दिन शेयर में 20 प्रतिशत की उछाल आई थी। जुलाई 2023 और फरवरी 2024 के बीच, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर दोगुना से अधिक हो गया, जिससे प्रति शेयर 2,200 से अधिक का सर्वकालिक उच्च स्तर बन गया।

भारत में गड़बड़ी कर रहीं चीनी कंपनियां ओप्पो और रियलमी, ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

सरकार ले सकती है कड़ा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में चीनी स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों ओप्पो और रियलमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आरओसी में जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, इन कंपनियों के ऑडिटरों ने उनकी किताबों, काम करने के तरीकों और अधूरे रेकॉर्ड को लेकर कई सवाल उठाए हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऑडिटर की रिपोर्ट और टिप्पणियों का निवेशकों, कर्जदाताओं और सरकार पर गहरा असर पड़ सकता है। खासकर ऐसे समय में जब ये चीनी कंपनियां भारत में पिछले चार-पांच सालों से सरकार की कड़ी निगरानी में हैं। सरकार ने इन पर कस्टम ड्यूटी और इनकम टैक्स की चोरी के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। अभी इन मामलों की जांच चल रही है और अदालत में मुकदमे भी चल रहे हैं। ओप्पो मोबाइल इंडिया और रियलमी मोबाइल टेलीकम्युनिकेशंस इंडिया, दोनों ही कंपनियां हांगकांग स्थित कंपनियों के जरिए अपने चीनी

मालिकों की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनियां हैं।

ओप्पो की नेटवर्थ हुई नेगेटिव- ओप्पो भारत में तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने आरओसी रिपोर्ट में कहा है कि कंपनी को पिछले सालों में भारी नुकसान हुआ है, जिसके कारण उसकी नेटवर्थ नेगेटिव हो गई है। इसका मतलब है कि कंपनी के पास जितनी संपत्ति है, उससे ज्यादा कर्ज है। ऑडिटर ने यह भी कहा कि कंपनी का कर्ज और इक्विटी का अनुपात ठीक नहीं है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति और कर्ज चुकाने की क्षमता पर सवाल उठते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एफवाय24 में ओप्पो इंडिया की नेटवर्थ नेगेटिव 3,551 करोड़ रुपये है।

कंपनी के भविष्य पर संदेह- ऑडिटर ने रिपोर्ट में यह भी कहा है कि कंपनी कई कानूनी मामलों में फंसी हुई है और सरकार की जांच भी चल रही है। इनका क्या नतीजा होगा, यह कहना मुश्किल है और इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति और कामकाज पर बुरा असर पड़ सकता है। ऑडिटर ने आगे कहा कि इन हालातों को देखते हुए कंपनी के भविष्य पर संदेह होता है। यानी कंपनी शायद आगे भी अपना कारोबार जारी रख पाए या नहीं, इस पर सवाल है। हालांकि ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी।

ओप्पो पर कितना कर्ज

एफवाय24 में ओप्पो इंडिया पर 2,082 करोड़ रुपये का कर्ज था। इसमें से 1,668 करोड़ रुपये का कर्ज उसकी पैरेंट कंपनी से और 414 करोड़ रुपये का कर्ज एचएसबीसी बैंक से लिया गया था। इसके अलावा, कंपनी पर 2,085 करोड़ रुपये का चालू कर्ज भी था।

हालांकि, ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसे भरोसा है कि वह वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट और बैंकों या अपनी पैरेंट कंपनी से शॉर्ट-टर्म फंड लेकर किसी भी तरह की कैश फ्लो की समस्या को दूर कर लेगी।

रियलमी की क्या स्थिति

रियलमी भारत में पांचवां सबसे बड़ा मोबाइल फोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने कंपनी के काम करने के तरीकों और रेकॉर्ड रखने में कमियां बताई हैं। ऑडिटर को कुछ खातों की सटीकता और एफवाय24 के लाभ और हानि खातों की पूरी जानकारी पर भी संदेह है।

इन सभी बातों को देखते हुए, ओप्पो और रियलमी के लिए आगे की राह आसान नहीं होने वाली है। सरकार की कड़ी निगरानी और ऑडिटरों की आपत्तियों के कारण इन कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति और कामकाज में सुधार करना होगा।

नवरत्न कंपनी को आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया 25,12,94,570 का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को 25 करोड़ रुपये का काम आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया है। आंध्र प्रदेश पुलिस सिक्योरिटी और सर्विलांस इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत बनाना चाह रही है। जिसमें अब रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की सहायता ली जाएगी। बीएसई में मंगलवार को कंपनी के शेयर 383.05 रुपये के लेवल पर खुला था। सरकारी कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 393.20 रुपये आज रहा है। बता दें, कंपनी को यह वर्क ऑर्डर ऐसे समय में मिला है जब चौथी तिमाही के दौरान रेलटेल कॉरपोरेशन का प्रदर्शन शानदार रहा है।

25,12,94,570 रुपये का मिला काम- रेगुलेटरी को दी जानकारी में 27 मई को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि आंध्र प्रदेश के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस की तरफ से काम मिला है।

जैक के परीक्षा परिणाम से छात्रों के खिले चेहरे

आदिवासी बच्चों के परीक्षा फल में गिरावट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल की वार्षिक माध्यमिक परीक्षा (मैट्रिक) के परिणाम में इस बार भी अत्यंत पिछड़ा वर्ग के परीक्षार्थियों का सबसे बेहतर परिणाम रहा है।

इस श्रेणी के सबसे अधिक 95.36 प्रतिशत विद्यार्थी सफल घोषित हुए हैं। इसके बाद पिछड़ा वर्ग के परीक्षार्थियों का प्रदर्शन रहा है। इस श्रेणी के 93.36 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं।

इस बार आदिवासियों के परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही इनका परिणाम राज्य औसत से कम रहा है तथा अन्य श्रेणी के परीक्षाार्थियों की तुलना में इनका परिणाम सबसे खराब रहा है।

सामान्य श्रेणी के परीक्षार्थियों के परिणाम में सुधार तो हुआ है, लेकिन इनका भी परिणाम राज्य औसत (91.71 प्रतिशत) से कम रहा। बाकी सभी श्रेणी के परीक्षार्थियों का परिणाम राज्य औसत से बेहतर रहा है।

पिछले वर्ष से इस वर्ष के परिणाम में तुलना करें तो अनुसूचित जनजाति के परीक्षार्थियों के परिणाम में दो प्रतिशत की कमी आई है। इस श्रेणी का परिणाम सबसे खराब रहा। वहीं, पिछड़ा वर्ग के परिणाम में भी 0.04 प्रतिशत की कमी आई है। सामान्य श्रेणी तथा अनुसूचित जाति के परिणाम में लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वहीं, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के परिणाम में भी लगभग एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बताते चलें कि इस परीक्षा में पिछड़ों का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहा है।

पिछले वर्ष की बात करें तो उस समय भी पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा था।

टोटो चालक की बेटी और मजदूर का बेटा जिला टॉपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम से टोटो चालक की बेटी और मजदूर का बेटा झारखंड एकेडमिक काउंसिल की परीक्षा में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया है।दोनों बच्चे परिवारिक विपरित परिस्थिति में भी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका परिणाम है कि दोनों संयुक्त रुप से जिला का गौरव बने हैं।

एसपीजी मिशन बालिका उच्च विद्यालय चाईबासा की छात्रा सानिया लोहरा 483 अंक और पदमावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चाईबासा के छात्र अभिजीत दत्ता ने भी 483 अंक प्राप्त किया है।

पश्चिमी सिंहभूम जिला से 16 हजार 485 परीक्षार्थी मैट्रिक परीक्षा में शामिल हुए थे। इसमें से 13 हजार 256 बच्चे उत्तीर्ण हुए हैं। जिला का उत्तीर्ण प्रतिशत 80.41 रहा है। प्रथम श्रेणी में 6 हजार 392, द्वितीय श्रेणी में 6 हजार 171 और तृतीय श्रेणी से 693 बच्चे पास हुए। जबकि 3 हजार 224 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे हैं।

154 बच्चों का परीक्षा परिणाम लंबित रखा गया है। इसमें सानिया लोहरा व अभिजीत दत्ता जिला टॉपर हुए हैं। जबकि कार्मेल उच्च विद्यालय चक्रधरपुर के अनविक्षा सुंडी 481 अंक प्राप्त कर द्वितीय जिला टॉपर व पदमावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चाईबासा के ही चंद्रमोहन

सवैंया 480 अंक प्राप्त कर तृतीय टॉपर बने हैं।

जिला की मैट्रिक टॉपर सानिया लोहरा भविष्य में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहती है। सानिया ने कहा कि मेरी सफलता में पिता विकास लोहरा व माता लक्ष्मी लोहरा का पूरा योगदान है। पिता टोटो चालक हैं, वह दूसरों का टोटो चला कर अपना परिवार की जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। लेकिन पढ़ाई के लिए कभी समझौता नहीं किया।

पढ़ाई में जो भी किताब व सामनों की जरुरत होती थी, वह हमेशा पूरा करते थे। स्कूल में शिक्षकों का साथ मिला तो पिता ने ट्यूशन का पैसा देकर खूब मेहनत के लिए तैयार किया। रोजाना 4-5 घंटा की पढ़ाई पूरा ध्यान लगा कर करती थी।

मेरा शौक भी पढ़ाई करना है तो स्कूल के किताब के अलावा भी अच्छे किताबों को हमेशा पढ़ा करती हूं। गणित और विज्ञान विषय पढ़ने में बहुत अच्छा लगता है। जहां जरुरत होती थी, यूट्यूब से भी देखकर पढ़ाई को पूरा करते थे।

सानिया ने कहा कि हजारों संपन्न परिवार के बच्चों के बीच एक गरीब की बेटी सबसे अव्वल आयी है तो गर्व होता है कि पढ़ाई से हर मंजिल को आसानी से पाया जा सकता है।

जिला का मैट्रिक टॉपर अभिजित दत्ता की कहानी भी गुदड़ी के लाल से ही मेल खाती है। अभिजित दत्ता इंजीनियर बनने की चाहत रखता है। रोजाना 3 घंटा की लगन के साथ पढ़ाई करने वाला अभिजित ने कहा कि हम अमीर परिवार से नहीं है। पिता राजू दत्ता रेडिमेट दुकान में दिहाड़ी पर मजदूरी करता है। परिवार में आर्थिक स्थिति सही नहीं रहने के बावजूद कभी हार नहीं माने। स्कूल में पढ़ाए गए विषय को घर में आकर रोजाना दोहराते थे। पिता कम पैसा में भी कोई कमी नहीं रखी। किताब, कॉपी समेत अन्य सामान लाकर देते थे। शिक्षकों ने बहुत सहयोग किया। पढ़ाई के अलावा क्रिकेट खेलना पसंद है।

जूनियर बच्चों का संदेश है कि वह पढ़ाई पर अपना ध्यान दें। क्योंकि मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई ही जीवन की दिशा तय करती है। संयुक्त जिला टॉपर बनने पर एक चीज बहुत अच्छा लग रहा है कि दोनों कमजोर वर्ग के बच्चों ने अच्छा किया है।

कई बच्चों को बहुत अच्छी सुविधा पढ़ाई की मिलती है लेकिन वह वहां नहीं पहुंच पाये जहां हम पहुंचे हैं। मेहनत और लगन के बल पर हर मंजिल को आसानी के साथ पाया जा सकता है।

बेटियों का दिखा जलवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेरमो। जैक दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में बेरमो कोयलांचल के विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराया है। बोकारो जिला में टाप तीन में तीनों बच्चे बेरमो कोयलांचल के हैं, जिसमें दो छात्राएं हैं। जिले के 95.78 विद्यार्थी सफल रहे और बोकारो जिला राज्य में छठे स्थान पर रहा। कार्मल हाई स्कूल बोकारो थर्मल की छात्रा राज लक्ष्मी जिला टॉपर बनी है। राजलक्ष्मी ने 97.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

गणित और विज्ञान में 99 अंक, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान में 98 अंक तो हिंदी में 92 और संस्कृत में 91 अंक प्राप्त किए हैं।

वहीं, हाई स्कूल तारानारी की छात्रा स्वीटी कुमारी 96 प्रतिशत अंक लाकर सेकंड जिला टॉपर बनी है। उसे संस्कृत में 99, गणित में 98, हिंदी और सामाजिक विज्ञान में 95, अंग्रेजी में 93 और विज्ञान में 92 अंक प्राप्त किए हैं।

होसिर उच्च विद्यालय के छात्र अनिकेत प्रसाद 95.80 प्रतिशत अंक लाकर थर्ड जिला टॉपर बने। उसे अंग्रेजी में 98, गणित और सामाजिक विज्ञान में 96, विज्ञान में 95, हिंदी में 94 और संस्कृत में 89 अंक मिले हैं।

राजलक्ष्मी के पिता मनोज कुमार हजारीबाग जिला में एक सर्फ कंपनी में सप्लाई कर्मी हैं। राजलक्ष्मी ने बताया कि उन्होंने परीक्षा को लेकर उसने अलग से किसी प्रकार के ट्यूशन का सहारा नहीं लिया और खुद से ही तैयारी की। स्कूल में पढ़ाई के बाद उसका रिविजन कई बार घर पर किया, खासकर गणित और विज्ञान के सवालों को बेहतर तरीके से समझने के बाद ही उसका उत्तर लिखा।

राजलक्ष्मी बोकारो थर्मल में ही अपनी मां और दादा के साथ रहती है। उनके पिता हजारीबाग में काम करते हैं। राजलक्ष्मी का लक्ष्य आगे चलकर इंजीनियरिंग करने के साथ सिविस सर्विसेज में जाना है।

उन्होंने बताया कि तैयारी के दौरान मोबाइल से दूर रही। बताया कि ईमानदारी के साथ मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलेगी।

ट्रिपल मर्डर से सनसनी

- पत्नी और दो बच्चों की सिलबट्टे से कूचकर हत्या
- घटना के 10 घंटे के अंदर हत्यारोपित गिरफ्तार
- डेढ माह से मानसिक अवसाद से था ग्रसित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मैक्लुस्कीगंज। राजधानी रांची से लगभग 65 किमी दूर पर्यटन नगरी मैक्लुस्कीगंज के धमधमियां ढूब बस्ती में सोमवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की निर्मम हत्या कर दी।

आरोपी की पहचान रवि लोहरा के रूप में हुई है, जो वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया था जिसे खलारी डीएसपी आर एन चौधरी की तत्परता से घटना के लगभग 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, रवि लोहरा ने सोमवार रात लगभग 11 बजे अपनी 25 वर्षीय पत्नी रेणु देवी, सात वर्षीय पुत्र आरुष कुमार और चार वर्षीय पुत्री आरोही कुमारी की सिलबट्टे से निर्ममता से हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने से पहले आरोपी ने अपने व्यवहार से किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि का संकेत नहीं दिया था।

बताया जा रहा है कि आरोपी ने दिन में अपने बच्चों को सैलून ले जाकर उनके बाल कटवाए थे और शाम को परिवार के साथ सामान्य रूप से भोजन भी किया था।

रात लगभग 9:30 बजे परिवार सोने चला गया, लेकिन देर रात यह जघन्य घटना घटित हुई। रात लगभग 11:30 बजे मृतका की मां मंजरी देवी और छोटी बहन काजल, जो पास ही के घर में रहती हैं, जब शौच के लिए बाहर निकलीं, तो उन्होंने रेणु के घर का दरवाजा खुला देखा।

उन्हें आशंका हुई और जब वे कमरे के अंदर गईं, तो वहां का दृश्य देखकर स्तब्ध रह गईं। कमरे में रेणु देवी और उसके दोनों बच्चों के खून से लतपथ शव पड़े थे।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। खलारी डीएसपी आरएन चौधरी और मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और घटना में प्रयुक्त सिलबट्टा भी बरामद किया गया है।

डीएसपी आरएन चौधरी ने बताया कि आरोपी रवि लोहरा पिछले डेढ़ महीने से मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था और परिजनों ने हाल ही में उसका इलाज भी कराया था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

हाथियों के आतंक से सहमे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। आक्रामक जंगली हाथियों ने बानो में अलग-अलग क्षेत्र में दो लोगों की जान ले ली। पहली घटना महाबुआंग थाना क्षेत्र के बुरुइरगी डेबोटोली की की है। वहीं, दूसरी घटना बानो थाना क्षेत्र के पबुड़ा पंचायत के जमांग गांव की है। वहीं, गुमला में भी हाथी ने एक व्यक्ति की जान ले ली। तीन लोग हाथी के हमले में घायल हो गए।

महाबुआंग थाना क्षेत्र के बुरुइरगी डेबोटोली में घर के बाहर सोए विकास ओहदार को जंगली हाथी ने कुचलकर जान ले ली। घटना गुरुवार रात करीब 12:30 बजे की है। घटना की जानकारी सुबह परिजनों और ग्रामीणों को हुई। घटना की जानकारी वार्ड सदस्य संदीप समद एवं बेड़ाइरगी पंचायत की मुखिया हेलेना कंडुलना को दी गई। इसके बाद थाना और वन विभाग को भी इस घटना की सूचना दी गई। वन विभाग के कर्मी मनीष और सुरेश टेटे घटनास्थल पहुंचे और मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता राशि के रूप में 10 दस हजार रुपये दिए।

कोरोना तेजी से पसार रहा पांव

दूसरे प्रदेशों से आने वालों की होगी जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। देश में कोरोना तेजी से पांव पसार रहा है। वहीं, झारखंड में भी एक मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किया है। उन्होंने सभी सिविल सर्जनों को इससे निपटने को लेकर कोविड जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। ताकि संक्रमण के फैलाव होने से रोका जा सके।सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशानुसार उसका पालन किया जा रहा है। दूसरे राज्यों से आने वाले मरीजों पर नजर रखी जा रही है। खासकर उन राज्यों से आने वाले लोगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां पर कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के निदेर्शानुसार, पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी चिकित्सकों की छुट्टी रद कर दी गई है। वहीं, टाटा नगर स्टेशन, बस स्टैंड सहित अन्य जगहों पर भी कोरोना जांच शुरू होगी। ताकि बाहर से आने वाले संदिग्ध मरीजों की जांच की जा सके। वहीं, लोगों को भी इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। अगर, किसी भी मरीज में कोरोना के लक्षण नजर आए तो उसे नजरअंदाज नहीं करें। बल्कि नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर चिकित्सक से दिखाएं।

हालांकि, पूर्वी सिंहभूम जिले में अभी तक कोरोना के एक भी मामले सामने नहीं आएं हैं। फिर भी लोगों को अलर्ट रहने की जरूरत है। साथ ही, चिकित्सकों को भी निर्देश दिया जा रहा है कि अगर कोई संदिग्ध मरीज मिले तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दें। ताकि उसपर उचित कार्रवाई हो सके।

कोरोना के लक्षण में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, थकान और मांसपेशियों में दर्द, भूख में कमी, दस्त सहित गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हो सकती है।

झमाझम हुई बारिश ने किसानों को दी संजीवनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। रविवार को भीषण गर्मी के बाद जिला मुख्यालय सहित जिलेभर में सोमवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। इससे कड़ाके की धूप से लोगों को राहत मिली। गर्मी कम महसूस हुई।

तापमान में गिरावट भी आई। प्रातः ऐसा लग रहा था कि जोरदार बारिश होगी, लेकिन जिला मुख्यालय में देर शाम तक बारिश नहीं हुई।

पाकुड़िया, अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र में बारिश हुई। इससे लोगों को राहत मिली है। बारिश के कारण सब्जी उपजाने वाले किसानों को काफी लाभ पहुंचेगा।

सोमवार सुबह से ही प्रखंड क्षेत्र में सूर्यदेव की प्रचंडता ने धरती को तपाया। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

दिनभर की तपिश और शाम की उमस ने जनजीवन को कष्टप्रद बनाया, लेकिन दोपहर बाद चार बजे प्रखंड क्षेत्र में करीब एक आधे घंटे तक हुई बारिश ने लोगों को राहत दी। प्रखंड क्षेत्र में बेमौसम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

प्रखंड क्षेत्र में सोमवार की शाम बादलों की गर्जना के बीच हल्की बारिश हुई, इससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई। मौसम सुहाना हो गया। बेमौसम बरसात से खेती-किसानी से जुड़े लोगों को भी काफी फायदा पहुंचने वाली है।

दरअसल, वर्तमान समय में खेतों में किसानों ने सब्जी की फसल लगाई है, जो गर्मी के कारण झुलसने के कगार पर पहुंच चुकी थी।

किसान रंजीत मंडल, सुभाष मंडल, एंथोनी मुर्मू आदि ने बताया कि वर्तमान में उनके खेतों में झींगा, करैला, नेनुआ, बैगन, पुनका साग, टमाटर, कद्दू आदि अन्य विभिन्न प्रकार की सब्जी की फसल लगी है। इस समय पानी की सख्त आवश्यकता थी।

तीन घंटे की बारिश से 40 वर्षों बाद मोरहर नदी में आई बाढ़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड में जेठ महीने की दोपहर एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जिसने कई बुजुर्गों की यादें ताजा कर दी। दोपहर करीब दो बजे से शुरू हुई मूसलधार वर्षा ने लगातार तीन घंटे तक अपना असर दिखाया। सूखी पड़ी मोरहर नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ गया, जो कौरा, भरही, मथुरापुर समेत कई गांवों के लोगों के लिए हैरत और चिंता का कारण बना। स्थानीय निवासियों के अनुसार, जेठ महीने में ऐसी बारिश और नदी का बहाव पिछले 40 वर्षों में नहीं देखा गया। कौरा गांव के निवासी कल्याण शर्मा ने कहा, नदी में अचानक पानी भर आया है। जेठ में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। यह बदलाव मौसम की गंभीरता का संकेत है।

भरही के अजमतउल्लाह रिजवी ने बताया कि उन्होंने बुजुर्गों से सुना था कि पहले के जमाने में भी जेठ में बारिश होती थी, लेकिन अब उन्होंने खुद देखा कि किस तरह नदी ने रफ्तार पकड़ी। मौसम का मिजाज अब भरोसे लायक नहीं रहा।

मथुरापुर के बिनोद पाठक ने कहा कि बारिश अच्छी हुई है, जिससे खेतों को नमी मिली है। लेकिन मोरहर का जलस्तर बढ़ने से यह स्पष्ट है कि हमें चौकस रहने की आवश्यकता है। यदि ऐसी बारिश सावन और भादो में भी हुई, तो गांवों के किनारे खतरे में आ सकते हैं।

गौरतलब है कि बारिश से खेतों को फायदा हुआ है, और कई वर्षों बाद मई में मिट्टी में नमी लौट आई है। हालांकि, जलस्तर में यह अचानक वृद्धि जलवायु परिवर्तन की ओर भी इशारा करती है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि असमय और अत्यधिक वर्षा की घटनाएं अब सामान्य होती जा रही हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में जल प्रबंधन को लेकर नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवातीय दबाव के कारण यह बारिश हुई है, और अगले दिनों में और बारिश की संभावना है।

फिर सुर्खियों में आया झारखंड में शराब घोटाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में शराब घोटाला एक बार फिर सुर्खियों में है, जिसमें बड़े राज्यों के शराब माफिया, सरकारी अधिकारियों और एक शक्तिशाली सिंडिकेट की मिलीभगत ने राज्य के खजाने को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया।

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ताजा कार्रवाई ने इस घोटाले की परतें खोल दी हैं, जिसमें प्लेसमेंट एजेंसी के एक प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है।

नीरज पर आरोप है कि वह शराब-बीयर की हर बोतल पर अधिकतम मूल्य (एमआरपी) से अधिक की होने वाली अवैध वसूली का पैसा ऊपर तक पहुंचाने का काम करता था।

जुटाए गए धन की वसूली का प्रमुख किरदार अंशु नामक युवक है, जो उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव मनोज कुमार का करीबी संबंधी (साला) बताया जा रहा है।

अंशु को हर माह नीरज के जरिए 50 लाख रुपये पहुंचाता रहा। अवैध वसूली की कमाई से उसके रहने का तौर-तरीका बदल चुका है। कभी दो पहिया वाहन पर घूमने वाला अंशु अब कीमती गाड़ियों का उपयोग करता है।

एसीबी की जांच में सामने आया है कि यह शराब सिंडिकेट शराब की अधिकतम खुदरा कीमत से अधिक वसूली को संरक्षण दे रहा था। इस सिंडिकेट में झारखंड के साथ-साथ अन्य राज्यों के शराब माफिया भी शामिल हैं, जो संगठित रूप से अवैध कारोबार चला रहे थे।

एसीबी की कार्रवाई का बढ़ेगा दायरा

नीरज कुमार सिंह इस नेटवर्क का केवल एक छोटा हिस्सा है, जिसका काम वसूली का पैसा अंशु जैसे प्रभावशाली लोगों तक पहुंचाना था। अंशु को इस सिंडिकेट का बॉस माना जा रहा है, जिसके बिना कोई बड़ा निर्णय नहीं होता।

प्रमुख अधिकारी का संबंधी होने के कारण कोई उसका विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। एसीबी अब इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाने की तैयारी में है और इस क्रम में जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

इस घोटाले का एक अन्य पहलू एक खास बीयर कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने का है। जांच से पता चला है कि इस कंपनी की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए अन्य बीयर आपूर्तिकताओं को रोका गया और इसकी बिक्री को 10 पेटी से 50 हजार पेटी तक बढ़ा दिया गया।

इसमें शराब सिंडिकेट के प्रशांत नामक व्यक्ति की अहम भूमिका रही। प्रशांत उक्त बीयर कंपनी से संबद्ध है, जिसके सरकारी अधिकारियों से गहरे संबंध हैं। बदले में इस बीयर कंपनी ने अधिकारियों को खूब लाभ पहुंचाया।

इस बीयर की गुणवत्ता को लेकर भी कई शिकायतें थीं, लेकिन शराब दुकानदारों ने सिंडिकेट के दबाव में इसे बढ़ावा देना जारी रखा।

पड़ताल में यह भी खुलासा हुआ कि जांच की जद में आ चुके एक अधिकारी ने इस बीयर कंपनी को स्थापित करने में मदद की थी, जिससे इस घोटाले में प्रशासनिक संलिप्तता की गहरी परतें उजागर हुई हैं।

एसीबी की कार्रवाई में अब तक पांच लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनमें वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे, संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह, झारखंड स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के पूर्व जीएम सुधीर कुमार, वर्तमान जीएम सुधीर कुमार दास और नीरज कुमार सिंह शामिल हैं।

इन पर फर्जी बैंक गारंटी और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के जरिए सरकारी राजस्व को नुकसान का आरोप है।

एसीबी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्लेसमेंट एजेंसियों मार्शन इनोवेटिव सिक्योरिटी सर्विसेज और विजन हॉस्पिटैलिटी ने फर्जी बैंक गारंटी जमा कर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया।

इन एजेंसियों को शराब दुकानों के लिए मैनपावर आपूर्ति का ठेका दिया गया था, लेकिन इनके द्वारा जमा गारंटी राशि की वसूली के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया, जिससे यह साजिश और गहरी हो गई।

शराब के अधिकतम मूल्य से ज्यादा की वसूली के सिंडिकेट की परत खुलने से एसीबी जांच का दायरा और बढ़ेगा और इसकी जद में सिंडिकेट के सदस्य और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारी-कर्मी आएंगे।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं. : ईएलआईएन/टीआरएस/रेट्रो फिटमेंट/कैब एसी/25–26/01, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए **वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, इलेक्ट्रिक लोको शेड, इस्पातनगर, झारखंड–** 827010 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा **सं. ईएलआईएन–टीआरएस–रेट्रो–फिटमेंट–एसी** के तहत ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नामः** इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में कैब के थर्मल इन्सुलेशन के प्रावधान के साथ एयर कंडीशनिंग सिस्टम का रेट्रो फिटमेंट। **मात्राः** निविदा कागजात की अनुसूची के अनुसार। **शेड का नाम/स्थलः** इलेक्ट्रिक लोको शेड/इस्पातनगर, दक्षिण पूर्व रेलवे। **निविदा मूल्यः** रु. 1,23,51,073/–, **बयाना राशिः** रु. 2,11,800/–, **अनुबंध की अवधिः** 12 माह। **निविदा कागजात का मूल्यः** शून्य। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 24.06.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण ई–निविदा पोर्टल पर उपलब्ध है और आईआरईपीएस वेबसाइट का यूआरएल **www.ireps.gov.in** है। **(PR-208)**

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/674, दिनांकः 26.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं. : ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3384–आर 1, कार्य का नाम :(1)** "वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा के अधीन हावड़ा मंडल के तहत हरिणसिंह गुड्स शेड का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण" के लिए विद्युत सामान्य कार्य। **(2)** "वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा के अधीन हावड़ा मंडल के तहत पिनरगड़िया गुड्स शेड का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण" के लिए विद्युत सामान्य कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 1,62,83,162/– **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु. 2,31,400/–, **समापन अवधिः** 180 दिन। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 17.06.2025 को 15.00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/ हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।

HWH-102/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
राउरकेला इस्पात संयंत्र
राउरकेला – 769011 (ओडिशा), भारत

Great Place To Work. Certified

संदर्भ संख्या : सी.एस.आ./2025-26/78 — दिनांक :13.05.2025

सूचना

सेल/राउरकेला इस्पात संयंत्र के वियुक्त हुए कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों को गरिमामयी, स्वस्थ, सुरक्षित और अच्छी गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए राउरकेला इस्पात संयंत्र ने राउरकेला में वरिष्ठ नागरिक सेवा गृह 'सक्षम' की स्थापना की है। निम्नलिखित पात्रता मानदंड रखने वाले वरिष्ठ नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

1. आवेदकों के लिए अनिवार्य है :

i. आवेदनकर्ता सेल/राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) या सेल की अन्य इकाइयों का पूर्व कर्मचारी अथवा पूर्व कर्मचारी का जीवनसाथी होना चाहिए।

ii. आवेदकों की न्यूनतम आयु 60 वर्ष होना चाहिए। पूर्व कर्मचारियों की विधवाओं की न्यूनतम आयु 55 वर्ष की होनी चाहिये।

iii. आवेदक शारीरिक/मानसिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए।

iv. आवेदक किसी भी संक्रामक/संचारी/प्रसार्य रोग से पीड़ित न हो।

v. चयनित होने की स्थिति में, आवेदनकर्ता राउरकेला के आसपास कोई वैकल्पिक निवास (किराए का, स्वयं का, लीज पर, लाइसेंसी इत्यादि) में निवास नहीं करेगा। यदि वर्तमान में वैकल्पिक निवास है (अर्थात सक्षम में कमरा ग्रहण करने से पूर्व), तो नियमानुसार आवश्यक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी।

2. प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजः

क. आवेदक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित आवेदन पत्र।

ख. वचनपत्र हस्ताक्षरित हो (आवेदन पत्र सेट के साथ संलग्न हो)।

ग. सेवा प्रमाण पत्र/सेवानिवृत्ति आदेश की स्वयं सत्यापित प्रतियाँ।

घ. आवेदन पत्र के साथ स्वयं और पति/पत्नी के वैध मेडिकल कार्ड, आधार कार्ड और मेडिक्लेम पॉलिसी की स्वयं-सत्यापित प्रतियाँ।

ङ. आवेदक की दो पासपोर्ट आकार की फोटो।

च. नवीनतम नियमों एवं शर्तों के बिंदु संख्या 11, 12 एवं 14 को सम्मिलित करते हुए शपथपत्र।

छ. उपरोक्त बिंदु '1.V' के लिए पृथक घोषणा-पत्र।

आवेदन पत्र, दिशा-निर्देश, नियम एवं विनियम महा प्रबंधक प्रभारी (सी.एस.आर.), आई.पी.डी. बिल्डिंग, सेक्टर-20, राउरकेला-769005/आर.एस.पी. पोर्टल/संपर्क पोर्टल/सेल वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। संपर्क नंबर: **8895500038, 8895504367 और 9861075575, ई-मेल आई.डी.:** adityanarayan.pati@sail.in.

आवेदन पत्र विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 45 दिनों के भीतर महा प्रबंधक प्रभारी (सी.एस.आर.), आई.पी.डी. भवन, सेक्टर-20, राउरकेला – 769005 के कार्यालय में पहुँचना चाहिए।

महा प्रबंधक प्रभारी (सी.एस.आर.)

पंजीकृत कार्यालयः इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454, Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

CBC 40109/12/0001/2526

बीसीसीआई मनाएगा ऑपरेशन सिंदूर का जश्न

आईपीएल फाइनल के लिए तीनों सेनाओं के प्रमुखों को किया आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों को सलामी दी जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक मीडिया बयान में यह घोषणा की। सैकिया ने कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा की और उसे प्रेरित किया। सैकिया ने कहा, 'उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जबकि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है लेकिन हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़ा कुछ भी नहीं है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी थल सेना प्रमुख हैं जबकि एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी नौसेना प्रमुख हैं। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह वायुसेना प्रमुख हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा हत्या के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। आतंकी हमले में मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे। जवाबी कार्रवाई के कारण दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव हुआ था जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध पर अपने अभियान को रोकने पर सहमति जताई थी।

पंजाब किंग्स से हार हमारे लिए चेतावनी की तरह है: रेयान रिकेल्टन

जयपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने स्वीकार किया कि पंजाब किंग्स से सात विकेट की हार एक चेतावनी की तरह है लेकिन उन्हें विश्वास है कि पांच बार की चैंपियन टीम में आईपीएल एलिमिनेटर जीतने के लिए जरूरी क्षमता है। मुंबई ने सोमवार को पंजाब

के खिलाफ अपने अंतिम लीग मैच में हारकर शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका गंवा दिया। इस हार के बाद अब उसे गुरुवार को एलिमिनेटर में उतरना होगा, जहां उसका सामना गुजरात टाइटन्स या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। रिकेल्टन ने मैच के बाद कहा, 'हमें इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। इसलिए यह हमारे लिए एक चेतावनी की तरह है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि नॉकआउट से पहले मुंबई को कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। रिकेल्टन ने कहा, 'यह अंत नहीं है। ईमानदारी से कहूं तो टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है, हमें सिर्फ बल्ले, गेंद और क्षेत्ररक्षण में कुछ चीजों में और बेहतर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एलिमिनेटर जीतने के लिए कौशल और अच्छे खिलाड़ी हैं। हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अगले मैच में दमदार प्रदर्शन करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की टाइमिंग से महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव वॉ हैरान, करियर को लेकर दी खास सलाह

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में सनसनी फैलाने वाले 14 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी की शानदार टाइमिंग से हैरान आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ ने उन्हें 'सुपरनोवा बनने से बचते हुए नियंत्रण पर फोकस करने की सलाह दी है। वॉ नियमित रूप से आईपीएल नहीं देखते हैं लेकिन उन्होंने सूर्यवंशी को शानदार खिलाड़ी बताते हुए कहा कि उसे अपने पैर जमीन पर रखने होंगे। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक जमाया जो टूर्नामेंट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। वॉ ने जियो स्टार पर कहा, '14 साल की उम्र में उस पर कोई दबाव नहीं है। वह पूरी आजादी के साथ खेल रहा है जिसे देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसके सामने चुनौती नियंत्रण बनाए रखने की होगी।

वॉ का मानना है कि एक करोड़ से अधिक का आईपीएल करार पा चुके सूर्यवंशी 16 वर्ष के होने से पहले करोड़पति होंगे और उन पर अपेक्षाओं का काफी दबाव होगा। उन्होंने कहा, 'क्या वह इसी उत्साह से खेल सकेगा, इसी आजादी से बल्लेबाजी करेगा ? यह एक चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'उसके पास कौशल है और वह मानसिक रूप से मजबूत है। आप चाहते हैं कि उसके जैसा बल्लेबाज कामयाब हो। क्रिकेट के लिए यह शानदार कहानी है। मैं आईपीएल ज्यादा नहीं देखता लेकिन इस तरह का कोई खिलाड़ी आता है तो देखने का मन करता है। भारत में हर नए

बल्लेबाजी स्टार की तुलना सचिन तेंदुलकर से की जाती है लेकिन वॉ ने कहा कि सूर्यवंशी या किसी की भी तुलना उनसे नहीं होनी चाहिये क्योंकि तेंदुलकर जैसी प्रतिभा बार बार नहीं आती। पर्थ में 1991-92 में 18 वर्ष के तेंदुलकर की 114 रन की पारी आज भी याद की जाती है। वॉ ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि सचिन तेंदुलकर से किसी की भी तुलना हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया में आकर पर्थ में शतक जड़ना जो दुनिया की सबसे कठिन पिचों में से है और जहां अधिकांश खिलाड़ी जूझते नजर आते हैं। उन्होंने कहा, 'पर्थ में इतनी कम उम्र में शतक लगाना हैरानी भरा था। सचिन तेंदुलकर जैसा दूसरा आसानी से नहीं मिल सकता।

आईपीएल 2025:

54 करोड़ के इन 5 खिलाड़ियों ने बिगाड़ा KKR का खेल, अगले सीजन में छुट्टी तय!

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आईपीएल 2025 सीजन बेहद निराशाजनक रहा. बड़ी-बड़ी उम्मीदों और मशहूर खिलाड़ियों से सजी टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई. 2024 की चैंपियन टीम ने इस बार अपने फैंस को निराश किया. लीग के आखिरी मुकाबले में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गेंदबाज़ों ने बेहद खराब प्रदर्शन किया और 278 रन लुटा दिए. अब टीम ऐसे मोड़ पर आ चुकी है, जहां कड़े फैसले लेने की ज़रूरत है. कई महंगे खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और टीम को कोई खास फायदा नहीं दिला पाए. अगले सीजन के लिए तैयारी करते हुए ण्ठ्ठक्रको कुछ खिलाड़ियों को बिना किसी हिचकिचाहट के रिलीज़ कर देना चाहिए. यहां ऐसे 5 खिलाड़ी हैं जिन्हें ण्ठ्ठक्र को अगले सीजन से पहले छोड़ देना चाहिए. कोलकाता ने इन 5 खिलाड़ियों पर कुल करीब 54 करोड़ की मोटी रकम खर्च की लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा.

1. वेंकटेश अय्यर - 23.75 करोड़ कीमत, लेकिन...

वेंकटेश अय्यर को कोलकाता ने करीब 24 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ जोड़ा. लेकिन उनका प्रदर्शन न तो बल्ले से अच्छा रहा और न ही गेंदबाजी में उन्होंने अच्छा योगदान दिया. अय्यर एक भी मैच में छाप छोड़ने में नाकाम रहे. टीम को उनकी भूमिका के बारे में सोचना होगा. अय्यर ने 11 मैच में केवल 160 रन ही बनाए.

2. आंद्रे रसेल- एक वक्त में आंद्रे रसेल का नाम ही विरोधी टीमों में डर पैदा कर देता था, लेकिन अब वह दौर खत्म हो चुका है. इस सीजन में उन्होंने सिर्फ 167 रन बनाए और 8 विकेट लिए. 11 करोड़ में वो ना तो फिट रहे और ना ही फॉर्म में.

3. रिंकू सिंह - 2023 का हीरो, 2025 में फ्लॉप -रिंकू सिंह को 13 करोड़ में रिटेन किया गया था, लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बहुत ही औसत रहा. सिर्फ 197 रन बनाए और अहम मौकों पर फेल हो गए. एक अच्छे सीजन के दम पर बार-बार मौका देना अब समझदारी नहीं है.

4. क्विंटन डी कॉक - डी कॉक ने पूरे सीजन में एक ही शानदार पारी खेली. राजस्थान के खिलाफ उनके बल्ले से 97 रन आए. लेकिन इसके बाद वो बुरी तरह फ्लॉप रहे. सिर्फ 143 रन बनाए. वहीं रहमानुल्लाह गुरबाज़ ज्यादा लचीलापन दिखा रहे हैं. ऐसे में डी कॉक को रिलीज़ करना सही रहेगा. क्विंटन पर कोलकाता ने 3 करोड़ से ज्यादा की रकम खर्च की.

5. मोईन अली - इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर को ण्ठ्ठक्र ने टीम में शामिल किया, लेकिन उन्होंने निराश किया. गेंदबाज़ी थोड़ी ठीक रही, लेकिन बल्लेबाज़ी में उनका कोई खास योगदान नहीं रहा. उम्र भी बढ़ चुकी है और केकेआर को अब नए विकल्प तलाशने होंगे. मोईन अली को कोलकाता ने 2 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ जोड़ा.

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक

जयपुर, एजेंसी। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग।

हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को तड़के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया।

उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही रिकी सर और श्रेयस का मुख्य आदर्श वाक्य रहा है कि हमें एक नई संस्कृति को विकसित करना है और उसे बनाए रखना है। हमें एक दूसरे पर पूरा भरोसा रखना है और फिर परिणाम खुद ही अनुकूल आएंगे। रिकी सर्वश्रेष्ठ कोच हैं। उन्होंने हमारी मानसिकता और विश्वास को बदल दिया है। खेल के प्रति हमारे नजरिए को बदलने का श्रेय उन्हें दिया जाना चाहिए।

आईपीएल एलिमिनेटर खेलने से पहले मुंबई इंडियंस इन बातों को चाहेगी भूलना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 (सीजन 18) में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस की शुरुआत भले ही कमजोर रही, लेकिन जसप्रीत बुमराह की वापसी ने टीम में नई जान फूंक दी। एक समय अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों के लिए प्रबल दावेदार मानी जा रही मुंबई इंडियंस को सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने तय कर दिया कि अब मुंबई को प्लेऑफ में एलिमिनेटर मैच खेलना होगा। इतिहास गवाह है कि मुंबई इंडियंस ने पहले चार बार एलिमिनेटर मैच खेले हैं, लेकिन हर बार फाइनल तक का सफर पूरा नहीं कर पाई। क्या इस बार हार्दिक की कप्तानी में यह टीम इतिहास बदल पाएगी?

आईपीएल का प्लेऑफ फॉर्मेट - आईपीएल में 10 टीमें हिस्सा लेती हैं, और अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करती हैं। इनमें से शीर्ष दो टीमें (टॉप-2) को फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलते हैं। अगर वे क्वालीफायर-1 हार भी जाएं, तो क्वालीफायर-2 में उनके पास एक और मौका होता है। इस सीजन में पंजाब किंग्स ने टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों को खिताब जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं। इन दोनों के बीच एलिमिनेटर मैच होता है, जिसमें हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाती है, और जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में प्रवेश करती है। मुंबई इंडियंस के अलावा अभी यह तय नहीं है कि एलिमिनेटर में उनकी विपक्षी टीम कौन होगी।

मुंबई इंडियंस का प्लेऑफ इतिहास - हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस पहली बार प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने पांच बार (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) आईपीएल खिताब अपने नाम किया है। मुंबई ने कुल 10 बार प्लेऑफ में जगह बनाई है, जिसमें से पांच बार टॉप-2 में रहकर खिताब जीता। सबसे पहले 2010 में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में मुंबई फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने उसे हरा दिया। इसके अलावा 2011, 2012, 2014 और 2023 में भी मुंबई प्लेऑफ में पहुंची, लेकिन इन सीजनों में तीसरे या चौथे स्थान पर रहने के कारण एलिमिनेटर खेलना पड़ा। इन चार मौकों पर मुंबई कभी भी फाइनल तक नहीं पहुंच सकी।

अल नासर छोड़ रहे हैं दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो!

अब किस टीम की पहन सकते हैं जर्सी?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर अल-नासर छोड़ने का संकेत दिया है, जिससे पूरे फुटबॉल जगत में हलचल मच गई है। क्लब के सऊदी प्रो लीग के आखिरी मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल किया। लेकिन अल नासर, अल-फतेह से उस मैच में 3-2 से हार गई। गोल करने के एक घंटे से भी कम समय के बाद 40 वर्षीय खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। रोनाल्डो का सऊदी क्लब के साथ अनुबंध 30 जून, 2025 को समाप्त होने वाला है। अब, इस स्टार फुटबॉलर के पोस्ट के बाद फैंस उनके अगले मूव के बारे में कयास लगा रहे हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शेयर की गई अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह चैप्टर खत्म हो गया। कहानी? अभी लिखी जा रही है। सभी का आभारी हूं। उनके इस कैप्शन से एक ही मतलब निकल रहा है कि अल नासर के साथ उनकी जर्नी समाप्त हो गई है। कोई नई डील न होने के कारण, इस फुटबॉल आइकन का भविष्य अनिश्चित है। हालांकि, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में 1,000 गोल पूरे होने तक खेलने का वादा किया है (वह वर्तमान में 940 के करीब हैं) और वह अभी संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। वह अब किस क्लब के लिए खेलेंगे अभी तय नहीं हुआ है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत, कार्लसन की सटीकता के आगे गुकेश को मिली हार

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद शानदार रही। पहले ही दिन खेले गए मुकाबले बहुत रोमांचक थे। यह टूर्नामेंट इस साल का सबसे प्रतीक्षित शतरंज मुकाबला माना जा रहा है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोम्मराजू के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने आखिरी चरण में अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया। समय की कमी के कारण गुकेश से एक चूक हो गई, और कार्लसन ने खेल को अपने पक्ष में सटीक रूप से समाप्त किया। एक और दिलचस्प मुकाबला अमेरिका के दो दिग्गजों, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना के बीच हुआ। नाकामुरा ने खेल के दौरान ड्रॉ (बराबरी) का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कारुआना ने उसे ठुकरा दिया। अंत में नाकामुरा ने काले मोहरों से खेलते हुए यह मैच जीत लिया। वेई यी और अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ, जो ड्रॉ रहा। इसके बाद 'आर्मागेडन' नामक दमदार गेम हुआ, जिसमें अर्जुन ने वेई यी के दबाव को अच्छे से झेला और जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भी जबरदस्त मुकाबले हुए। भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की इकलौती निर्णायक जीत दर्ज की।

शुभमन गिल को आधे घंटे तक गौतम गंभीर को मनाना पड़ा, इंग्लैंड के लिए मुश्किल से हुआ इस खिलाड़ी का...

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन कर दिया गया है. भारत की 18 सदस्यीय टेस्ट टीम की कमान इस बार उसके नए कप्तान शुभमन गिल के हाथों में है. बतौर कप्तान शुभमन गिल भी उस मीटिंग का हिस्सा थे, जहां टीम चुनी गई. बहरहाल, अब ये खबर आ रही है कि जिन 18 खिलाड़ियों को चुना गया है, उनमें से एक के सेलेक्शन को लेकर गौतम गंभीर खिलाफ थे. उस खिलाड़ी का सेलेक्शन बड़ी मुश्किल से इंग्लैंड दौरे की टीम इंडिया में हुआ है. उसके लिए गिल को गंभीर को राजी करने में पापड़ बेलने पड़े हैं. उन्होंने तकरीबन आधे घंटे तक समझाया है, तब जाकर हेड कोच गौतम गंभीर उस खिलाड़ी को लेने को तैयार हुए.

इस खिलाड़ी के सेलेक्शन पर गिल-गंभीर में थी ठनी! - अब आप सोच रहे होंगे कि वो खिलाड़ी है कौन? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस खिलाड़ी को लेकर गौतम गंभीर और शुभमन गिल में ठन गई थी, उनका साई सुदर्शन है. हालांकि, ये थोड़ा समझ से परे भी है कि गंभीर, उनके चुने जाने के खिलाफ क्यों थे? वो भी तब जब उनका प्रदर्शन ही नहीं अच्छा है बल्कि उनके पास इंग्लैंड की

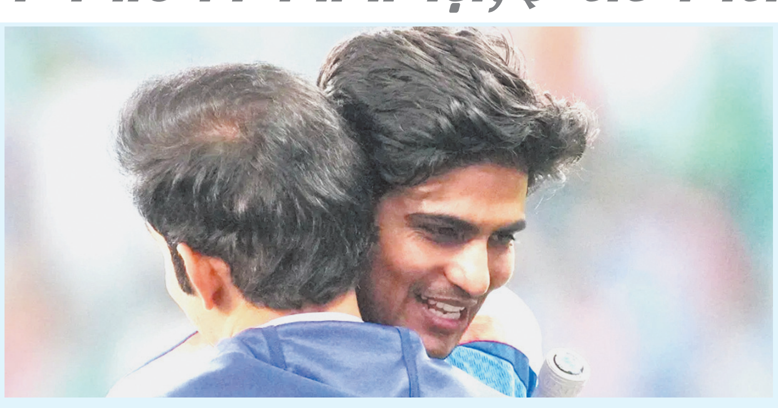

काउंटी क्रिकेट में खेलने का अनुभव भी हैं.

शुभमन गिल के मनाने पर माने गंभीर! - क्रिकब्लॉगर ने लिखा कि गौतम गंभीर खुद भी एक बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे हैं, बावजूद इसके उनका साई सुदर्शन के लिए मना करना समझ से परे रहा. साई सुदर्शन के नाम की दुनिया भर के क्रिकेटर वकालत कर रहे थे, मगर लगता है गंभीर का प्लान कुछ और ही था. बहरहाल, शुभमन गिल ने आखिरकार उन्हें अपना इरादा बदलने पर मजबूर किया और फिर साई सुदर्शन को चुना गया.

तीसरे ओपनर हो सकते हैं साई सुदर्शन - टीम इंडिया में साई सुदर्शन का सेलेक्शन ओपनिंग स्लॉट के लिए हुआ है. ऐसा माना जा रहा है कि वो टीम के तीसरे ओपनर होंगे. साई सुदर्शन के सेलेक्शन में उनके आईपीएल और रणजी के प्रदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वो आईपीएल 2025 में फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में एक हैं. जबकि उन्होंने 2024-25 के रणजी सीजन में 76 की औसत से रन बनाए हैं, जि,समें एक डबल सेंचुरी भी हैं.

संक्षिप्त समाचार

जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि- सोनिया, राहुल और खड़गे ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली स्थित शांति वन में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। सशक्त और समावेशी भारत का सपना लिए, नेहरू ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी। सामाजिक न्याय, आधुनिकता, शिक्षा, संविधान और लोकतंत्र की स्थापना में उनका योगदान अमूल्य है। हिंद के जवाहर की विरासत और उनके आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, भारत को शून्य से शिखर तक पहुंचाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने वाले, देश को निरंतर 'विविधता में एकता' का संदेश देने वाले, हमारे प्रेरणास्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

सचिन पायलट ने उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए लिखा, देश की स्वतंत्रता से लेकर एक आधुनिक, सशक्त और प्रगतिशील भारत के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का अतुलनीय योगदान राष्ट्र सदैव कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा। उनकी दूरदर्शिता, विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी पुण्यतिथि पर मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने लिखा, आधुनिक भारत के सबसे ऊंचे स्तंभों में से एक हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। स्वतंत्रता संग्राम के लिए और हमारे राष्ट्र को खंडहरों से निकालकर एक आत्मनिर्भर, लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण गणराज्य बनाने में उनके अपार समर्पण और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा, चाहे उनके विरोधी कुछ भी करें। पंडित नेहरू हमेशा स्वतंत्रता, समानता और सामाजिक उत्थान के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के पक्षधर रहे, जो भारत के संविधान के साथ-साथ उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा बनाए गए कई मौलिक कानूनों में भी परिलक्षित होते हैं।

त्रिकाल नाम के शराब पर अयोध्या के साधु-संत आक्रोशित, की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। रेडिको खेतान कंपनी के त्रिकाल नाम के शराब को मार्केट में लाने पर साधु-संतों और धर्म गुरुओं में आक्रोश है। अयोध्या के साधु-संतों ने केंद्र सरकार से कंपनी पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अयोध्या से जगतगुरु परमहंस आचार्य ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, मदिरा के लिए सनातन के नाम का उपयोग करना अत्यंत निंदनीय है। इसलिए इस कंपनी को एक सनातन धर्माचार्य होने के नाते मैं सुझाव और चेतावनी दोनों दे रहा हूं कि इसमें संशोधन करके नाम में बदलाव करें। पैसा कमाने के लिए सनातन को बदनाम करना बर्दाश्त के बाहर है। कहीं ऐसा न हो कि यह कंपनी के लिए उल्टा पड़ जाए। अयोध्या धाम से सीताराम दास ने शराब कंपनी की निंदा की। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करूंगा कि ऐसी कंपनी जो हमारे सनातन धर्म पर कुठाराघात करने का काम कर रही है, सनातन के नाम पर अधर्म करने का जो प्रयास किया गया, उसे चिह्नित करके कठोर से कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

दिल्लीवालों को अब सरकारी काम के लिए भटकना नहीं होगा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में सभी नव नियुक्त जिला विकास समिति (डीडीसी) अध्यक्षों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिले में मिनी सचिवालय बनाने की घोषणा की गई, जहां एक छत के नीचे दिल्लीवालों को सभी सुविधाएं मिलेंगी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सेवा में संवेदनशील प्रशासन की स्थापना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला कार्यालय सरकार का आम जनता से जुड़ा सबसे नजदीकी और सक्रिय चेहरा होता है। इसीलिए वहां पर कार्यप्रणाली को सुधारना अत्यंत आवश्यक है।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य ऐसा शासन तंत्र विकसित करना हैं जो पारदर्शी हो और नागरिकों के प्रति संवेदनशील हो। हम संवेदनशील और सेवा-भाव से युक्त प्रशासन बनाना चाहते हैं।

अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे

बैठक में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी जिलों में 'मिनी सचिवालय' स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन सचिवालयों में जिलास्तर पर ही राजस्व, प्रमाण पत्र, पंजीकरण, लाइसेंस, जन शिकायत निवारण आदि सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। इससे जनता को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और अधिकांश सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में उपयुक्त भूमि की पहचान कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन मिनी सचिवालयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा।

शिकायत और सुझाव पेटियों की स्थापना

जन शिकायत निवारण को लेकर मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अब जिलाधिकारी कार्यालयों, उप जिलाधिकारी और उप-पंजीयक कार्यालयों में शिकायत और सुझाव पेटियां लगाने का काम शुरू हो गया है। सोमवार को बैठक के दौरान सीएम के सामने शिकायत पेटी भी दिखाई गई। जिलाधिकारी कार्यालयों में जहां यह शिकायत पेटी लगाई जाएगी, वहां सीसीटीवी से इसकी निगरानी की जाएगी। इन शिकायतों की निगरानी और कार्रवाई स्वयं मुख्यमंत्री कार्यालय करेगा, जिससे किसी भी शिकायत की अनदेखी न हो।

डीडीसी की बैठकों में अफसरों की उपस्थिति अनिवार्य

बैठक में जिला विकास समितियों (डीडीसी) के अध्यक्षों ने शिकायत की कि अधिकारी बैठकों में नहीं आते हैं। इसपर सीएम ने घोषणा की कि अब से सभी जिला विकास समिति बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। कोई भी अधिकारी बिना उचित कारण के अनुपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में पकड़े गए जासूस जवान की पहलगाम में ही थी पोस्टिंग, हमले से 6 दिन पहले ही लौटा

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़े गए सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) का जवान हमले से ठीक पहले तक पहलगाम में ही तैनात था। 22 अप्रैल को हुए हमले से 6 दिन पहले ही उसका ट्रांसफर हुआ था। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। आरोपी असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मोती राम जाट को सोमवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

मोती राम जाट पहलगाम में सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन में तैनात था। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के मुताबिक आरोपी पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को गोपनीय सूचनाएं दे रहा था। वह 2023 से ही पैसों के बदले देश के साथ गद्दारी कर रहा था। उसने पाकिस्तान को भारतीय सुरक्षा बलों की ऑपरेशनल जानकारी, मूवमेंट के तरीके और अहम सैन्य ठिकानों का लोकेशन भेज चुका था।

गिरफ्तारी के बाद जवान को बर्खास्त कर दिया गया है। एनआईए के अधिकारी जासूसी के आरोपी जवान से पूछताछ में जुटे हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह क्या-क्या गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को दे चुका था और पाकिस्तान में किन-किन लोगों से संपर्क में था। वह कैसे पाकिस्तान का मोहरा बना यह भी पता लगाया जा रहा है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मार डाला था। मृतकों में अधिकतर हिंदू थे।

सीआरपीएफ के एक बयान के अनुसार जाट केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर अपनी

सोशल मीडिया एक्टिविटी की वजह से आया। सीआरपीएफ की ओर से बताया गया कि जाट को आगे की जांच के लिए एनआईए के हवाले कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, इसके साथ ही, सीआरपीएफ नियमों के साथ संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत इस व्यक्ति को 21 मई से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

आरोपी को दिल्ली की एक विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 6 जून तक के लिए हिरासत में भेज दिया है।

गरीबी बचने का जरिया नहीं;पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को दिल्ली हाई कोर्ट ने नहीं दी राहत

नई दिल्ली , एजेंसी। पत्नी के कत्ल के मामले में अदालत पहुंचे पति को दिल्ली हाई कोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया। पति ने बचने के लिए अपनी गरीबी का सराहा लिया तो अदालत ने साफ कहा कि गरीबी कोई सुरक्षा कवच नहीं है। कोर्ट ने 2014 में अपनी पत्नी को आग लगाकर हत्या करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने टिप्पणी की कि इस मामले में अपराध को बढ़ाने वाली परिस्थितियां,नरम करने वाली परिस्थितियों से अधिक थीं। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि हालांकि,यह मामला दुर्लभतम मामलों की श्रेणी में नहीं आता,जिसके लिए मृत्युदंड दिया जा सके। अदालत भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराए गए गिरिराज किशोर भारद्वाज उर्फ श्याम नागा की सज़ा की मात्रा पर दलीलें सुन रही थी।

दिल्ली हाई कोर्ट के जज ने कहा कि सजा सुनाते समय सजा के उद्देश्य को ध्यान में रखना जरूरी है। दी गई सजा अपराधी के अधिकारों और पीड़ित के अधिकारों के साथ-साथ कानून के उद्देश्य के बीच सही संतुलन स्थापित करनी चाहिए। न्यायाधीश ने कहा,गरीबी कोई बड़ी नरम करने वाली परिस्थिति नहीं है। अपर लोक अभियोजक पंकज कुमार रंगा ने दोषी के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए कहा कि उसने 24 सितंबर 2014 को अपनी पत्नी कुसुम पर

ज्वलनशील पदार्थ डालकर और माचिस की तीली से आग लगाकर यह जघन्य अपराध किया था। अभियोजक ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी के बेटों में से एक ने पढ़ाई छोड़ दी और नशे का आदी हो गया,जबकि दूसरा,जो नाबालिग था,एक सब्जी विक्रेता के यहां सहायक के रूप में काम करने लगा। इसके बाद अदालत ने भारद्वाज को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। जज ने टिप्पणी की,दोषी पहली बार अपराध करने वाला है। दोषी द्वारा किया गया अपराध जघन्य प्रकृति का है। मृतक दोषी की पत्नी थी। मृतक कुसुम और उसके बेटों के परिवार के सदस्यों का सदमा समझा जा सकता है। अदालत ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भी यह मामला भेजा ताकि मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों के लिए पर्याप्त मुआवज़ा तय किया जा सके। अदालत ने यह स्वीकार किया कि उन्हें मानसिक आघात,असुविधा,कठिनाई,निराशा और हताशा का सामना करना पड़ा है।

ट्रम्प के परिवार को 13 हजार करोड़ का गिफ्ट

वियतनाम ने गोल्फ रिसोर्ट दिया, अमेरिका से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहे देश

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देश अब ट्रम्प कुनबे को अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट्स देकर अमेरिका से रिश्ते बेहतर करने की होड़ में लग चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन सौदों में कई देश कानूनी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर कानूनी रियायतें दें रहे हैं। वियतनाम के विन फुक प्रांत में 13 हजार करोड़ का 'ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट' प्रोजेक्ट ऐसा ही मामला है। इसे वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर मंजूरी दे दी।

इसमें भूमि अधिग्रहण और वित्तीय जांच जैसी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह परियोजना ट्रम्प के कुनबे से जुड़ी है, इसलिए इसे कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना मंजूरी दी गई। वहीं, इंडो?नेशिया के बाली और वेस्ट जावा में भी ट्रम्प कुनबे को होटल और गोल्फ कोर्स जैसे प्रोजेकट ऑफर किए गए हैं। इनमें भी कानूनी ?प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया गया है।

वियतनाम और इंडोनेशिया के अलावा ट्रम्प कुनबे को तुर्किये व अजरबैजान जैसे देश भी साधने में लगे हैं। तुर्किये के इस्तांबुल में ट्रम्प टावर्स रेसिडेंशियल और ऑफिस कॉम्प्लेक्स जैसे प्रोजेक्ट ट्रम्प के परिवार को ऑफर किए गए हैं। इन प्रोजेक्ट्स में डोगान होल्डिंग से साझेदारी हुई है। वह तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयब एर्दोगान की पार्टी एकेपी के करीबी माने जाते हैं।

अजरबैजान का ट्रम्प इंटरनेशनल होटल। यह प्रोजेक्ट बिजनेसमैन मम्मदोव के साथ मिलकर किया जा रहा है। यहां वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल उठे ?हैं। फिलीपींस भी ट्रम्प कुनबे को प्रोजेक्ट देने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यहां ट्रम्प को प्रोजेक्ट ऑफर करने के लिए परदे के पीछे लॉबिंग की जा रही है।

पाकिस्तान ने भी ट्रम्प एआई प्रोजेक्ट को 2 हजार मेगावाट बिजली दी

पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने ट्रम्प की साझेदारी वाले एआई प्रोजेक्ट के लिए दो हजार मेगावाट बिजली आवंटित की है। इस बिजली का इस्तेमाल कर बिटकॉइन माइनिंग की जाएगी। साथ ही एआई डेटा सेंटर्स में भी इस बिजली का इस्तेमाल होगा। बता दें कि पाक सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने के लिए क्रिप्टोकरेंसी को वैध करने का फैसला किया है। बयान में कहा गया कि चार करोड़ क्रिप्टो यूजर के साथ, पाक डिजिटल करेंसी में अपार संभावनाएं रखता है।

यूनिवर्सिटी में छात्रा ने पीरियड पर छुट्टी मांगी तो टीचर ने की अपमानजनक मांग, छिड़ गई बहस

बीजिंग, एजेंसी। क्या पीरियड के दौरान छुट्टी लेने के लिए किसी छात्रा को अपनी पैंट उतारनी पड़ सकती है? सुनने में यह भले ही अकल्पनीय लगे, लेकिन चीन की राजधानी बीजिंग के एक प्रतिष्ठित संस्थान में ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने छात्रा को मानसिक सदमे में डाल दिया और देशभर में महिला अधिकारों को लेकर बहस छेड़ दी। यह घटना 15 मई की है, जब पीड़ित छात्रा छुट्टी की दरख्वास्त लेकर कैंपस क्लिनिक पहुंची। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर बताया कि स्टाफ ने उससे कहा द्धद्ध अगर छुट्टी चाहिए तो अपनी पैंट उतारो और साबित करो कि तुम्हें पीरियड हो रहा है। छात्रा द्वारा आपत्ति जताने पर महिला स्टाफ ने यह कहकर बात को टाल दिया कि, यह मेरा निजी फैसला नहीं, बल्कि संस्थान का नियम है। यह वीडियो और बयान जैसे ही चीन की सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

यूनिवर्सिटी का अजीबोगरीब पक्ष

घटना के अगले दिन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सफाई दी कि जांच छात्रा की सहमति से की गई और कोई मेडिकल उपकरण इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह नियम नया नहीं है और इसका मकसद उन छात्राओं को रोकना है, जो महीने में कई बार झूठ बोलकर छुट्टी लेती हैं। स्टाफ सदस्य सू ने दावा किया कि कई छात्राएं हर महीने 4-5 बार पीरियड का बहाना बनाती हैं, इसलिए यह नियम लागू किया गया है।

मानवाधिकार विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया

चीन में महिला अधिकारों के विशेषज्ञ और पूर्व वकील झांग योंगकुआन ने इस नियम को छात्रा की निजता का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रकरण साफ तौर पर छेड़छाड़ और महिला-सुरक्षा कानूनों का उल्लंघन है। छात्रा अब भी अपनी बात पर अड़ी हुई है और उसने चेतावनी दी है कि यदि कोई लिखित नियम दिखाया जाता है, तो वह सोशल मीडिया से अपने सभी बयान और वीडियो हटा लेगी।

बहरीन की गलियों में गूंजी भारत की आवाज़, मुस्लिम देशों के सामने पाकिस्तान को किया बेनकाब

मनामा एजेंसी। मनामा में बाब अल बहरीन के प्रवेश द्वार पर स्थित दो दुकानों 'कोहिनूर और 'एवरशाइन के कर्मचारी उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब भारतीय सांसद 'मनामा सूक के इस ऐतिहासिक बाजार क्षेत्र में अचानक आ गए। 'कोहिनूर का मालिक एक भारतीय है जबकि 'एवरशाइन का संचालन पाकिस्तानी कर्मचारी करते हैं। पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत के रुख को दुनिया तक पहुंचाने के कूटनीतिक अभियान के तहत बहरीन में बैठकों के व्यस्त कार्यक्रम के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम को इस प्रतिष्ठित क्षेत्र में पहुंचा। इस दौरान सांसदों ने कुछ लोगों से बात की और तस्वीरें भी खिंचवाईं।

'कोहिनूर के एक भारतीय कर्मचारी ने कहा, ''(ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता असदुद्दीन) ओवैसी जैसे लोगों को देखकर अच्छा लगा और मैंने एक सेल्फी ली। 'एवरशाइन के पाकिस्तानी कर्मचारी भी हैरान एवं उत्सुक दिखे। उनमें से एक कर्मचारी ने कहा, ''हम यहां

काम करने आए हैं, हम वास्तव में नहीं जानते कि हमारे देश में क्या राजनीति हो रही है। ये दोनों दुकानें आमतौर पर एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करती हैं। इस यात्रा की पृष्ठभूमि में व्यापक कूटनीतिक मिशन जारी है। भारत के कूटनीतिक प्रयासों के तहत सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों की 33 राजधानियों की यात्रा कर रहे हैं ताकि विशेष रूप से 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आतंकवाद को लेकर भारत की प्रतिक्रिया और पाकिस्तान की मंशा के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपनी बात रखी जा सके। भारत मुस्लिम जगत को यह बताना चाहता है कि यह महज दो देशों के बीच की लड़ाई नहीं है बल्कि वैश्विक आतंकवाद की बड़ी चुनौती का हिस्सा है। यही कारण है कि प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य मुस्लिम जगत के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर रहे आईएसआईएस जैसे समूहों की 'तकफीरी विचारधारा और भारत जिस तरह के आतंकवाद का सामना कर रहा है, उसके बीच समानताएं बता रहे हैं। तकफीरी का मतलब है हिंसा को सही ठहराने के लिए किसी को धर्मच्युत या काफिर घोषित करना। ओवैसी ने कहा, ''पाकिस्तान के इन आतंकवादी संगठनों और आईएसआईएस की तकफीरी विचारधारा में कोई अंतर नहीं है। यह हमें याद रखना चाहिए। यह पूरी मानवता के लिए खतरा है और हमें इसे खत्म करना होगा...उन्होंने लोगों की हत्या को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया है और पूरी दुनिया जानती है कि इस्लाम ने आतंकवाद की निंदा की है। उन्होंने कहा, ''कुरान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या करना पूरी मानवता की हत्या के समान है, कुरान ने किसी निर्दोष 'मुसलमान की हत्या की बात नहीं की है, बल्कि यह कहा है कि किसी निर्दोष 'व्यक्ति की हत्या पूरी मानवता की हत्या के बराबर है। भारत मुस्लिम बहुल देशों को यह बात समझाने की कोशिश कर रहा है कि सिर्फ इसलिए कि पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है, उसे भारत के खिलाफ उसके कृत्यों के लिए दोषमुक्त नहीं किया सकता। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पश्चिम एशिया के देशों में प्रमुख सरकारी और राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत कर रहा है और विमर्श को आकार देने के लिए भारतीय प्रवासियों से जुड़ने का भी ठोस प्रयास कर रहा है।

सरना धर्म कोड को जातीय जनगणना में शामिल करने को लेकर जेएमएम का धरना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर झामुमो धनबाद जिला समिति द्वारा जिला अध्यक्ष लक्खी सोरेन के नेतृत्व में सरना धर्म कोड को जातीय जनगणना में शामिल करने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। सर्वप्रथम धनबाद जिला परिषद मैदान से आदिवासी समुदाय के लोग एवं झामुमो के कार्यकर्ता जुलूस के रूप में रणधीर वर्मा चौक पहुंचे। सभी ने एक स्वर में सरना धर्म कोड लागू करो, केन्द्र सरकार होश में आओ के नारों के साथ अपनी मांग को रखा।मौके पर जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन ने कहा कि सरना धर्म हमारी आत्मा है। इसे जनगणना में कोड न देना आदिवासियों की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का अपमान है। केंद्र सरकार आदिवासियों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है। झामुमो इसके खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेगा।मौके पर केन्द्रित मिडिया पेनेलिस्ट सह केन्द्रीय सदस्य डॉ निलम मिश्रा ने कहा कि झारखंड विधानसभा ने 2020 में सर्वसम्मति से सरना धर्म कोड के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन केंद्र सरकार अब तक चुप है। यह चुप्पी अन्याय की प्रतीक है। हम मांग करते हैं कि जनगणना 2025 से पहले सरना धर्म कोड को मान्यता दी जाए एवं देश के करोड़ों आदिवासियों के साथ न्याय किया जाएं, अगर केन्द्र सरकार उक्त मांग पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं करती हैं तो झारखण्ड मुक्ति मोर्चा दिल्ली तक आंदोलन करेगी आदिवासी कि अस्मिता, संस्कृति, परम्परा केलिए हम संघर्ष करते रहेंगे।उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि सरकार सरना धर्म कोड लागू नहीं करके आदिवासियों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है और साथ ही सौतेला व्यवहार कर रही है। झारखण्ड में कई आदिवासी नेता है, जो भारतीय जनता पार्टी से हैं लेकिन फिर भी वह लोग इस मांग को नहीं उठाते हैं, वह लोग बीजेपी के हांथों में बिक चुके हैं, बीजेपी के मानसा से ग्रसित है, फोबिया से ग्रसित है, इसलिए हम लोग यह मांग छोड़ने वाले नहीं है, आज हम लोग धनबाद में एकदिवसीय धरना दे रहे हैं अगर जरूरत पड़ी तो दिल्ली में जाकर धरना देंगे, और सरकार के कानों तक अपनी बात पहुंचाएंगे। कार्यक्रम उपरांत जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्र सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सदस्य रमेश टुडू, जग्गू महतो, सुखलाल मरांडी, डब्लू मह्था,काजी सिराज अहमद, पूर्व केंद्रीय सदस्य कंसारी मंडल, अलाउद्दीन अंसारी,जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, कालीचरण महतो, अजय रवानी,सह सचिव तपन तिवारी,मनोज महतो, रंजीत महतो,संगठन सचिव मनोज रवानी, कोषाध्यक्ष किशोर मुर्मू, महानगर अध्यक्ष मन्टु चौहान, सचिव रामू मंडल,उपाध्यक्ष बंटी सिंह, मिहिर दत्ता,राजू प्रमाणीक,सह सचिव आकाश रवानी, रतिलाल टुडू,पूर्व जिला प्रवक्ता समीर रवानी एवं अमित महतो शामिल हुए।

सरना धर्म कोड को लेकर जेएमएम ने दिया धरना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरना धर्म कोड को जातीय जनगणना कॉलम में शामिल करने की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा पूरे प्रदेश में आज डीसी मुख्यालय में धरना दिया गया। इस कड़ी में बोकारो डीसी ऑफिस के पास झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला कमेटी के द्वारा धरना दिया गया। इस धरने में राज्य के पेयजल स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने शिरकत की। इस धारणा को लेकर जेएमएम के नेता और कार्यकर्ता काफी उत्साहित नजर आए।

ढोल नगाड़ों के साथ जुलूस निकालकर सभी डीसी ऑफिस पहुंचे जहां यह प्रदर्शन धरने में बदल गई। मीडिया से बात करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जब तक जाति जनगणना में सरना धर्म कोड के कॉलम को शामिल नहीं किया जाता है तब तक झारखंड में किसी कीमत पर जनगणना नहीं होने देंगे। झारखंड के आदिवासियों के साथ अन्य किसी कीमत पर पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा के कुकर्म के कारण राज्य की जनता ने दो-दो बार उन्हें सत्ता से दूर करने का काम किया है। अब 2039 तक राज्य में भाजपा की सरकार बनने वाली नहीं है।

बोकारो एयरपोर्ट उड़ान सेवा को लेकर आरोप प्रत्यारोप जारी

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गेंद बीएसएल के पाले में डाली

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो हवाई अड्डे से उड़ान सेवा शुरू करने को लेकर सत्ता और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो चली थी। इस बीच झारखंड सत्ताधारी दल के मंत्री और नेताओं ने एयरपोर्ट से उड़ान सेवा शुरू नहीं होने के लिए बोकारो स्टील को जिम्मेदार ठहराया दिया। हालांकि धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद में हवाई अड्डा निर्माण के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को पत्र सौपा था, उसके बाद से राजनीति तेज हो गई थी। राज्य के पेयजल स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि उड़ान सेवा बोकारो हवाई अड्डे से शुरू नहीं हो रही है, तो इसके लिए बोकारो स्टील जिम्मेदार है।

विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने कहा कि एयरपोर्ट के पास बूचड़खाने हैं जिसके कारण लाइसेंस मिलने में परेशानी

क्योंकि जो हवाई अड्डे के बाउंड्री से सटे घर है उसे री लॉकेट कर हटाना है ,जो काम आज तक नहीं हो पाया है। जब तक यह काम होगा नहीं उड़ान सेवा किसी कीमत पर शुरू नहीं होगी। इस काम को पहले पूरा करें। बेरमो के कांग्रेस विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने कहा कि एयरपोर्ट के पास बूचड़खाने हैं जिसके कारण लाइसेंस मिलने में परेशानी हो रही है। बोकारो स्टील इन सभी को दून्दीबाद में वेंडर मार्केट बनाकर जगह उपलब्ध करने का काम करें। सिर्फ आरोप प्रत्यारोप लगाने से कुछ नहीं होगा। वही इस मामले में जब धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जिनका कोई लेना देना नहीं वह बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं।

ंक्षिप्त समाचार

मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डॉ अनुप्रिया और डॉक्टर मीता सिन्हा ने सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में बहनों को उन खास दिनों में अपने शारीर

को किस प्रकार स्वच्छ रखे एवं मानसिक संवलता को बनाए सलाह दी। शरीरिक स्वच्छता के बारे में जानकारी दिया गया। साथ ही उनके मानसिक संबल को भी बढ़ावा दिया, आत्म सुरक्षा के बारे में बताया गया। शिक्षा और जागरूकता यह कार्यक्रम आम तौर पर किशोरियों, युवतियों और कुछ मामलों में किशोरियों की माताओं को लक्ष्य करता है। जे सी सी जजबा की तरफ से अस्पताल के बीच सेनेटरी नैपकिन का भी वितरण हुआ।

राहगीरों के लिए रोटरी ने लगाया प्याऊ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास द्वारा चास निगम क्षेत्र में निरंतर प्याऊ के माध्यम से जनसेवा देने का कार्य किया जा रहा है। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी लगातार एवं नियमित रूप से राहगीरों को पेयजल उपलब्ध करा सेवा कार्य रही है। बिनोद ने कहा कि गर्मियों के मौसम में यह अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा है जब प्यास से राहत पाने के लिए लोगों को शीतल पर जल की आवश्यकता होती है। संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि रोटरी क्लब चास जन कल्याण का कार्य कर रही है।बैद ने कहा कि हमारे धर्म में भी यह पुन्य का काम माना गया है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी, बाई पास रोड में तीन जगह तथा जोधाडीह मोड के पास एक जगह विगत 2 माह से प्याऊ का निरंतर संचालन कर रही है। मुकेश ने कहा कि रोटरी क्लब चास सदैव जन सेवा के कार्य में तत्पर रही है।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सीपीआई-एमएल मास लाइन केंद्रीय कमेटी के द्वारा आज बोकारो के बिरसा आश्रम में पुलिस ब्यूरो सदस्य कॉमरेड संजय सिंघवी का श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें भारत, नेपाल और जर्मनी से भी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस श्रद्धांजलि सभा का उद्देश्य उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए शपथ लेना है। इस मौके पर कॉमरेड सौरभ बोरा के 39वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कॉमरेड संजय सिंघवी रेवोल्यूशनरी परिटीएस एंड ऑगेर्नाइजेशन के इंटरनेशनल कोऑर्डिनेटर और जनरल सेक्रेटरी ट्रेड यूनियन सेंट्रल ऑफ इंडिया थे। इस कार्यक्रम में पूरे भारत पर से यूनियन के नेता पहुंच यार उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए सीपीआई-एमएल मास लाइन के जनरल सेक्रेटरी प्रदीप सिंह ठाकुर कहा की आज श्रद्धांजलि सभा और शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम रखा गया है। ताकि उन्होंने उनकी जो सोच थी उसे सोच को आगे बढ़ाने के लिए और उनके बताए रास्ते पर चलने के लिए कैसे हम लोग आगे काम कर सके। हम लोग आगे भी ट्रेड यूनियन के माध्यम से उनके विचारों को आगे बढ़ने का काम करेंगे।

स्टेरिंग हुआ ऑटो लॉक, कार डिवाइडर से टकराई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सर्कस मैदान के पास मुख्य सड़क पर एक इनोवा कार का स्टेरिंग अपने आप लॉक होने के कारण गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। हालांकि इस हादसे में चालक बाल बाल बच गया। गाड़ी पत्थर कट्टा चौक से गांधी चौक की तरफ जा रही थी। इसी दौरान स्टेरिंग लॉक हुआ और डिवाइडर को तोड़ते हुए गाड़ी जा पलटी। जहां यह हादसा हुआ यह सड़क फोरलेन है। जिस कारण गाड़ियों के आने-जाने का रास्ता अलग है। इनोवा गाड़ी धनबाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में चलती है। जो खराब हुई थी और इसे बनाने के लिए बोकारो लाया गया था। बनाने के बाद आज डीजल भरा कर यह गाड़ी धनबाद जा रही थी। तब यह हादसा हुआ है। हादसे में गाड़ी क्षतिग्रस्त जरूर हुई है। घटना के बाद सेक्टर 4 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे एएसआई ने बताया कि गाड़ी में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं हादसा गाड़ी का स्टेरिंग लॉक होने के कारण हुआ है।

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने एमबीए छात्रों के लिए औद्योगिक दौरे का आयोजन किया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईएसएल स्टील लिमिटेड, जो वेदांता लिमिटेड की सहायक कंपनी है, ने विनोबा भावे कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए छात्रों के लिए एक पर्यवेक्षित औद्योगिक दौरे का आयोजन किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को स्टील निर्माण प्रक्रिया और प्लांट में अपनाई जा रही सुरक्षा प्रणालियों की व्यावहारिक जानकारी देना था। इस दौरे में 45 छात्र और 3 संकाय सदस्य शामिल हुए। शुरूआत सुरक्षा परिचय और वीडियो ब्रीफिंग से हुई, जिससे प्रतिभागियों को संयंत्र के सुरक्षा प्रोटोकॉल से अवगत कराया गया। इसके बाद छात्रों को बार रॉड मिल और वायर रॉड मिल सहित प्रमुख उत्पादन इकाइयों का दौरा कराया गया। सभी को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (ढढए) उपलब्ध कराए गए, जो सुरक्षा के प्रति ईएसएल की गंभीर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा, ह्वहम मानते हैं कि भविष्य की प्रतिभाओं को वास्तविक दुनिया के अनुभव देना बेहद जरूरी है। ऐसे औद्योगिक दौरे न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें मुख्यधारा के उद्योगों में करियर बनाने के लिए प्रेरित भी करते हैं।ह्व यह पहल ईएसएल के शैक्षणिक संस्थानों के साथ मजबूत जुड़ाव और शिक्षा व उद्योग के बीच की खाई को पाटने के सतत प्रयासों का हिस्सा है।

जैक 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित टॉप 06 में बोकारो हुआ शामिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा आहूत 10 वी. (मैट्रिक) की परीक्षा परिणाम मंगलवार सुबह जारी किया गया। परीक्षा से पूर्व जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में प्री बोर्ड टेस्ट का आयोजन किया गया था। जिससे विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की शैक्षणिक क्षमता में बढ़ोतरी हुई। इससे जिले के छात्रों ने पूरे राज्य में टॉप 06 में अपना स्थान काबिज किया है। उपायुक्त ने जिले के छात्रों,शिक्षकों, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अभिभावकों को इस प्रदर्शन के लिए बधाई दी है एवं आगे भी इस क्रम को जारी रखते हुए और बेहतर करने की बात कहीं है। बोकारो जिला पूरे राज्य में 95.78 प्रतिशत अंक लाकर छठा स्थान प्राप्त किया है। जिसका आज सुबह परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। इसमें बोकारो जिले से कुल 23,591 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिसमें 22,596 बच्चे प्रमोटेड किये गये हैं। बता दें कि, 10 वीं बोर्ड की परीक्षा में कोडरमा जिला 97.831 प्रतिशत रिजल्ट के साथ राज्य में पहले स्थान पर रहा। जबकि 96.830 प्रतिशत रिजल्ट के साथ पाकुड़ दूसरे स्थान पर, 96.337 प्रतिशत लाकर जामताड़ा तीसरे स्थान पर, 96.268 प्रतिशत के साथ लातेहार चौथे स्थान पर, 96.236 प्रतिशत के साथ साहिबगंज पांचवें स्थान पर, 95.782 प्रतिशत के साथ बोकारो छठे स्थान पर रहा है। जानकारी हो कि, उपायुक्त के पहल पर पहली बार प्रदर्शन को बेहतर करने एवं जिले की रैंकिंग में सुधार को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर कार्य किया गया। सरकारी विद्यालयों में प्रि- बोर्ड टेस्ट का आयोजन किया गया था। उल्लेखनीय हो कि, मैट्रिक परीक्षा 2024 में जिले का रैंकिंग 19 वां. था, उस समय जिले का प्रमोटेड प्रतिशत 88.03 फीसदी था, जो इस बार 95.782 रहा है। जिले की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है। इस प्रदर्शन को लेकर चारों ओर खुशी का मौहाल है।

कस्तूरबा विद्यालयों की छात्राओं ने भी किया बेहतर प्रदर्शन

जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने 10 वी. (मैट्रिक) की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय चास में कुल 75 छात्राओं में से 74 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में एवं एक छात्रा ने द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण किया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जारीडीह में शत प्रतिशत परिणाम हुआ है। इसमें 65 छात्राओं में से 57 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में एवं आठ छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण किया है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पेटरवार में शत प्रतिशत परिणाम हुआ है। 64 छात्राओं में से 41 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी एवं 22 छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी एवं एक छात्रा ने तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण किया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नावाडीह में भी शत प्रतिशत परिणाम हुआ। कुल 50 छात्राओं में से 48 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी एवं दो छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण किया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बेरमो एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय चंद्रपुरा, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय चंदनकियारी में भी शत - प्रतिशत परिणाम आया है। वहीं, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोमिया में कुल 67 छात्राओं में से सिर्फ एक बच्ची मार्जिनल है, शेष सभी छात्राएं उत्तीर्ण है।

धनबाद के 54 वें उपायुक्त के रूप में आदित्य रंजन ने किया पदभार ग्रहण

जिले के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाना प्राथमिकता : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मंगलवार को धनबाद के 54 वें उपायुक्त के रूप में समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद सभी औपचारिकताएं पूरी कर उपायुक्त ने पदभार संभाला। निवर्तमान उपायुक्त ने नए उपायुक्त को शुभकामनाएं दी। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना प्राथमिकता होगी। साथ ही कहा कि जिले की जो समस्याएं सामने आएंगी उसका इमानदारी पूर्वक समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं निवर्तमान उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि धनबाद में उनका कार्यकाल संतोषजनक रहा। धनबाद में उपायुक्त के रूप में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। साथ ही कहा कि प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस एवं जनता के सहयोग से लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए। कार्यकाल के दौरान सबके सहयोग से धनबाद में कई काम किए। मीडिया सहित अन्य माध्यमों से कई समस्याओं की जानकारियां मिलती रही। उसके समाधान की दिशा में कारगर कदम उठाए। इसके बाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने सभी पदाधिकारियों के साथ औपचारिक मुलाकात की और उनका परिचय प्राप्त किया। इस अवसर अवसर पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) पियूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

35 वें उपायुक्त के रूप में अजय नाथ झा ने किया प्रभार ग्रहण

कहा : धरातल पर योजनाओं को पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के 35वें उपायुक्त के रूप में अजय नाथ झा ने मंगलवार को निवर्तमान उपायुक्त विजया जाधव से प्रभार ग्रहण किया। नव पदस्थापित उपायुक्त ने पदभार लेने के बाद जिले के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिले के विकास के लिए किए जाने वाली कार्यों की गति में निरंतरता बनाएं रखने में सहयोग की बात कहीं। नव पदस्थापित उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ही मेरी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास रहेगा आमजनों के साथ सभी स्टेक होल्डर, मीडियाबन्धु एवं जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों को समन्वय बेहतर तरीके से स्थापित हो, एक बेहतर प्रशासनिक माहौल बन सके। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति को लाभान्वित करने का प्रयास रहेगा। प्रभार सौंपने के बाद निवर्तमान उपायुक्त विजया जाधव ने कहा की सेवा के दौरान पदाधिकारियों का पदस्थापन एवं स्थानांतरण एक प्रक्रिया है। अपने सेवा के दौरान मैंने अपना शत-प्रतिशत दिया। सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को बोकारो के जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। वहीं, समाहरणालय सभागार में कर्मचारी संघ द्वारा पदाधिकारी/कर्मियों ने नव पदस्थापित उपायुक्त का स्वागत किया एवं निवर्तमान उपायुक्त को विदाई दी। मौके पर कार्य अवधि के दौरान अपने - अपने कार्य अनुभव को भी सभी ने साझा किया। मौके पर जिला स्तरीय सभी वरीय पदाधिकारी/कर्मीगण आदि उपस्थित थे।

खूंटी जिला के 14वें उपायुक्त के रूप में आर. रॉनिटा ने किया पदभार ग्रहण

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को बताया प्राथमिकता

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2015 बैच की अधिकारी श्रीमती आर. रॉनिटा ने खूंटी जिला के 14वें उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के पश्चात मीडिया से बात करते हुए नवनियुक्त उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को गति देते हुए उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि जिले की समग्र प्रगति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर जिले के वरीय पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागों के कर्मी, मीडिया प्रतिनिधि सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त उपायुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

स्वर्णरेखा नदी में मिली युवक की लाश, हत्या की आशंका

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सीतारामडेरा के समीप स्वर्णरेखा नदी में सोमवार सुबह एक युवक की लाश मिली है, जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। युवक की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नदी से निकाला और जांच शुरू कर दी। युवक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। उसके शरीर पर चोट का निशान नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। गौरतलब है कि पांच महीने में स्वर्णरेखा के इस इलाके से यह पांचवीं लाश बरामद की गई है। जनवरी में एक छात्र का शव मिला था, जिसे आत्महत्या बताया गया था। मार्च में दो मामलों में नशे की हालत में डूबने की पुष्टि हुई थी।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' को ले भाजपा किसान मोर्चा ने आयोजित की संगोष्ठी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय कार्यक्रम के निमित्त भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के निर्देशानुसार जिला सहकारिता संघ, चंद्रपुरा स्थित बी एम एस कार्यालय, दुग्धा में बोकारो ज़िला किसान मोर्चा के द्वारा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर महथा और संचालन मोर्चा जिला महामंत्री अरविंद राय एवं धन्यवाद ज्ञापन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद कुमार ने किया। एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए देस में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अध्यक्षता में बनी कमेटी द्वारा कुल 62 राजनीतिक दलों से सुझाव मांगा गया। 47 दलों ने समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दी है जबकि 32 दल विरोध और 15 दलों ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। देश में बड़े-बड़े संगठनो से भी सुझाव मांगा गया जिसमें बार काउंसिल एसोचैम फिक्की दी आई आई शामिल हैं। जनता से भी सुझाव लिया गया। जिसमें 83 फीसदी जनता एक साथ एक चुनाव के पक्ष में हैं। कहा गया, एक साथ चुनाव होने से आवश्यक कार्य नहीं रुकेंगे। बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक व्यवधान उत्पन्न होता है। आदर्श आचार संहिता लागू होने से विकास परियोजना रुक जाता है। इसलिए देश में एक राष्ट्र एक चुनाव लागू होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, शंकर रजक, तेज बहादुर सिंह, अजय दुबे, हरे राम मिश्रा, आरएन ओझा, अजय दुबे, महेंद्र महतो, सुमन सिंह ,फूलचंद किसकु, अनिल सोरेन, श्यामलाल किस्कू, अनीता गुप्ता, सुरेंद्रनाथ ,त्रिपुरारी नाथ तिवारी, संतू राय, विक्रम पांडेय, राजेश सिंहा, ईश्वर महतो, राजकुमार रंजन, झारखंड महथा भरत झा शामिल हुए।

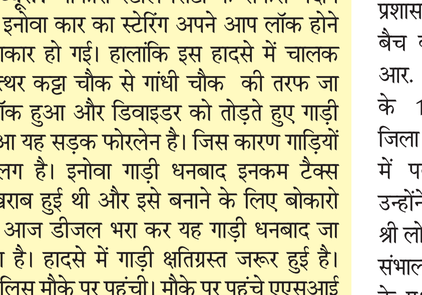

आंतरिक संसाधनों से हॉट स्ट्रिप मिल के क्रेन संख्या 21 का नवीकरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल के नवीनीकृत क्रेन संख्या-21 का उद्घाटन आज दिनाँक 27 मई को अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा के द्वारा किया गया. उद्घाटन के मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स-फाउंड्री) जे वी शेखर, महाप्रबंधक (शॉप्स -फाउंड्री) पी पी सिंह एवं हॉट स्ट्रिप मिल के मुख्य महा प्रबंधक विपिन कुमार सिंह के साथ वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे. हॉट स्ट्रिप मिल के यांत्रिकी अनुभाग के महाप्रबंधक (प्रभारी) एस एन भगत के दिशा निर्देशन में क्रेन संख्या 21 के 110 टन क्षमता वाले पुराने एवं क्षतिग्रस्त टोंग का जीणोर्धार किया गया. क्रेन के क्षतिग्रस्त टोंग की मरम्मत एवं नवीनीकरण की जिम्मेदारी एस. सी. मोहापात्रा के नेतृत्व में सहायक महाप्रबंधक एस के रॉय, वरीय प्रबंधक एस एस यादव और क्रेन अनुभाग के कर्मियों ने उठाई जिसे उन्होंने रिकॉर्ड समय में पूरा किया. इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूर्ण करने में हॉट स्ट्रिप मिल के महाप्रबंधक एस के सेन ने न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि तकनीकी सलाह भी प्रदान की. सामान्य अनुरक्षण विभाग के एन के बेहरा, महाप्रबंधक तथा राजेश यादव की टीम का सराहनीय योगदान था. अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा ने इस कार्य से सम्बंधित सभी विभागों तथा कार्मिकों के प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के अभिनव पहल करने की अपील की.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK